- सीजेआई ने कहा- तत्काल मामलों को सूचीबद्ध करेगी कोर्ट-12

- देश की प्रमुख आठ बुनियादी उद्योगो की वृद्धि दर घटकर 1.8 प्रतिशत-12

- बांग्लादेश में हादी के बाद एक अन्य छात्र नेता को मारी गई सिर में गोली-13

- वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार के बाद संन्यास लेने पर विचार किया था : रोहित-14

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.05

सूर्यास्त 05.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष तृतीया 12:13 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 23 दिसंबर 2025, वर्ष 6, अंक 266, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

कोडीन मामले में बुलडोजर चले तो चिल्लाना नहीं : योगी

विधानसभा सत्र मुख्यमंत्री ने कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में सपा पर बोला तीखा हमला, सदन में रखे संलिप्तता के सबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा में कोडीनयुक्त कफ सिरप प्रकरण पर समाजवादी पार्टी को घेरते हुए आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और समय आने पर बुलडोजर कार्रवाई होगी, तब चिल्लाइएगा नहीं।

मुख्यमंत्री ने सदन में आरोपियों के सपा से जुड़े होने के सबूत पेश करते हुए कहा कि अवैध डायवर्जन के इस नेटवर्क में कई चेहरे सीधे समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़े पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी बच नहीं पाएगा।

मैं सपा की छटपटाहट समझ सकता हूं। जब सपा से जुड़े आरोपियों पर कार्रवाई होगी, तो वे लोग ही सबसे पहले फातिहा पढ़ने जाएंगे। लेकिन मैं उनको फातिहा पढ़ने लायक भी नहीं छोड़ूंगा। विपक्ष पर भ्रामक सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए साफ किया कि यूपी में न तो कोडीन कफ सिरप का निर्माण होता है और न ही इसके सेवन से यहां किसी की मौत हुई है। यह पूरा मामला दवाओं के अवैध डायवर्जन और बिना प्रिस्क्रिप्शन बिक्री से जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि एसटीएफ, एसआईटी और एफएसडीए की संयुक्त कार्रवाई में दर्जनों फर्मों पर छापे मारे गए हैं और बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां हुई हैं। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करेगा और कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा।

विधानसभा में बोलते मुख्यमंत्री योगी साथ में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। ● अमृत विचार

सीएम योगी के तीखे बयान

- बर्खास्त सिपाही आलोक पक्का सपाई है, सबूत सदन के सामने हैं
- अखिलेश के साथ फोटो में दिख रहा आरोपी अमित यादव
- 332 फर्मों पर छापे, 77 से ज्यादा गिरफ्तार
- सपा से जुड़े आरोपियों पर कार्रवाई हुई तो वही सबसे पहले फातिहा पढ़ेंगे
- जीरो टॉलरेंस नीति, किसी को नहीं बख्शा जाएगा
- यूपी के जो सबसे बड़े होलसेलर हैं, उन्हें 2016 में सपा ने जारी किया था लाइसेंस
- देश में दो नमूने हैं, जब कोई चर्चा होती है तो वह देश छोड़कर भाग जाते है
- आप चिल्लाते रहेंगे और 'बबुआ' सैरसपाटे के लिए इंग्लैंड चले जाएंगे
- अवैध लेन-देन भी लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते के माध्यम से हुआ

कफ सिरप प्रकरण : तथ्य एक नजर में

- कफ सिरप या दवाइयां अवैध नहीं हैं, अवैध है बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिक्री और नशे के लिए डायवर्जन।
- माफिया गैंग्स ने फर्जी दस्तावेज बनाकर भारी मात्रा में कफ सिरप इकट्ठा किया और सुपर स्टॉकिस्ट से रिटेलर तक पूरी चेन बनाकर अवैध बिक्री की।
- माफिया नेटवर्क पर सरकार ने क्रैकडाउन किया है।
- शेड्यूल- एच दवाओं (सेडेटिव, स्लीपिंग पिल्स आदि) की बिना प्रिस्क्रिप्शन बिक्री रोकने के लिए भी कार्रवाई जारी है।
- उप्र में न उत्पादन, न मौत- यहां किसी बच्चे की भी मृत्यु नहीं हुई।
- मप्र में बच्चों की मौत का मामला तमिलनाडु में बने नकली कफ सिरप से जुड़ा है, जिसकी जांच केंद्र कर रही है।

24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वास्थ्य, ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग व नगरीय विकास को योगी सरकार ने खोला खजाना
- जारी किया गया अनुपूरक बजट प्रदेश के मूल बजट 8.08 लाख करोड़ रुपये का 3.03 प्रतिशत

अमृत विचार: सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को 2025-26 के लिए 24,496.98 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास की निरंतरता बनाए रखना व प्राथमिक क्षेत्रों को अतिरिक्त मजबूती देना है। यह बजट प्रदेश के मूल बजट 8.08 लाख करोड़ का 3.03 प्रतिशत है। चालू वित्तीय वर्ष का कुल बजट बढ़कर 8.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

योगी सरकार का यह अनुपूरक बजट विकास और वित्तीय संतुलन का संदेश देता है। जिसमें औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, नगरीय विकास व ऊर्जा को केंद्र में रखकर अर्थव्यवस्था को नई गति देने का प्रयास किया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अनुपूरक बजट में 18,369.30 करोड़ का राजस्व व्यय और 6,127.68 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित किया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि राज्य ने एफआरबीएम अधिनियम की सभी सीमाओं का पालन किया है। भारत सरकार के ताजा अनुमानों के अनुसार उप्र की जीएसडीपी 31.14 लाख करोड़ तक पहुंच चुकी है।

इन सेक्टरों के लिए खास बजट

औद्योगिक विकास :	4,874 करोड़	सौर ऊर्जा (यूपीनेडा) :	500 करोड़
पावर सेक्टर :	4,521 करोड़	गन्ना एवं चीनी मिल :	400 करोड़
स्वास्थ्य-परिवार कल्याण :	3,500 करोड़	मेडिकल शिक्षा को :	423 .80 करोड़
नगर विकास :	1,758 .56 करोड़	एसजीपीजीआई, लखनऊ :	120 करोड़
ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे :	1,246 करोड़	केजीएमयू को :	25 करोड़
गंगा एक्सप्रेस-वे :	1,835 करोड़	डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान :	20 करोड़
गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे :	100 करोड़	मेरठ, झांसी, गोरखपुर, प्रयागराज सहित कई राजकीय मेडिकल कॉलेजों को अतिरिक्त सहायता	
तकनीकी शिक्षा :	639 .96 करोड़		
महिला एवं बाल विकास :	535 करोड़		

आमजन को क्या मिलेगा

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और नए मेडिकल कॉलेज, बिजली और सौर ऊर्जा से स्थिर आपूर्ति, एक्सप्रेस-वे से रोजगार और तेज कनेक्टिविटी, शहरों में बेहतर सड़क, जल व स्वच्छता सुविधाएं, उद्योगों में निवेश से स्थानीय रोजगार।

न्यूज ब्रीफ

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने नए आवास ऋण पर ब्याज दर घटाई

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. ने नए आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर 7.15 प्रतिशत कर दी है। आवास ऋण देने वाली कंपनी ने कहा कि मकानों के लिए नए कर्ज की मंजूरी पर संशोधित ब्याज दरें अब 7.15 प्रतिशत से शुरू होंगी। नई दरें 22 दिसंबर से प्रभाव में आ गई हैं। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि ऐसे समय में जब खरीदार अपने फैसलों पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार कर रहे हैं, इस कदम से घर खरीदने वालों का उत्साह बढ़ने की उम्मीद है।

आठ करोड़ रुपये की ठगी के बाद पूर्व आइजी खुद को गोली मारी

पटियाला। खुद के साथ आठ करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी होने के बाद पंजाब में पूर्व आईजी अमर सिंह चहल ने सोमवार को खुद को गोली मार ली। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने 12 पेज का सुसाइड नोट भी लिखा था। नोट में लिखा कि साइबर ठगों ने खुद को धन प्रबंधन सलाहकार बताकर उनसे 8.10 करोड़ की धोखाधड़ी की थी। पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) वरुण शर्मा ने बताया कि उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चहल, फरीदकोट में 2015 में हुए बेअदबी विरोधी प्रदर्शनों से संबंधित पुलिस गोलीबारी मामलों में आरोपियों में से एक हैं।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए 95 प्रतिशत सामान होंगे शुल्क मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत पूरी होने की सोमवार को घोषणा की। यह समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों से आने वाले विभिन्न घरेलू उत्पादों को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा। साथ ही इससे अगले 15 वर्ष में 20 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) उपलब्ध होगा। इस समझौते से अगले पांच वर्ष में वस्तुओं व सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड को भेड़ के मांस, ऊन, कोयला और वनों एवं लकड़ी से बनी 95 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। समझौते के तहत न्यूजीलैंड को कीवी फल, शराब, कुछ समुद्री खाद्य पदार्थ, चेरी, एवोकाडो, पर्सिमन, शिशु 'फॉर्मूला', मनुका शहद और दूध 'एल्ब्यूमिन' जैसी कई अन्य वस्तुओं पर शुल्क छूट भी मिलेगी। घरेलू किसानों और एमएसएमई के हितों की सुरक्षा के लिए भारत राजनीतिक रूप से संवेदनशील दुग्ध क्षेत्र जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही तथा पनीर में कोई शुल्क छूट नहीं देगा। इस समझौते के अंतर्गत शामिल न होने वाले अन्य उत्पाद वनस्पति उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का, बादाम), चीनी, कृत्रिम शहद, पशु, वनस्पति या सूक्ष्मजीवों से प्राप्त वसा और तेल, हथियार व गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा तथा उसके उत्पाद और एल्युमीनियम तथा उससे संबंधित वस्तुएं हैं। इसने कुशल व्यवसायों में कार्यरत भारतीय पेशेवरों के लिए एक नए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा मार्ग के माध्यम से कुशल रोजगार के रास्ते भी खोले हैं। इसमें किसी भी समय 5,000 वीजा का 'कोटा' शामिल होता है और अधिकतम तीन साल तक का प्रवास संभव होता है।

न्यूजीलैंड के मंत्री टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

- श्रम-गहन क्षेत्रों से आने वाले घरेलू उत्पादों को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा यह समझौता
- 20 अरब डॉलर का एफडीआई होगा उपलब्ध प्रधानमंत्री ने न्यूजीलैंड के समकक्ष से फोन पर की बात

द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मिलेगी मजबूती : भारत

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के साथ एफटीए द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बेहद गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक करेगा और निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा। भारत ने सोमवार को बयान में यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन ने दोनों देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। जिसके बाद एफटीए पर वार्ता संपन्न होने की घोषणा की गई। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह समझौता, द्विपक्षीय आर्थिक जुड़ाव को गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक बनाएगा, निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा तथा दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

मां की गोद से बच्चे को उठा ले गया भेड़िया, शव बरामद

कैसरगंज (बहराइच)। विकासखंड फखरपुर के ग्राम रसूलपुर बरेठा गांव में सोमवार की सुबह एक भेड़िया मां की गोद से तीन साल के मासूम बच्चे को छीनकर अपने जबड़े में दबोच ले गया। बाद में घर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर बच्चे का क्षत विछत शव बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार राम मनोहर पंजाब में मजदूरी करते हैं। पत्नी ननकई अपने दो बच्चों के साथ घर पर रहती हैं। सोमवार सुबह बच्चे को दूध पिला रही महिला पर भेड़िए ने हमला कर दिया और बच्चे को ले गया।

डंपर में घुसी कार, चार की मौत

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

- कार सवार चारों लोग एक दीनी जलसे से लौट रहे थे
- मृतकों में क्षेत्र के जाने माने आलिम कारी इकबाल भी

अमृत विचार: घने कोहरे के चलते रविवार देर रात सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। नांगल थाना क्षेत्र के जालपुर गांव के पास तेज रफ्तार कार आगे चल रहे डंपर में पीछे से जा घुसी। हादसे में कार सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि दुर्घटना के समय कार के एयरबैग नहीं खुले, जिससे सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं।

रविवार को राहतपुर खुर्द गांव में एक धार्मिक जलसा आयोजित किया गया था। जलसे में क्षेत्र के जाने-माने आलिम सराय आलम निवासी कारी इकबाल (75) ने दीनी खिताब (प्रवचन) दिया था। देर रात कार्यक्रम समाप्त होने के बाद गांव के ही अशफाक, एहतेशाम और सलाउद्दीन कारी इकबाल को उनके घर छोड़ने के लिए क्रेटा कार से जा रहे थे। वे गांव सराय आलम से करीब छह किलोमीटर पहले जालपुर के पास पहुंचे। घने कोहरे के कारण कार चालक आगे चल रहे मिट्टी भरे डंपर को नहीं देख सका। परिणामस्वरूप, कार पूरी रफ्तार में डंपर में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने डंपर में फंसी कार को खींचकर अलग कराया और कटर से दरवाजे काटकर शवों को बाहर निकाला। हादसे की खबर मिलते ही राहतपुर, सराय आलम और आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई।

यूनुस की शह से बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमले : हसीना

नई दिल्ली, एजेंसी

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के लिए अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। हसीना के कहा, कुछ कट्टरपंथी ताकतें खुलकर हिंसा कर रही हैं, जिन्होंने भारतीय दूतावास, मीडिया दफ्तरों और अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं।

यूनुस सरकार ऐसे लोगों को संरक्षण दे रही है और यहां तक कि सजा पाए आतंकियों को भी रिहा किया गया है।

- अपदस्थ प्रधानमंत्री ने कहा- भारत से बर्बाद कर दिए संबंध

उन्होंने बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना के लिए भी मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे भरोसेमंद दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार की नीतियों से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई है।

एअर इंडिया विमान का एक इंजन हवा में बंद

नई दिल्ली, एजेंसी

- मुंबई जा रही उड़ान दिल्ली लौटी दूसरे इंजन से इमरजेंसी लैंडिंग

दिल्ली से मुंबई जा रहे एयर इंडिया के बोइंग 777 विमान का एक इंजन सोमवार सुबह हवा मे बंद हो गया। इससे विमान को वापस दिल्ली लौटना पड़ा और इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में 335 यात्री सवार थे। वहीं, डीजीसीए ने कहा है कि वह इस मामले की जांच करेगा।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। विमान दिल्ली लौटने से पहले करीब एक घंटे तक हवा में रहा। डीजीसीए के एक अधिकारी ने बताया कि विमान ने उड़ान भरने के बाद 'फ्लैप' के दौरान दाहिने हाथ के इंजन (इंजन नंबर 2) में तेल का दबाव कम होने के कारण हवा में ही वापस लौटने का फैसला किया। 'फ्लैप' पंखों की क्षमता बढ़ाने वाला हिस्सा होता है, जिससे विमान कम रफ्तार पर भी संतुलित और सुरक्षित रहता है। इंजन ऑयल का दबाव शून्य पर आ गया था।

कार से उतारकर मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म में 5 को उम्रकैद

बुलंदशहर, एजेंसी

बुलंदशहर की एक अदालत ने जुलाई 2016 में मां-बेटी से सामूहिक दुष्कर्म और लूटपाट के एक चर्चित मामले में पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक पर 1.81 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता वरुण कौशिक ने बताया कि 29-30 जुलाई 2016 की दरमियानी रात एक परिवार के कुछ लोग अपने एक रिश्तेदार की तेरहवीं में शामिल होने के लिए नोएडा से शाहजहांपुर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि देर रात करीब डेढ़ बजे बुलंदशहर के कोतवाली देहात क्षेत्र के दोस्तपुर गांव के पास पहुंचने पर उन्हें कार से किसी भारी चीज के टकराने के आवाज सुनाई दी। कौशिक ने बताया कि गाड़ी रोककर नीचे उतरने पर बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और हथियारों के बल पर डराकर उन्हें पास के एक खेत में ले गए। बदमाशों ने पुरुषों को रस्सी से बांधकर परिवार की एक महिला और उसकी 14 साल की बेटी से सामूहिक दुष्कर्म किया और विरोध करने पर पुरुषों की पिटाई की।

- बुलंदशहर में जुलाई 2016 को हुई थी वारदात

छह के खिलाफ दाखिल किया था आरोप पत्र

कौशिक ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था, जिनमें से एक आरोपी सलीम की मुकदमे की प्रक्रिया के दौरान मौत हो गई। पॉक्सो अधिनियम के विशेष न्यायाधीश ओमप्रकाश वर्मा ने शनिवार को बाकी पांच अभियुक्तों जुबेर, साजिद, धर्मवीर, सुनील और नरेश को दोषी करार दिया।

नीति आयोग की रिपोर्ट 2024 में देश से 13.35 लाख भारतीय छात्र विदेशों में अध्ययन करने गए

उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों की पहली पसंद बना कनाडा

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्र सबसे ज्यादा कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जाते हैं। नीति आयोग की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। भारत में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में, कनाडा 4,27,000 भारतीय छात्रों के साथ शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा गंतव्य बना। इसके बाद अमेरिका (3,37,630), ब्रिटेन (1,85,000) ऑस्ट्रेलिया (1,22,202) और जर्मनी (42,997) का स्थान रहा।

- 4,27,000 भारतीय छात्र गए कनाडा, शीर्ष पांच देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी

इसमें कहा गया है कि भारत दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत देश है। 2024 में 13.35 लाख से अधिक छात्र विदेशों में अध्ययन कर रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया, 2024 में भारत आने वाले प्रत्येक एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र के मुकाबले 28 भारतीय छात्र विदेश गए, जो देश के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिभा पलायन को दर्शाता है। रिपोर्ट में भारत में विदेशी छात्रों के आगमन के बारे में 2021-22 के आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि 2021-22 में नेपाल, अफगानिस्तान, अमेरिका, बांग्लादेश और संयुक्त अरब अमीरात भारत में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के शीर्ष स्रोत देश थे। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में 8.5 लाख भारतीय छात्र पढ़ते हैं। इन छात्रों ने 2023-2024 में उच्च शिक्षा पर 2.9 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं, लातविया में भारतीय छात्रों का प्रतिशत सबसे अधिक 17.4 है। उसके बाद आयरलैंड में 15.3 प्रतिशत और जर्मनी में 10.1 प्रतिशत है।

आंध्र से सबसे ज्यादा 35,614 छात्र गए

रिपोर्ट में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि राज्यों में, आंध्र प्रदेश से सबसे ज्यादा 35,614 छात्र पढ़ाई के लिए विदेश गए। उसके बाद पंजाब और महाराष्ट्र का स्थान रहा जहां से क्रमशः 33,412 और 29,079 छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक की विदेश में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के लिए उदारीकृत प्रेषण योजना के तहत 2014-24 के दौरान संबंधित देशों को भेजी गयी राशि 975 करोड़ रुपये से बढ़कर 29,000 करोड़ रुपये हो गयी।

अमृत विचार

मुरादाबाद , मंगलवार,23 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आरके आईटीआई में रोजगार मेला आज

मुरादाबाद, अमृत विचार : क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय और आरके निजी आईटीआई बिलारी के संयुक्त तत्वावधान में आरके निजी आईटीआई बिलारी के परिसर में 23 दिसम्बर को सुबह 10 :30 बजे से एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। सहायक निदेशक सेवायोजन रत्नेश चन्द्र ने बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र के नियोजक/कंपनियों द्वारा टेक्निकल एवं नानटेक्निकल पदों के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8005383887 अथवा किसी भी कार्य दिवस में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

एडी हेल्थ ने अस्पतालों में छापा मारा

पाकबड़ा, अमृत विचार : पाकबड़ा में प्रभारी एडी हेल्थ आशु अग्रवाल ने समाथल रोड पर स्थित रेखा अल्ट्रासाउंड सेंटर, मीर अस्पताल, हाशमपुर में न्यू इंडियन अस्पताल, डींगरपुर रोड पर ग्लोबल अस्पताल एवं बचपन अस्पताल में छापेमारी की। कुछ अस्पतालों में सब कुछ ठीक मिला तो कुछ में बहुत सारी खामियां मिली। कहीं डॉक्टर गायब तो कहीं बिना रजिस्ट्रेशन के ओटी चलती मिली। प्रभारी एडी हेल्थ आशु कुमार अग्रवाल ने बताया कि चार-पांच अस्पतालों में औचक निरीक्षण किया गया था। सभी की रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी। शासन की ओर से ही कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान अभी कई दिनों तक लगातार चलेगा। जहां की शिकायत मिली है। वहां हमारी टीम जाकर के निरीक्षण करेगी।

रिलीफ अस्पताल का रजिस्ट्रेशन कैंसिल

पाकबड़ा, अमृत विचार : प्रभारी एडी हेल्थ के औचक निरीक्षण के बाद सोमवार शाम डिप्टी सीएमओ एवं नोडल अधिकारी डॉ. संजीव बेलवाल पाकबड़ा के अस्पताल में पहुंचे थे। जिन्होंने सारी जांच करने के बाद उस अस्पताल का रजिस्ट्रेशन कैंसिल कर दिया। डॉ. संजीव बेलवाल ने बताया कि हमारी टीम यहां पर देर शाम को पहुंची थी। सारी जांच करने के बाद पता चला कि अस्पताल में बहुत सारी खामियां थी जो पूरी नहीं हो सकती थी। जिसकी वजह से अस्पताल का रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया गया है।

आरटीई के तहत प्रवेश प्रक्रिया से पहले तैयारियों की समीक्षा

मुरादाबाद, अमृत विचार : सीडीओ की अध्यक्षता में विकास भवन में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत शैक्षिक सत्र 2026-27 में गैर सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से पूर्व तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई।

सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आने वाले सभी गैर सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों की यूडीआई एसई प्लस पोर्टल के आधार पर मैपिंग आरटीई-25 पोर्टल पर प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होने से पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण कराई जाए। इसके लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई।

उत्तराखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के खादी से जुड़े कारोबारियों के स्टाल पर जुट रहे युवा व हर वर्ग के लोग

खादी महोत्सव में मेक इन इंडिया की चमक, लुभा रहे उत्पाद

विनोद श्रीवास्तव, मुरादाबाद

अमृत विचार : महानगर में खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा लगवाए गए खादी महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प मेक इन इंडिया और भारत की झलक दिख रही है। एक ही पंडाल के नीचे खादी से बने विविध प्रांतों के उत्पाद महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों को लुभा रहे हैं।

खादी ग्रामोद्योग विभाग की ओर से महानगर के दीनदयाल नगर में चल रहे खादी महोत्सव में सुबह से लेकर देर शाम तक रौनक है। खादी महोत्सव में देश के विविध प्रांतों उत्तराखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के स्थानीय कारीगरों द्वारा मेक इन इंडिया की प्रतिबद्धता को संकल्पित उत्पाद को देखने व खरीदने स्टॉल पर युवा व हर वर्ग के ग्राहक जुट रहे हैं। जूट, रेशम से बने उत्पाद सभी को लुभा रहे हैं। इसके अलावा राजस्थान के बीकानेर के अचार, पापड़, चिप्स भी लोगों को पसंद आ रहा है।

महिलाओं के लिए आकर्षक का केंद्र है देवभूमि उत्तराखंड के उत्पाद : खादी महोत्सव में देवभूमि उत्तराखंड के ऋषिकेश में श्यामपुर के रहने वाले अमित पुत्र धनेश्वर गुप्ता के स्टॉल पर जूट से बनी लेडीज सैंडल महिलाओं व युवतियों को लुभा रही है। उन्होंने बताया कि 5.5 लाख रुपए से कारोबार शुरू किया था। अब 50 हजार से 2 लाख रुपये की प्राफिट हो जाती है। उनके फर्म में बने जूट के सैंडल के स्टॉल भूटान, नेपाल, म्यांमार में खादी ग्रामोद्योग विभाग के सहयोग से मेलों में स्टॉल पर बिक चुके हैं।

हैंडीक्राफ्ट ज्वैलरी बनी नई पीढ़ी की पसंद : सदर बाजार किशनी के रहने वाले अनिल श्रीवास्तव ने भी खादी महोत्सव में स्टॉल लगाया है। अनिल हैंडीक्राफ्ट ज्वैलरी के नाम से उनकी फर्म सदर बाजार किशनी मैनपुरी में बीड्स ज्वैलरी का कारोबार 2014 से कर रही है। अनिल बताते हैं कि उन्होंने 75 हजार रुपये की पूंजी से यह कार्य शुरू किया था। सामान्य दिनों में भी स्टॉल लगता है लेकिन खादी ग्रामोद्योग विभाग के मेलों में अच्छा रिस्पॉन्स मिलता है।

महिला को खादी से बने शॉल व सूट दिखाते महाराष्ट्र के दयाराम। ● अमृत विचार

महाराष्ट्र की भी मेले में दिख रही चमक

सामुदायिक सेवा संस्था ए/पी, अंधलगांव, मोहदी, महाराष्ट्र की रेशम वस्त्र की मेले में स्टॉल है। इस पर बैठे दयाराम ने बताया कि वह 20 सालों से कारोबार में लगे हैं। खादी ग्रामोद्योग विभाग से मेले की जानकारी मिलती है। जिसके बाद स्टॉल लगाते हैं। उन्होंने बताया कि उनके फर्म के द्वारा बनाए गए वस्त्र देशी फीलिंग देने के साथ ही उच्च गुणवत्ता पर खरे उतरते हैं। उन्होंने बताया कि अब आनलाइन सिस्टम के चलते कारोबार पर काफी असर भी पड़ रहा है। पहले के दौर में खादी की मांग और अधिक थी। महाराष्ट्र के इस फर्म के द्वारा बनाए गए रेशम के वस्त्र महिलाओं के साथ युवतियों को भी खूब पसंद आ रहे हैं।।

परचून की 4 दुकानों में चोरी, 10 लाख की नकदी उड़ाई

सर्दी और कोहरे का चोरों ने उठाया फायदा, घटना के कटरा नाज बाजार के व्यापारियों में चोरी की घटना से खौफ में

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : बढ़ती सर्दी और घने कोहरे का फायदा उठाते हुए चोरों ने सदर कोतवाली क्षेत्र के कटरा नाज बाजार में देर रात चार परचून के थोक विक्रेताओं की दुकानों को निशाना बनाया। छतों के जरिए घुसे चोरों ने गल्ले के ताले तोड़कर करीब 10 लाख रुपये की नकदी लेकर फरार हो गए। सुबह दुकानों पर चारों दुकानों के गल्ले बाहर पड़े मिले। सूचना पर एसपी सिटी, सीओ तथा कोतवाली निरीक्षक के साथ फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम साक्ष्य जुटाने पहुंची। कई घंटे आसपास में लगे 20 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई। एक साथ चार दुकानों में हुई चोरी की घटना से क्षेत्र के व्यापारी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

रविवार देर रात सदर कोतवाली क्षेत्र के कटरा बाजार में चोरों ने एक के बाद एक चार थोक व्यापारियों की दुकानों से चोरों ने 10 लाख की नकदी चुरा ली। चोर छत के रास्ते दुकानों में दाखिल हुए और गल्लों व तिजोरियों के ताले तोड़कर लाखों की नकदी लेकर फरार हो गए। महानगर के मुख्य नाज बाजार में हुई चोरी घटना ने व्यापारियों को हिला दिया। सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि चोरी की वारदात को लेकर राजकुमार एंड संस के स्वामी विशाल ने कोतवाली पुलिस चारों दुकानों में हुई चोरी के संबंध में सामूहिक तहरीर दी है। जिसमें परमानंद कृष्ण अवतार दुकान के स्वामी सागर सराय निवासी उत्कर्ष पुत्र संजीव कुमार ने बताया कि रविवार रात चोर छत के रास्ते दुकान में घुसे और गल्ले का ताला तोड़कर उसमें रखे करीब 15 हजार रुपये चुरा ले गए। बगल में स्थित राजीव कुमार एंड ब्रदर्स के स्वामी राजीव गुप्ता ने बताया कि चोर उनकी दुकान में छत के रास्ते आए और गल्ले का ताला तोड़कर उसमें रखे 35 हजार रुपये उड़ा ले गए, उन्होंने बताया कि सुबह साढ़े नौ बजे जब दुकान खोली तो गला काउंटर के बाहर पड़ा मिला। इसी कतार में स्थित इंद्रेश कुमार संजय प्रकाश की अनाज के थोक विक्रेता स्वामी अरुण कुमार रस्तोगी ने बताया कि छत के जरिए दुकान में घुसे चोरों ने गल्ले का ताला तोड़कर उसमें रखे 8 लाख 50 हजार रुपये नकदी चोरी हो गई है। उन्होंने बताया कि शनिवार को बैंक में पैसा जमा नहीं हो सका था जोकि सोमवार को करना था। उन्होंने बताया कि चोरी हुए समान के बारे अभी अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है सुबह दुकान खोलने पर गल्ले का ताला टूटा और रकम गायब थी। वहीं बराबर की दुकान राजकुमार एंड सन्स के स्वामी विशाल कुमार ने बताया कि चोर चक्की वाले कमरे में छत पर लगे जाल को तोड़ कर छत पर रखे पाइप के सहारे चोर दुकान उतर आए और वहीं रखी तिजोरी की चाबी से ताला खोलकर 12 हजार रुपये चोरी कर ले गए।

सूचना मिलने पर सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह पहुंचे और दुकानों के चारों ओर चोरों के आने और जाने का रास्ता तलाशा रहे थे। तभी मौके पर सीओ सिटी सुनीता दहिया तथा एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी सिटी के निर्देश पर साक्ष्य जुटाने के लिए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम को भी बुलाया गया। जांच-पड़ताल के बावजूद चोरों के छत पर चढ़ने के सटीक रास्ते को लेकर पुलिस किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि चोरी के संबंध राजकुमार एंड संस के स्वामी की ओर से मिली तहरीर पर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

दुकान में हुई चोरी के बारे में जानकारी देता दुकानदार। ● अमृत विचार

चोरी के बाद दुकानों में जांच करती टीम। ● अमृत विचार

- कई घंटे तक साक्ष्य जुटाने में लगी रही पुलिस, मौके पर एसपी सिटी सीओ भी पहुंचे

कटरा नाज बाजार में एक साथ चार दुकानों के गल्ले तोड़कर चोरों ने 10 लाख की नकदी चोरी की घटना अंजाम दिया है। मौके पर दुकानों भौतिक निरीक्षण करने में पाया कि राजकुमार एडं संस की दुकान के छत के जाल तोड़ चोर घुसे और एक बाद एक दुकान को निशाना बनाया है, मौके पर साक्ष्य जुटाने फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम को लगाया गया है। इसके अलावा एसओजी समेत तीन टीमें बनाई गई है। पुलिस हर एंगल पर नजर बनाए है जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

-कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी

परिवहन निगम में 300 संविदा चालक के पदों पर होगी भर्ती

मुरादाबाद, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, मुरादाबाद क्षेत्र में अनुबंध के आधार पर लगभग 300 संविदा चालक पदों पर भर्ती की जाएगी। भर्ती के लिए 26 दिसंबर शुक्रवार को क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय, उप्र परिवहन निगम, लाजपत नगर, मुरादाबाद में रोजगार मेले का आयोजन होगा।

सोमवार क्षेत्रीय प्रबंधक अनुराग यादव ने बताया कि संविदा चालक पद के लिए अभ्यर्थी का न्यूनतम 8वीं पास, ऊंचाई 5 फीट 3 इंच तथा भारी वाहन चलाने का कम से कम 2 वर्ष पुराना ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य है। आयु सीमा 23 वर्ष 6 माह से 58 वर्ष निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को अपने साथ आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण-पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस की मूल प्रति व छायाप्रति तथा पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा। चयनित संविदा चालकों को 2.20 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान किया जाएगा। निर्धारित कार्य दिवस व किलोमीटर पूरे करने पर अतिरिक्त भुगतान व प्रोत्साहन राशि देय होगी। रोजगार मेले में उपस्थित अभ्यर्थियों का प्रथम ट्रेड टेस्ट लिया जाएगा।

पत्नी की पीटकर हत्या के दोषी को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

- रहरा थाना क्षेत्र का 2002 का है मामला, कोर्ट ने 10 हजार रुपये का लगाया जुर्माना

अमृत विचार : पत्नी की बेरहमी से पीट पीटकर हत्या करने के दोषी पति को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

यह घटना आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव कोकापुर की मढैयां में 4 जुलाई 2022 को हुई थी। दरअसल रहरा थाना क्षेत्र के गांव जामनो वाली निवासी किसान इमरत सिंह ने 2004 में अपनी बेटी उषा की शादी इसी गांव के रहने वाले बुद्धसेन के साथ की थी। हत्या से दो महीने पहले बुद्धसेन ने उषा की बेरहमी से पिटाई की थी, उसकी पैर की हड्डी टूट गई थी। मायके के लोगों ने उषा का इलाज कराया था। इसके बाद ही उषा चलने के काबिल हो सकी थी। 4 जुलाई 2022 की रात बुद्धसेन ने उषा की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी थी। मृतका के भाई प्रमोद की तहरीर पर पुलिस ने हत्यारोपी बुद्धसेन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया था। तभी से वह जेल में है। तमाम कोशिश के बाद भी उसकी जमानत याचिका मंजूर नहीं हो सकी थी। मुकदमे की सुनवाई जिला जज की अदालत में चल रही थी। अभियोजन की ओर से पैरवी जिला शासकीय अधिवक्ता महावीर सिंह कर रहे थे। बीते शनिवार को अदालत ने मुकदमे में अंतिम सुनवाई करते हुए पत्रावली के अवलोकन व साक्ष्यों के आधार पर बुद्धसेन को दोषी करार दिया था। सोमवार को अदालत ने सजा के प्रश्न पर सुनवाई की। पत्नी उषा की हत्या के दोषी बुद्धसेन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

एरिदमिया में भावी चिकित्सक बिखेरेंगे हुनर के रंग

मुरादाबाद, अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के सात दिनी स्पोर्ट्स, क्लचरल एंड टैलेंट इवेंट- एरिदमिया का 25 दिसंबर को शंखनाद होगा। एरिदमिया-में भावी चिकित्सक स्पोर्ट्स, क्लचरल एंड टैलेंट प्रतियोगिताओं में हुनर का जलवा बिखेरेंगे। एमबीबीएस के विद्यार्थी तैयारियों में जुटे हैं।

पैथोलॉजी की एचओडी और एरिदमिया-2025 की कन्वीनर प्रो. सीमा अवस्थी ने बताया कि कल्चर इवेंट के तहत गिफ्ट वार्पिंग, ग्लास पेंटिंग, आर्ट ऐग्जिबेशन, डिबेट, ट्रेजर हंट, पिक्शनरी, कॉमेडी स्किट, कॉमिक बुक मेकिंग, मीम मेकिंग, ऐड मेकिंग, रील मेकिंग, शिल्पकारी, फोटोग्राफी, जबकि इवनिंग एंड नाइट इवेंट में सोलो डांस, डुएट डांस, ग्रुप डांस, सोलो सिंगिंग, डुएट सिंगिंग, ग्रुप सिंगिंग, टैलेंट हंट, फैशन शो आदि की प्रतियोगिताएं होंगी।

आत्मा-परम ब्रह्म के रहस्य पर डाला प्रकाश

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : खुशहालपुर स्थित बैक्वेंट हॉल में एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा धर्मार्थ समिति की ओर से आयोजित तीन दिवसीय सत्संग का आरंभ सोमवार को आध्यात्मिक वातावरण के बीच हुआ। सत्संग के पहले दिन सत्पुरुष बाबा फुलसंदे वाले ने आत्मा, परम ब्रह्म और मनुष्य जीवन के गूढ़ रहस्यों पर भावपूर्ण और काव्यात्मक शैली में प्रवचन दिया।

बाबा फुलसंदे वाले।

सत्पुरुष बाबा फुलसंदे वाले ने कहा कि इस सृष्टि के आरंभ में जब कुछ भी नहीं था, तब आदि पुरुष अर्थात पारब्रह्म ही आत्मा के समक्ष विद्यमान था। उन्हीं की रोशनी में आत्मा नतमस्तक होकर आराधना और सजदा करती थी। उन्होंने कहा कि देव आत्माओं के संग स्वर्गीय पुष्पों को चुनते हुए परम ब्रह्म के वेद मंत्रों का पाठ किया जाता था, लेकिन कालचक्र के साथ बहुत सी बातें विस्मृत हो गईं और कुछ स्मृतियों में आज भी जीवित हैं। बाबा ने कहा कि समय के साथ लाखों वर्षों में कभी पतझड़ तो कभी बहार और बसंत आते रहते हैं। ठीक इसी प्रकार मनुष्य का जीवन भी कभी अज्ञान के अंधकार से और कभी ज्ञान की रोशनी से भरता रहता है। आत्मा के परमात्मा से अलग होते ही जीवन की सहज प्रसन्नता समाप्त हो जाती है और केवल स्मृतियों के दाग शेष रह जाते हैं। मनुष्य की कामनाएं अनंत हैं, वह सुख की खोज में भटकता रहता है, किंतु सच्चा सुख उसे नहीं मिल पाता। मनुष्य स्वयं अपने कर्मों का शिल्पी है, वही अपने सुख-दुख का निर्माता है। यदि मन ब्रह्म रूप गुरु के चरणों में लीन हो जाए, तो जीवन सार्थक हो सकता है। सत्संग के बाद कई श्रद्धालुओं ने मंत्र दीक्षा ली। कार्यक्रम के समापन पर सभी भक्तों ने भोजन प्रसाद भी ग्रहण किया।

सत्संग में उपस्थित श्रद्धालु। ● अमृत विचार

- मनुष्य स्वयं अपने कर्मों का शिल्पी, श्रद्धालुओं ने ली मंत्र दीक्षा

कोहरे से परिवहन निगम को 8 लाख का नुकसान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : कोहरे के चलते रोडवेज बसों को सवारियां न मिलने के कारण रामपुर डिपो को चार दिन में 8 लाख की चपत लगी है। कर्मचारियों का कहना है कि चालक और परिचालक घंटों यात्रियों का इंतजार करते हैं, लेकिन उसके बाद भी सवारियां कम मिल रही हैं।

दिसंबर माह में शुरू हुई सर्दी का सितम बढ़ता जा रहा है। पूरा दिन कोहरे के कारण लोग बसों में यात्रा करने से बच रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में एक-दो दिन को छोड़कर कोहरे ने आम जनजीवन को प्रभावित किया है। हालांकि सोमवार को दोपहर 1 बजे के बाद सूरज दिखाई जरूर दिया। जिससे थोड़ी राहत जरूर मिली। लेकिन शनिवार और रविवार को भयंकर कोहरे के कारण मौसम सर्द रहा। सोमवार सुबह को कोहरा अधिक रहा, लेकिन दोपहर बाद हल्की धूप ने लोगों को राहत दी। इसका असर रोडवेज पर भी पड़ रहा है। रोडवेज बसों को सवारियां नहीं मिल रही है। रोडवेज डिपो के पास 100 बसें है, लेकिन चालक और परिचालक कम होने के कारण बसें कम चलती है। लेकिन अब कोहरे के चलते सवारियां कम होने के कारण रोजाना रोडवेज को 2 लाख की चपत लग रही है। इस तरह से चार दिन में अब तक 8 लाख की रोडवेज को चपत लग चुकी है।

ट्रेनें भी चल रही देरी से

रोडवेज बसों को जहां सवारियां नहीं मिल रही है तो वहीं ट्रेनें भी तय समय से कई कई घंटे देरी से चल रही है। अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन जहां देरी से चलती है तो वहीं वह एक दिन बंद रहती है। जिस कारण से यात्रियों को काफी परेशानियां आ रही है। यात्री काफी समय तक बैठकर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का इंतजार करते हैं।

कांग्रेसियों ने प्रदर्शन कर जताया विरोध

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जिला/महानगर कांग्रेस कमेटी ने संयुक्त रूप से केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) को प्रतिस्थापित कर पारित किए गए 'विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक का कड़ा विरोध किया।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष जुनैद इकराम तथा जिलाध्यक्ष विनोद गुम्बर की अनुपस्थिति में विजय राज सैनी के संयुक्त नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। इसमें ग्रामीण गरीबों के हितों की रक्षा के लिए इस नए कानून पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कांग्रेसियों ने नए कानून को लेकर अपनी आपत्तियां जताईं। महानगर अध्यक्ष जुनैद इकराम ने इस बात पर कड़ी आपत्ति जताई है कि नए विधेयक से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटा दिया है। उन्होंने नए प्रावधानों के तहत राज्यों को योजना की लागत का 40 फीसदी हिस्सा वहन करने के लिए कहा गया है, जो उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों पर भारी आर्थिक बोझ डालेगा और ग्रामीण रोजगार सृजन की गति को बाधित कर सकता है। पार्टी ने मांग की है कि ग्रामीण श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस मामले में राष्ट्रपति हस्तक्षेप करें और मनरेगा के मूल 'अधिकार-आधारित' स्वरूप तथा महात्मा गांधी के नाम को बहाल किया जाए। प्रदर्शन में असलम खुर्शीद, असद मौलाई, अनुभव मेहरोत्रा, अरशद परवेज, नजाकत ठेकेदार, वॉर रूम इंचार्ज मो. शादान, रिजवान रईस, भारतीय परवेज इस्लाम, पार्षद रेहान, पार्षद मौअज्जम अली, फहीम सैफी, मो. अनस अंसारी, दानिश कुरैशी, सोनू शर्मा, योगेश कुमार, शमशेर खान, विजय राज सैनी, फुरकान, महबूब अली, नितिन कुमार, कृपाल सिंह, निदा खान, महफूज उर्फ राजा, नईम अहमद, रईस कादरी, अमित कुमार, अमान रहे।

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

प्राधिकरणों की लापरवाही से बढ़ रहे हैं मुकदमे

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- मुरादाबाद के सुमित की याचिका पर सुनवाई करते हुए की टिप्पणी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकारी प्राधिकरणों की लापरवाही पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कानून की स्थिति से अनभिज्ञता के कारण मुकदमों की बाढ़ आ रही है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने मुरादाबाद निवासी सुमित कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

मामले के अनुसार अल्प शिक्षित याची ने अपनी ही संविदात्मक अनुकंपा नियुक्ति को चुनौती दी। सेवा के दौरान याची के पिता की मृत्यु के बाद उसकी माता के अनुरोध पर पुत्र के बालिग होने पर अनुकंपा नियुक्ति देने की बात कही गई थी। वर्ष 2007 में याची को यूपी रोडवेज में 'डाइंग-इन-हार्नेस' कोटे के तहत कंडक्टर नियुक्त किया गया, लेकिन यह नियुक्ति संविदात्मक थी। कोर्ट ने पाया कि याची अपनी नियुक्ति की प्रकृति और उससे जुड़े कानूनी प्रावधानों से अनजान था और इसी कारण वर्षों सेवा देने के बाद उसने अपनी ही नियुक्ति को चुनौती दी। वहीं निगम ने लंबे समय तक कार्य करने के आधार पर याचिका का विरोध किया। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य और उसके उपक्रमों से संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत निष्पक्षता और तर्कसंगत आचरण की अपेक्षा की जाती है, विशेषकर तब जब मामला कानून से अनभिज्ञ व्यक्तियों से जुड़ा हो। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब निगम स्वयं कानून की स्थिति से अवगत था, तो ऐसी नियुक्ति देना उसकी लापरवाही थी, जिसका खामियाजा याची को नहीं भुगतना चाहिए। मामले की अगली सुनवाई आगामी 7 जनवरी 2026 को सुनिश्चित की गई है।

1000 आवेदनों में मिलीं अनियमितताएं

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- पीएम आवास योजना में 45,406 लोगों का हो चुका है सर्वे

अमृत विचार : प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले में चल रहे सर्वे में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। जिला ग्राम्य विकास अभिकरण द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार अब तक जिले में 45,406 लोगों का सर्वे पूरा किया जा चुका है। लेकिन आवेदनों की क्रास चेकिंग में 1000 लाभार्थियों के आवेदन में गलत फोटो और डेटा फीड पाया गया। इन आवेदनों में गलत जानकारी, भ्रामक डेटा और फर्जी फोटो फीड कर लाभ लेने का प्रयास किया गया।

सोमवार को जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक निर्मल कुमार द्विवेदी ने बताया कि सर्वे की दोहरी व्यवस्था के तहत पहले लाभार्थियों द्वारा स्वयं मोबाइल पर आवास प्लस एप के माध्यम से आवेदन किया गया। जिसके बाद सर्वे की पुष्टि के लिए चेकरों को लगाया गया। इस दौरान चेकरों द्वारा किए गए सर्वे और लाभार्थियों के स्वयं किए गए सर्वे में भारी विरोधाभास सामने आया है। कई मामलों में मकान की स्थिति, पारिवारिक विवरण और आय से जुड़ी जानकारी वास्तविकता से अलग पाई गई। सर्वे में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पहले चरण में सर्वे कार्य से लेखपालों को हटाया और उनकी जगह रोजगार सेवक, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी, जेई आरईएस तथा कृषि विभाग के कर्मचारियों को लगाया गया। इसके बावजूद इनके द्वारा किए गए सर्वे में भी गलत और अपात्र लाभार्थियों के आवेदन सामने आए हैं। जांच में सामने आया है कि कुछ आवेदकों ने पक्के मकान की जगह कच्चे मकानों की फोटो बदलकर अपलोड की, जोकि कई ने पुराने या दूसरे स्थानों की तस्वीरें लगाईं। कुछ मामलों में एक ही मकान की फोटो को अलग-अलग नामों से कई बार अपलोड किया गया। वहीं कई आवेदकों ने परिवार के सदस्यों की संख्या और आय संबंधी विवरण भी गलत भरा।

अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी आवेदनों की ग्राउंड लेवल पर जांच सुनिश्चित की जाए और अपात्र आवेदकों को सूची से बाहर किया जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन आवेदकों द्वारा जानबूझकर फर्जी दस्तावेज और गलत जानकारी देकर योजना का लाभ लेने का प्रयास किया गया है, उनके आवेदन निरस्त किए जाएंगे। साथ ही सर्वे में लापरवाही या मिलीभगत पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। किसी भी कीमत पर अपात्र लोगों को योजना का लाभ नहीं मिलने दिया जाएगा। सर्वे की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पूरी कराई जाएगी।

शहर में आज

- पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पंचायत भवन परिसर के जिगर मंच पर कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे।
- नेहरू युवा केंद्र दीनदयाल नगर में खादी महोत्सव 11:00 बजे।
- एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा धर्मार्थ समिति की ओर से तीन दिवसीय सत्संग खुशहालपुर स्थित रॉयल विला बैंक्वेट हाल में दोपहर 2:00 बजे।
- स्टेट हैण्डलूम एक्सपो हथकरघा मेला का उद्घाटन डा. एपीजे अब्दुल कलाम छात्रावास के सामने कांठ रोड स्थित राजकीय पालीटेक्निक ग्रांउड में शाम 4:30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

योग में रोशनी और आशुतोष रहे प्रथम

मुरादाबाद, अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग की जनपदीय स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को कांठ में डायट प्राचार्य बुद्ध प्रिय सिंह के निर्देशन में हुआ। प्रतियोगिता प्रभारी डायट प्रवक्ता डॉ. अनिल यादव और डॉ. अंशु गुप्ता रहे। प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक योगाचार्य खिलेंद्र सिंह ने निर्णय किया। महिला वर्ग में प्रथम स्थान रोशनी वर्मा रहीं। द्वितीय स्थान सपना चौहान ठाकुरद्वारा और तृतीय स्थान मीनू रानी छजलैट को मिला। पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान आशुतोष शुक्ल, दूसरा स्थान रविंदर शर्मा विकास क्षेत्र बिलारी और तृतीय स्थान महेंद्र सिंह को मिला। प्रतिभागियों में कुलदीप कुमार, मंजू रानी, जयपाल सिंह, हिमांशी बंसल, संगीता रानी, आशीष गुप्ता, हिमानी, रेहाना परवीन, संगीता सिंह, टेकचंद, गिरिराज सिंह, करतार सिंह रहे।

हथकरघा मेला आज से 5 जनवरी तक

मुरादाबाद, अमृत विचार : स्टेट हैण्डलूम एक्सपो मुरादाबाद हथकंरघा मेला 23 दिसम्बर से 5 जनवरी 2026 तक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम छात्रावास के सामने राजकीय पालीटेक्निक ग्रांउड में आयोजित किया जाएगा। सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि इस हैंडलूप एक्सपो का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह चौहान 23 दिसम्बर को शाम 4:30 बजे करेंगी। एक्सपो में जम्मू कश्मीर, उत्तराखण्ड, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के उत्पादों की बिक्री होगी।

सुबह से छाया रहा घना कोहरा, अधिकतम तापमान 18 डिग्री रहा, धूप निकलने से बाजारों में बढ़ी रौनक

दोपहर में थोड़ी देर के लिए निकला सूरज तो लोगों को मिली राहत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

दोपहर में धूप निकलने पर यूं निकले लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : महानगर में सोमवार की सुबह एक बार फिर घने कोहरे और बढ़ी गलन के साथ शुरू हुई। रात से ही कोहरे की चादर फैलनी शुरू हो गई थी, जो सुबह होते-होते और अधिक घनी हो गई। दृश्यता कम होने के कारण सड़कों पर वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार धीमी रही और लोग लाइट जलाकर चलने को मजबूर दिखे। ठंडी हवा और नमी के चलते ठिठुरन बढ़ गई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ।

सुबह के समय कामकाज पर निकलने वाले लोगों को सबसे अधिक दिक्कत हुई। स्कूल जाने वाले बच्चों और दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों ने ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों का सहारा लिया। बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर भी कोहरे का असर देखने को मिला, जहां कुछ ट्रेनों और बसों की आवाजाही प्रभावित रही। वहीं, ठंड और कोहरे के कारण सड़कों पर चहल-पहल अपेक्षाकृत कम नजर आई। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को महानगर का अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई इस गिरावट के कारण सुबह और शाम के समय ठंड का प्रकोप ज्यादा महसूस किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर दिशा से चल रही ठंडी हवा और नमी के कारण कोहरा लगातार बना हुआ है, जिससे अगले कुछ दिनों तक सुबह के समय इसी तरह की स्थिति रहने की संभावना है। हालांकि, दोपहर के समय जब सूर्यदेव के दर्शन हुए तो लोगों को राहत मिली। धूप निकलते ही ठंड का असर कुछ कम हुआ और लोग घरों की छतों, पार्कों और खुले स्थानों पर धूप सेंकते नजर आए। जिन घरों में पिछले कुछ दिनों से कपड़े गीले पड़े थे, उन्हें सुखाने में भी मदद मिली। बाजारों में भी दोपहर के बाद कुछ रौनक लौटी और लोगों की आवाजाही बढ़ी। शाम ढलते ही एक बार फिर ठंडी हवा चलने लगी, जिससे तापमान में गिरावट का अहसास हुआ। चिकित्सकों ने इस मौसम में बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। गर्म कपड़े पहनने, गर्म पेय पदार्थों का सेवन करने और सुबह-शाम अनावश्यक बाहर निकलने से बचने की हिदायत दी गई है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में कोहरे और ठंड के बने रहने की संभावना जताई है।

5 हजार उपभोक्ताओं की बिजली रही गुल

मुरादाबाद, अमृत विचार : विवेकानंद के सामने 33 केवी लाइन पर पेड़ गिरने के कारण पीटीसी विद्युत केंद्र से जुड़े 5 हजार उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

सोमवार को फाल्ट के चलते लोगों को बिजली के साथ-साथ पानी की भी परेशानी उठानी पड़ी। घरों में जलापूर्ति प्रभावित रही। सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लाइन से पेड़ को काटकर हटाया। जिसके मरम्मत कार्य शुरू किया। दोपहर 12 बजे बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकी। अधीक्षण अभियंता प्रशांत कुमार ने बताया कि लाइन पर गिरे पेड़ के कारण फाल्ट हुआ था, जिसे समय रहते दूर कर लिया गया है। भविष्य में इस तरह की समस्या से बचाव के लिए लाइन के आसपास मौजूद पेड़ों की छंटाई कराने के निर्देश दिए गए हैं।

निगम कार्यकारिणी की बैठक में 1146.49 करोड़ का बजट पारित

विकास, विश्वास और विजन पर काम करेगा नगर निगम, महापौर व नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी की बैठक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक करते महापौर व नगर आयुक्त, साथ में कार्यकारिणी के सदस्य व निगम के अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को महापौर विनोद अग्रवाल व नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल की अध्यक्षता में पीलीकोठी स्थित शिविर कार्यालय में हुई। इसमें महानगर के सभी वार्डों में समग्र एवं सतत विकास और नागरिक केंद्रित विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए 114649.39 लाख (1146.49 करोड़) के बजट को ध्वनिमत से पारित किया। इस बजट से न केवल आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। बल्कि महानगर को आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित और सांस्कृतिक पहचान के रूप में स्थापित किया जाएगा। वहीं, देश सेवा में जीवन समर्पित करने वाले भूतपूर्व सैनिकों को गृहकर एवं जलकर में 100 प्रतिशत छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में गोविंद नगर फुट ओवरब्रिज पर सख्त रुख अपनाकर वर्ष 2016-17 में नगर निगम द्वारा 6.31 करोड़ की धनराशि लगभग 6 करोड़ मूल्य की भूमि उपलब्ध कराने के बावजूद रेलवे द्वारा कार्य पूर्ण न किए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई। मुख्य अभियंता को रेलवे से तत्काल पत्राचार कर कार्य शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में कार्यकारिणी के सदस्य पार्षदों के अलावा अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार, अजीत कुमार सिंह के अलावा मुख्य अभियंता, लेखाधिकारी, उप नगर आयुक्त, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी सहित अन्य मौजूद रहे।

किराए की दुकानों के किराये में आंशिक संशोधन : कई बैठकों में रार बनी नगर निगम की दुकानों के किराया दरों में कार्यकारिणी की बैठक में संशोधन किया गया। दुकानों के किराये के फिर से निर्धारण के लिए गठित समिति द्वारा 500 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया आंबेडकर मार्केट, पटेल मार्केट, जनाना अस्पताल के सामने मार्केट, जनाना अस्पताल साइड मार्केट, मदाना अस्पताल गेट मार्केट, मर्दाना अस्पताल साइड मार्केट एवं हरीशन मार्केट के लिए निर्धारित किया गया। 400 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया प्रताप मार्केट, मानपुर मार्केट, मधुबनी मार्केट एवं कटरा नाज खां के लिए निर्धारित किया गया।

300 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया हैलेट रोड भू-तल एवं पूर्वी पटरी, जामा मस्जिद मार्केट तथा कपूर कम्पनी चौराहा के लिए निर्धारित किया गया। 250 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया केवी खान मार्केट एवं सिंधी पोंड मार्केट के लिए निर्धारित किया गया। 200 प्रति वर्गमीटर मासिक किराया हैलेट रोड प्रथम तल एवं देहरी गांव क्षेत्र की दुकानों के लिए निर्धारित किया गया। साथ ही दुकानों के नामांतरण के लिए प्रीमियम का निर्धारण वित्तीय वर्ष 2015-16 की जिलाधिकारी सर्किल रेट में 12.50 प्रतिशत वृद्धि के बाद किया गया। जिसमें शिकमी किरायेदार के लिए 30 गुना प्रीमियम एवं 50,000 नामांतरण शुल्क, वारिसान किरायेदार के लिए 25 गुना प्रीमियम एवं 25,000 शुल्क तथा दिव्यांग शिकमी/वारिसान किरायेदार के लिए 10 गुना प्रीमियम एवं 25,000 नामांतरण शुल्क निर्धारित किया गया। कार्यकारिणी ने इन दरों के अनुसार किराया निर्धारित करने की संस्तुति कर दी।

कर वसूली में रिकॉर्ड, वित्तीय सुदृढ़ता का प्रतीक: बैठक में बताया कि नगर निगम ने गृहकर एवं जलकर वसूली में उत्कृष्ट कार्य करते हुए वर्तमान में प्रदेश में शीर्ष-3 नगर निगमों में स्थान प्राप्त किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में नवंबर 2025 तक 91 करोड़ की ऐतिहासिक वसूली नगर निगम की पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था एवं जनसहयोग का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

सड़कें बनेंगी विकास की धमनियां

महानगर में सड़क निर्माण, सड़क मरम्मत, नाली एवं नाला निर्माण, इंटरलॉकिंग व सीसी सड़कें जैसे विकास कार्यों हेतु व्यापक बजट स्वीकृत किया गया है, जिससे यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी और नागरिकों को वर्षों पुरानी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

जलकल विभाग को नई ताकत

शुद्ध एवं निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जलकल विभाग के नए कार्यों, पाइप लाइन सुधार, जलापूर्ति सुदृढ़ीकरण एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बजट पारित किया गया।

महानगर की सुरक्षा के लिए रोशन होगा हर रास्ता

पथ प्रकाश व्यवस्था के अंतर्गत नई स्ट्रीट लाइट्स, खराब लाइटों का प्रतिस्थापन, ऊर्जा दक्ष प्रकाश व्यवस्था के लिए बजट स्वीकृत किया गया, जिससे रात्रिकालीन सुरक्षा एवं सौंदर्य में वृद्धि होगी।

संस्कृति को मिलेगा वैश्विक मंच

बैठक में अगले साल 22 से 26 जनवरी तक आयोजित होने वाले साहित्य सम्मेलन के लिए 2 करोड़ का बजट पारित किया गया। इससे मुरादाबाद को साहित्य, संस्कृति एवं बौद्धिक विमर्श के राष्ट्रीय मानचित्र पर सशक्त पहचान दिलाने का उद्देश्य है।

मनोरंजन दर सस्ता कर दिया परिवारों को राहत

नगर निगम द्वारा संचालित 5डी मोशन थिएटर चेयर की टिकट दरों में कमी कर सामान्य टिकट 100 की जगह 50 रुपये कर दिया गया। इसके अलावा कंपनी बाग में 50 की जगह 20 रुपये का टिकट लगेगा। जिससे बच्चों, युवाओं एवं परिवारों को सस्ता एवं गुणवत्तापूर्ण मनोरंजन उपलब्ध होगा।

नई सड़कों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

कार्यकारिणी की बैठक में एक राय से सड़कों से खिलवाड़ पर सख्ती करने का निर्णय लिया गया। टोरेंट गैस, विद्युत विभाग एवं जल निगम द्वारा नई सड़कों को क्षति पहुंचाने की शिकायतों पर महापौर के निर्देश पर दोषी एजेंसियों पर भारी जुर्माना, संबंधित एनओसी तत्काल निरस्त करने की संस्तुति की गई।

कोहरे ने जब धूप पर पाई फिर से जीत सर्दी भी लिखने लगी, ठिठुरन वाले गीत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

कीर्तिशेष श्रीदेवी स्मृति सम्मान देते समय मौजूद साहित्यकार व कवि। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अध्यात्म, साहित्य एवं संगीत को समर्पित संस्था 'उत्कर्ष' के तत्वावधान में गौर ग्रेसियस सोसायटी के 'हरसिंगार भवन' में 'सम्मान कार्यक्रम हुआ। इसमें युवा कवि दुष्यंत 'बाबा' की कीर्तिशेष माता श्रीदेवी की स्मृति में संगीत और साहित्य के क्षेत्र में योगदान लिए प्रसिद्ध संगीतज्ञा बालसुन्दरी व्यास को और आध्यात्म व सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए गायत्री परिवार से जुड़ीं प्रेमलता सक्सेना को मानपत्र, अंगवस्त्र, श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की अर्चना में मंत्रोच्चारण से हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ कवयित्री डॉ. प्रेमवती उपाध्याय ने की, मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मनोज रस्तोगी व सामाजिक कार्यकर्ता ताराचंद विशिष्ट अतिथि रहे। बाल सुन्दरी व्यास ने अपनी कविता संवादहीन रिश्ते कचोटते हैं भीतर तक, वह फूलों से रिश्ते जिन्हें पाला पोसा था, अब समझदार हो गए हैं शायद सुनाया।

डॉ. प्रेमवती उपाध्याय ने भारत-भूमि सनातन-पावन, जननी शुभ संस्कारों की, पूजा करते जड़-चेतन की, सागर-नदी-कछारों की से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य अतिथि डॉ. मनोज रस्तोगी ने कमरा जो जानता था मेरा नाम, पहचानता था मेरी आहट, दरवाजा उसका आज देखते ही मुझे कांप गया थोड़ा सा सुनाया। योगेन्द्र वर्मा व्योम ने सम सामयिक रचना कुहरे ने जब धूप पर, पाई फिर से जीत, सर्दी भी लिखने लगी, ठिठुरन वाले गीत सुनाकर वाहवाही पाई। राजीव प्रखर ने गाड़ी-गाड़ी खेल रहे हैं, कॉलोनी के बच्चे सारे, जैसे नभ में चमक रहे हों, नन्हें-नन्हें झिलमिल तारे और दुष्यंत बाबा ने जब-जब उन पर जग हंसा, जग पर हंसे कबीर, मिथ्या माया मैल रे, शाश्वत नहीं शरीर सुनाकर सराहना पाई।

पेयजल योजनाओं की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी नाराज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जल जीवन मिशन कार्यक्रम फेज 2 एवं 3 के अन्तर्गत निर्माणाधीन ग्रामीण पेयजल योजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में हुई। जिलाधिकारी ने मैसर्स एनकेजी प्राइमस नई दिल्ली की खराब प्रगति पर नाराजगी जताई और कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने फर्मों के प्रोजेक्ट मैनेजर को ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं में पाइप लाइन बिछाने के लिए डिस्मेंटल की गईं सड़कों को शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार ठीक कराने को कहा। जिलाधिकारी ने रोड रेस्टोरेशन की स्थिति के साथ ही निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक, पाइप लाइन बिछाने और वर्तमान में सुचारु रूप से संचालित परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की। इन दोनों कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सख्त निर्देश दिया कि वह कार्य में तेजी लाएं। जिले में हर घर जल योजना के अंतर्गत कार्यदायी संस्था एनकेजी प्राइमस को 393 तथा एलसी इंफ्रा को 210 परियोजनाओं पर कार्य कराने की जिम्मेदारी दी गई है। एलसी इंफ्रा के प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि 210 परियोजनाओं के सापेक्ष 142 पेयजल परियोजनाओं में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है। मार्च 2026 तक कार्यों में प्रगति लाकर फर्म को आंवटित समस्त 210 परियोजनाओं को संचालित करा दिया जाएगा। एनकेजी प्राइमस संस्था की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि 393 पेयजल परियोजनाओं के सापेक्ष 114 पेयजल परियोजनाओं में पेयजल आपूर्ति कराई जा रही है।

न्यूज डायरी

15 गाड़ियों की चेकिंग में 44 बिना टिकट यात्री पकड़े गए

मुरादाबाद, अमृत विचार : बिना टिकट, अनियमित यात्रा व स्टेशनों पर गंदगी की रोकथाम के लिए सोमवार को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता के निर्देश पर मुरादाबाद मंडल के शाहजहांपुर स्टेशन पर किलेबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। सहायक वाणिज्य प्रबंधक अंकित शर्मा के नेतृत्व में 9 टिकट चेकिंग स्टाफ ने 3 रेलवे सुरक्षा बल स्टाफ के सहयोग से शाहजहांपुर स्टेशन पर 15 गाड़ियों को चेक किया। विशेष चेकिंग के दौरान 44 बिना टिकट केस में किराया व जुर्माना सहित कुल 24,220 रुपये वसूले गए। जबकि अनियमित यात्रा के 40 केस में किराया एवं जुर्माना सहित कुल 15,480 रुपये, धूम्रपान और गंदगी फैलाने के 7 मामले में किराया एवं जुर्माना सहित 1,000 रुपये का राजस्व प्राप्त किया। इस प्रकार 91 मामलों में कुल 40,700 रुपये का रेल राजस्व अभियान के दौरान अर्जित किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने बताया कि प्लेटफॉर्म पर टिकट या अपना रेल यात्रा टिकट लेकर ही जाएं। स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में गंदगी व धूम्रपान न करें।

प्रशिक्षण में प्राथमिक उपचारकर्ता के कर्तव्य को समझाया

मुरादाबाद, अमृत विचार : केंद्रीय गृह मंत्रालय और निदेशालय नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश पर वार्डन एवं स्वयंसेवक के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण के छठें दिन सोमवार को डिप्टी सीएमओ आरके शर्मा ने पहले सत्र में मानव शरीर की संरचना के बारे में बताया। दूसरे सत्र में सहायक उप नियंत्रक सतीश कुमार ने प्राथमिक उपचारकर्ता के कर्तव्य को समझाया। दिन के अंतिम सत्र में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुपमा मिश्रा ने सामूहिक दुर्घटना के मामले में ट्राईएज" पर चर्चा की। सभी वक्ताओं/व्याख्यान विशेषज्ञों को उपनियंत्रक नीरज चक द्वारा स्मृति चिह्न दिया गया। इस दौरान नागरिक सुरक्षा कार्यालय से चमन कुमार शर्मा, तुषार अग्रवाल, सुरेंद्र प्रकाश गुप्ता, मो. खालिद, अशोक कुमार गुप्ता, वसीम अंसारी, वसीम अख्तर, शरीफ अहमद, अनुज गुप्ता, राजदीप गोयल आदि मौजूद रहे।

अरावली पर्वतमाला को क्षति पहुंचाने वाली कार्रवाई को रोका जाए

मुरादाबाद, अमृत विचार : इनवायरमेंट प्रोक्टेशन मूवमेंट की ओर से राजस्थान में स्थित अरावली पर्वतमाला को संरक्षित करने के लिए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में सोमवार को जिला प्रशासन के अधिकारी को दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि अरावली पर्वतमाला को अगर क्षति पहुचाई गई तो इससे खनन वनों की कटाई नागरिकों को जल प्रदूषण और स्वास्थ्य समस्याओं व भूमि संतुलन आदि समस्याएं उत्पन्न होगी। देश को भू जल क्षय मरूस्थलीय जैव विविधता जलवायु आदि अस्थिरता जैसी गंभीर हानियां व क्षति होगी। ज्ञापन देने वालों में सैय्यद ज़ुबैर अली, पर्यावरणविद मो. तनजीम, फिरोज खान अध्यक्ष नागरिक जनकल्याण समिति, मनीष वार्ष्णेय, अरशद परवेज, मो. नदीम, फिरासत हुसैन, अभिनव भट्ट, रिषभ शर्मा आदि शामिल रहे।

मिशन शक्ति कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश

मुरादाबाद, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित 90 दिवसीय कार्यक्रम का समापन समारोह गोकुलदास गर्ल्स महाविद्यालय में हुआ। समापन समारोह का आरंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर चारु मेहरोत्रा ने मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मानुषी रस्तोगी मिस मुरादाबाद 2020 और विशिष्ट अतिथि सुरभि शर्मा, सीनियर प्रबंधक, केनरा बैंक ऑफ इंडिया उपस्थित रहे। 90 दिनों के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की झलकियों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेसर मीनाक्षी शर्मा एवं प्रोफेसर सुदेश कुमारी ने किया। संचालन प्रोफेसर करुणा आनंद एवं प्रोफेसर प्रवीण सैनी ने किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर किरण साहू, प्रोफेसर अपर्णा जोशी, प्रोफेसर अनुराधा सिंह, प्रोफेसर किरण त्रिपाठी, प्रोफेसर सीमा अग्रवाल, प्रोफेसर सीमा गुप्ता, प्रोफेसर सुधा सिंह, प्रोफेसर वंदना पांडे सहित अन्य प्राध्यापक एवं कर्मचारी रहे।

स्पोर्ट्स महोत्सव | वार्षिक कल्चरल और स्पोर्ट्स महोत्सव ग्रेविटास 4 का आयोजन

बीडीएस सेकेंड ईयर की टीम बनी ओवरऑल चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

ट्राफी के साथ विजेता टीम के प्रतिभागी व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के सालाना कल्चरल और स्पोर्ट्स महोत्सव ग्रेविटास 4 में बीडीएस सेकेंड ईयर की टीम सुप्रीम डेयरडेविल 217 प्वाइंस लेकर ओवरऑल चैंपियन बनी। 192 प्वाइंट्स लेकर बीडीएस फर्स्ट ईयर की टीम सुपरनोवा वॉरियर्स ने दूसरा, जबकि 155 प्वाइंट्स के साथ इंटर्न्स की टीम विक्ट्री स्मैशर तीसरे स्थान पर रही। चैंपियन टीम को डेंटल एवं एलाइड हेल्थ साइंसेज की डायरेक्टर डॉ. नीलिमा जैन, डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. प्रदीप तांगड़े, वाइस प्रिंसिपल डॉ. अंकिता जैन आदि ने चैंपियंस ऑफ चैंपियन ट्राफी देकर सम्मानित किया।

इससे पूर्व ग्रेविटास 4 के तहत टीएमयू के वीसी प्रो. वीके जैन, एसोसिएट डीन, अकादमिक्स डॉ. अमित कंसल आदि ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक संध्या का आरंभ किया। संचालन तुलिका सक्सेना ने किया। बीडीएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने वॉरियर थीम पर नृत्य की प्रस्तुति दी। इंटर्न्स ने शैड्र्स ऑफ लाइफ नृत्य के जरिए जीवन के विभिन्न पहलुओं को दिखाया। एल्युमिना डॉ. अपूर्व शर्मा ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। बीडीएस सेंकेड के नव दिव्य, बीडीएस फाइनल ईयर ने रेट्रो टु मेट्रो, बीडीएस थर्ड ईयर ओल्ड ने इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन, बीडीएस थर्ड ईयर न्यू ने सीजन्स ऑफ लव थीम पर नृत्य की प्रस्तुति दी। एमडीएस के स्टूडेंट्स ने बॉलीवुड-टॉलीवुड फ्यूजन पर ग्रुप डांस प्रस्तुत किया। बीडीएस इंटर्न्स- जेबा, प्रेमी पूर्णिया ने स्टैंड अप कॉमेडी से सभी का मनोरंजन किया। डेंटल के छात्रों लाफ्टर शो की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में फैशन शो भी आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें विद्यार्थियों के अलावा फैकल्टीज ने भी प्रतिभाग किया। कल्चरल इवेंट के दौरान डॉ. शिल्पी श्रीवास्तव, डॉ. उपेन्द्र मलिक, डॉ. अभिनय अग्रवाल, डॉ. डीएस गुप्ता, डॉ. विश्व दीपक, डॉ. विकास सिंह, डॉ. राजीव पाठक, डॉ. शलभ मेहरोत्रा, डॉ. सौभाग्य अग्रवाल, डॉ. कार्तिकेय सक्सेना, डॉ. जैनुल आब्दीन, डॉ. शुभम मिश्रा, डॉ. हर्षित जैन के अलावा डेंटल कॉलेज के विद्यार्थी मौजूद रहे।।

न्यूज ब्रीफ

बाजार गई बहनों के थैले से 50 हजार की नकदी चोरी

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : बाजार में खरीदारी करने आईं दो बहनों के थैले से 50 हजार रुपये चोरी हो गए। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। कोतवाली क्षेत्र के गांव तरफ दलपत निवासी किरन पुत्री तेजपाल शुक्रवार को अपनी बहन कविता के साथ बाजार में गर्म कपड़ों की खरीदारी करने आई थीं। किरन के अनुसार, उनके थैले में 50 हजार रुपये थे। बाजार से घर पहुंचकर थैला चेक किया तो पूरी रकम गायब मिली। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

नए सार्वजनिक शौचालय के निर्माण की मांग

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के गांव उस्मानपुर में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) द्वारा निर्माणाधीन हाईवे की जद में गांव का सार्वजनिक शौचालय आ गया। ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी से नए सार्वजनिक शौचालय के निर्माण की मांग की है। क्षेत्र पंचायत समिति सदस्य अतुल कुमार, आनंद सिंह, राजकुमार, संजय, राजीव सहित अन्य ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें गांव में सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराकर उसी स्थान पर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराए जाने की मांग की गई है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को भेजा जेल

भोजपुर, अमृत विचार : सोमवार को उप निरीक्षक विपिन कुमार ने थाना सिविल लाइन के गांव मोरा की मिलक निवासी अनमोल पुत्र महिलाल को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद चालान कर दिया। आरोपी के खिलाफ थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने, गाली गलौज, मारपीट के आरोप में केस दर्ज कराया था।

धड़ल्ले से दौड़ रहीं मिट्टी भरी ट्रैक्टर ट्राली

कांठ, अमृत विचार : नगर की गलियों में मिटटी भरी ट्रैक्टर ट्रालियां दौड़ रही हैं। जिसके कारण कभी भी हादसा हो सकता है। जिसके चलते नगरवासियों में रोष है। नगर वासियों ने मिट्टी से भरे ट्रैक्टर ट्रालियों पर अंकुश लगाने की मांग की है।

हाउस व वाटर टैक्स वसूली कैंप में कर्मचारियों से अभद्रता, हंगामा

सभासदों व पालिका कर्मचारियों ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को दी तहरीर

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

कोतवाली प्रभारी को तहरीर देने पहुंचे नगर पालिका कर्मचारी व सभासद। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद द्वारा गृहकर एवं जलमूल्य की वसूली के लिए लगाए गए कैंप में उसे समय हंगामा हो गया जब एक युवक ने टैक्स वसूली में नगर पालिका द्वारा भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। कर्मचारियों ने कहा कि जो नगर पालिका ने हाउस टैक्स निर्धारण किया है वह उसी की वसूली कर रहे हैं। इसके बाद युवक ने उनके साथ अभद्रता कर हंगामा शुरू कर दिया। मामला तूल पकड़ गया। नगर पालिका के कर्मचारी व सभासद ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार परमार को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की।

नगर पालिका में प्रधान लिपिक विजयपाल सिंह ने बताया कि रोस्टर के अनुसार सोमवार को नगर के वार्ड संख्या 12, मोहल्ला बजारान में गृहकर व जलकर वसूली का कैंप लगाया गया था। शाम करीब 4 बजे प्रदीप कुमार उर्फ सोनू पुत्र बीरबल मौके आया और पालिका कर्मचारियों के साथ अभद्रता व गाली-गलौच करने लगा। आरोप है कि युवक ने लोगों को कर जमा न करने के लिए उकसाया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। युवक ने सरकारी दस्तावेजों से छेड़छाड़ की और वसूली से संबंधित बस्तों को फेंक दिया, जिससे कुछ समय के लिए वसूली कार्य पूरी तरह बाधित हो गया। इस घटना से नाराज नगर के सभासद व कर्मचारी कोतवाली पहुंचे और पुलिस को तहरीर देकर युवक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

सभासदों ने कहा कि यदि इस तरह की घटनाओं पर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो नगर पालिका के कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करना कठिन हो जाएगा। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस दौरान सभासद राकेश दानव, आसिफ सैफी, शाहिद, जावेद, शाहिल आदि मौजूद रहे। उधर प्रदीप पाल ने भी पुलिस को तहरीर देकर कर्मचारियों पर कार्यवाही की मांग की।

प्रेमी युगल ने किया अंतर्जातीय विवाह परिजन खफा

भोजपुर, अमृत विचार : कस्बे के एक मोहल्ला निवासी निवासी युवती का दूसरी जाति के युवक से तीन वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा। परिजन निकाह करने को राजी नहीं थे। युवती ने छह महीने में दो बार प्रेमी और उसके परिजनों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत की।

परिजनों और प्रेमी के निकाह करने में आनाकानी पर बीते दिन युवती ने तीसरी दफा थाने में शरण ली। पुलिस ने युवती और युवक के परिजनों को थाने आने को कहा तो उन्होंने संबंध खत्म करने की बात कहते हुए आने से इंकार कर दिया। पुलिस ने प्रेमी को थाने बुलाकर बात कराई।

युवक परिजनों को मनाने के लिए कुछ समय ओर देने की मांग करने लगा। पुलिस की सख्ती पर युवक निकाह करने को राजी हो गया लेकिन परिजनों ने शामिल होने से इंकार कर दिया। ग्रामीणों ने रात 12 बजे काजी को बुलाकर दोनों का निकाह करा दिया। प्रेमिका से पत्नी बनी युवती को प्रेमी अपने साथ लेकर घर से कहीं दूर चला गया।

पुलिस ने बरामद की चोरी की ट्रॉली, दो गिरफ्तार

बरापमद ट्राली और पुलिस गिरफ्त में चोर। ● अमृत विचार

संवाददाता, कुंदरकी

● किसान ने ट्राली बताने पर 50 हजार इनाम की घोषणा की थी

अमृत विचार : किसान द्वारा ट्रॉली चोरी होने पर इनाम का ऐलान करने के बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए ट्रॉली बरामद कर ली और दो आरोपियों को पकड़ जेल भेज दिया।

कुंदरकी थाना क्षेत्र के गांव पांडिया निवासी किसान अमृत सिंह की ट्रॉली 12 दिसंबर की रात चोरी हो गई थी। उन्होंने सुराग देने वाले को 50 हजार रुपये इनाम देने का ऐलान किया था। रविवार को पुलिस ने मुखबिर की सुचना पर ट्रैक्टर अर्जुन अल्ट्रा वन के साथ जुड़ी ट्रॉली बरामद कर ली। मौके से दो आरोपी अनमोल सैनी पुत्र होरीलाल और शाकिर पुत्र शरीफ निवासी काजीपुरा को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया। बरामदगी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मयंक मलिक, हेड कांस्टेबल रामविजय, कांस्टेबल विनय मलिक, मुनिश, मोनू और विनय राठी शामिल रहे।

एसडीएम ने मिट्टी भरा डंपर किया सीज

संवाददाता, कांठ

● प्रभारी अधिकारी खनन मुरादाबाद को पत्र भेजा

कांट थाने के बाहर खड़ा डंपर।

अमृत विचार : एसडीएम ने मिट्टी से भरे हुए डंपर को बिना रमन्ना अभिलेख पकड़ लिया और खनन अधिकारी को कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेज कर थाना कांठ के प्रभारी निरीक्षक की सुपुर्दगी में डंपरदे दिया।

एसडीएम कांठ संत दास पवार दोपहर को क्षेत्र भ्रमण तहसील को वापस लौट रहे थे। मुरादाबाद हरिद्वार मार्ग पर कांठ में थाने के समीप मिट्टी से भरे हुए डंपर को उन्होंने रोका। चैकिंग के दौरान डंपर चालक से रमन्ना अभिलेख मांगे जाने पर डंपर चालक द्वारा कोई कागज प्रस्तुत नहीं किया गया जिससे मिट्टी का अवैध परिवहन खनन किया जाना प्रतीत होता है। उक्त डंपर प्रभारी निरीक्षक थाना कांठ की सुपुर्दगी में देकर एसडीएम ने प्रकरण में अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए प्रभारी अधिकारी खनन मुरादाबाद को पत्र भेजा।

खनन कर रहे दो डंपर किए सीज

थाना कांठ पुलिस ने बिना नंबर प्लेट के चल रहे खनन के दो डंपरों को सीज कर दिया है। कांठ करनपुर मार्ग पर सुबह से ही अवैध खनन के डंपर तेजी से दौड़ने लगते हैं। कोहरा लगातार बढ़ रहा है इससे खनन के डंपरों से हादसों का खतरा है। रविवार को थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह ने पुलिस बल के साथ क्षेत्र में चेकिंग के दौरान देखा कि दो डंपर तेजी के साथ जा रहे थे। चालक को इशारा कर रोकने का प्रयास किया तो तो उसने डंपरों को आगे बढ़ा दिया। दोनों डंपरों पर नंबर प्लेट ना होने न होने पर दोनों को पुलिस ने सीज कर दिया है।

एसडीएम को प्रार्थना पत्र दे रास्ते से कब्जा हटाने की मांग

कांठ, अमृत विचार : ग्राम पंचायत राणा नंगला शेखुपुर की ग्राम प्रधान प्रकाश वती ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर रास्ते से अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है।

ग्राम प्रधान ने बताया कि गांव देहरी जुम्मन में गंगा नदी के रपटा पुल से प्राथमिक विद्यालय तक मार्ग की 400 मीटर तक देहरी जुम्मन के कुछ लोगों ने सड़क किनारे अवैध कब्जा करके बड़े-बड़े कूड़े के ढेर लगा दिए हैं और यहां के निवासियों ने अपने घरों से आधे रास्ते तक रैंप बना दिया है जिससे रास्ता बहुत छोटा हो गया है और गन्ने के सीजन में गन्ने के वाहन एवं अन्य वाहन नहीं निकल पाते हैं। एसडीएम संत दास पवार ने मामले की जांच खंड विकास अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पूर्व सांसद कुंवर सर्वेश सिंह की जयंती मनाई, मरीजों को दिए फल

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को फल देते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद एवं ठाकुरद्वारा से पांच बार विधायक रहे स्वर्गीय कुंवर सर्वेश सिंह की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर के सरकारी अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए।

भाजपा नेता ठाकुर अजय प्रताप सिंह ने कहा कि कुंवर सर्वेश सिंह ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में सदैव क्षेत्र की जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी और विकास कार्यों को गति देने के लिए निरंतर प्रयास किए। गरीबों, किसानों और समाज के कमजोर वर्गों के हित में उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा याद रखे जाएंगे। उनका सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और हर समय जनता के सुख-दुख में साथ खड़े रहने की भावना उन्हें विशेष बनाती थी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से हालचाल जाना तथा फल वितरित किए। नगर मंडल अध्यक्ष दीपक बाल्मीकि पूर्व मंडल नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार पाल, पवन पुष्पद, आशुतोष अग्रवाल व धमेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

हाईवे चौड़ीकरण जल्द शुरू होने की उम्मीद

संवाददाता, कांठ

अधर में लटका सड़क चौड़ीकरण। ● अमृत विचार

● एसडीएम ने तहसील क्षेत्र की 5 एकड़ भूमि वन विभाग को आवंटित की

अमृत विचार : लोक निर्माण विभाग एवं वन विभाग में सड़क चौड़ीकरण को लेकर रस्साकसी चल रही है। जिसके चलते कार्य अधर में लटका हुआ है। एसडीएम कांठ द्वारा वन विभाग को तहसील क्षेत्र की 5 एकड़ भूमि आवंटित करने के बाद सड़क चौडीकरण शीघ्र होने होने की उम्मीद है।

लगभग 6 माह से कांठ- हरिद्वार हाईवे का चौड़ीकरण लटका हुआ है। मंडल मुख्यालय से छजलैट तक सड़क का काम पूरा हुआ है लेकिन रसूलपुर रेलवे क्रासिंग से सहसपुर बॉर्डर तक यह काम होना है। लोक निर्माण विभाग ने कुमार फिलिंग स्टेशन से मूड टीवा मंदिर तक का काम अधर में ही छोड़ रखा है। सड़क के दोनों तरफ गहरे गहरे गड्ढे होने के कारण वाहन अक्सर गिर जाते हैं। लोडेड वाहन फंसने से प्रतिदिन हाईवे पर लंबा जाम लग रहा है। मुरादाबाद से छजलैट तक की 22.5 किमी लंबी सड़क का सुधार बिना किसी बाधा के पूरा हो चुका है। रसूलपुर रेलवे फाटक से छजलैट तक का मार्ग वन संरक्षित क्षेत्र में आता है। वन विभाग की परमिशन के बिना ही लोक निर्माण विभाग ने सड़क चौड़ीकरण शुरू कर दिया था। डिप्टी वन डेंजर ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर जेसीबी सीज कर दी थी। संपूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी अनुज कुमार ने भी सड़क निर्माण का कार्य पूरा नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की थी। एसडीएम संत दास पवार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसील क्षेत्र की 5 एकड़ भूमि लोक निर्माण विभाग को आवंटित कर दी है। बदले में आवंटित भूमि पर वन विभाग में भी सहमति व्यक्त कर दी है। डिप्टी रेजर पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि तहसील द्वारा दी गई भूमि के बदले सड़क चौड़ी करण निर्माण से पूर्व लोक निर्माण विभाग सरकार से अनुमानित लेगा।

सऊदी में नौकरी दिलाने के नाम पर 40 लोगों से लाखों की ठगी

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

● एक पीड़ित की तहरीर पर पुलिस कर रही जांच

अमृत विचार : विदेश में भेजने के नाम पर काफी समय से क्षेत्र के लोगों से ठगी करने के मामले लगातार प्रकाश में आ रहे हैं। करीब 40 बेरोजगार युवकों को सऊदी अरब में नौकरी दिलाने के नाम लाखों रुपए की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव रामनगर खागूवाला निवासी मोहम्मद शाहिद ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि नगर के मोहल्ला बहेड़ावाला, डिलारी क्षेत्र के गांव ढकिया और करनपुर निवासी तीन लोगों ने करीब 40 लोगों से लाखों रुपये ऐंठ लिए। उन्हें बताया कि सऊदी अरब में हाजियों की सेवा के लिए काम करने वालों की आवश्यकता है और इसके बदले अच्छा वेतन मिलेगा। इस झांसे में आकर रामनगर खागुवाला निवासी अबरार हुसैन, रिजवान, दिलशाद, फरमान, हाशिम, शमी, नाजिम हुसैन, बिलाल समेत नौ लोगों को तैयार किया। आरोपियों ने अन्य गांवों के लोगों को भी इसी तरह सऊदी भेजने का झांसा दिया।

मोहम्मद शाहिद ने बताया कि अप्रैल 2024 में करीब 40 लोगों से तीनों आरोपियों ने 45-45 हजार रुपये लिए। बाद में मेडिकल के नाम पर पांच-पांच हजार रुपये लेकर उन्हें दिल्ली बुलाया गया, जहां उन्हें फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्र थमा दिए गए। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने इन्कार कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। बाद में पंचायत भी हुई, जिसमें एक आरोपी ने अपने हिस्से की रकम लौटाने का आश्वासन दिया, लेकिन अब तक कोई राशि वापस नहीं की गई। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

कांठ क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था हो गई बदहाल

कांठ, अमृत विचार : क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है। उपभोक्ता काफी परेशान हैं।

अगवानपुर से कांठ के 33/11 केवी के बिजली उपकेंद्र को आ रही 33 केवीए के विद्युत लाइन जंगल से होकर बिजली घर पर पहुंच रही है। टाउन फीडर, तहसील फीडर और कृषि फीडर की बिजली आपूर्ति हल्की हवा एवं बारिश के चलते लाइनों में फाल्ट होने से कई घंटे तक ठप रहती है। अनेक बार तो फाल्ट ठीक होने में 12 से 36 घंटे तक का समय लग चुका है। उपभोक्ता बिजली की जानकारी लेने के लिए कर्मचारियों को फोन करते हैं तो वह फोन बंद कर लेते हैं। मीटर रीडिंग लेने वाले कर्मचारी जानबूझकर माह के अंतिम सप्ताह में मीटर रीडिंग निकलते हैं। इस कारण उपभोक्ताओं को अधिक बिल बहन करना पड़ता है। स्मार्ट मीटर से अधिक बिल आने की शिकायतें आती हैं। डॉ मोहम्मद यूसुफ अधिकारियों से कई बार शिकायतें कर चुके हैं।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

● अपने मामा के घर से लौट रहा था, रास्ते में ट्रक ने चपेट में लिया

मृतक अनिकेत।

अमृत विचार : रिश्तेदारी से घर लौट रहे एक बाइक सवार युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंद दिया। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान घायल युवक की मौत हो गई। परिजनों पर रिश्तेदारों में कोहराम मच गया।

कोतवाली क्षेत्र के गांव रामूवाला गणेश निवासी 22 वर्षीय अनिकेत कुमार पुत्र बलवीर सिंह रविवार को उत्तराखंड के काशीपुर कोतवाली क्षेत्र के थाना कुंडा के गांव लालपुर बक्शोरा में अपने मामा के घर गया था। रविवार की देर रात वह बाइक से घर लौट रहे था। रात करीब आठ बजे वह सूर्या पुलिस चौकी के पास पहुंचा तभी तेज रफ्तार ट्रक चालक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अनिकेत के सिर में गंभीर चोटें आईं और मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

सूर्या चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने घायल अनिकेत को तुरंत काशीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद अनिकेत की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया।पुलिस ने मौके से ट्रक को कब्जे में ले चालक को हिरासत में ले लिया। अनिकेत अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा से जुड़े हुए थे। उनकी असामयिक मृत्यु पर संगठन के पदाधिकारियों एवं किसान नेता प्रीतम सिंह सहित अन्य लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो. 7906815587

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 2007 अनुक्रमांक 0673965 का प्रमाण पत्र-सह-अंक पत्र खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **मुस्तकीम हुसैन पुत्र भूरे हुसैन केयर आफ विनीत कुमार ग्राम संदलपुर पोस्ट हाथीपुर चंदू कुंदरकी मुरादाबाद**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा के विरोध में 24 को प्रदर्शन

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रही हिंसा और हत्याओं के विरोध में देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल 24 दिसंबर को बांग्लादेशी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगा।

विश्व हिंदू परिषद के जिला विधिक प्रमुख साजन शर्मा एडवोकेट ने सोमवार को बताया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे क्रूरतापूर्ण जिहादी हमलों के विरोध में यह प्रदर्शन किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदुओं की सुरक्षा की मांग उठाई जाएगी। विहिप ने लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है।

गैस एजेंसी दिलाने के नाम पर 10.62 लाख की ठगी

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

● पुलिस ने आरोपी पर दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार : थाना भगतपुर क्षेत्र में गैस एजेंसी दिलाने के नाम पर साढ़े दस लाख रुपये से अधिक की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ ठगी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

थाना भगतपुर क्षेत्र के गांव डूंगरपुर निवासी अश्वनी देव पुत्र सत्यभान ने बताया कि मझोला, नया मुरादाबाद सेक्टर-15 निवासी अशोक कुमार आकांक्षा गैस एजेंसी का संचालन करता है। उसने गैस एजेंसी उसके नाम से रजिस्टर कराने का झांसा दिया। आरोपी की बातों में आकर पीड़ित ने 21 अगस्त को अशोक कुमार के खाते में कुल 10 लाख 62 हजार 500 रुपये ट्रांसफर कर दिए। रुपये लेने के बाद आरोपी टालमटोल करता रहा। रकम वापस मांगी तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने और एससी/एसटी एक्ट में झूठा मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी। अश्वनी ने बताया कि जानकारी करने पर पता चला कि आरोपी अशोक कुमार और उसकी पत्नी पर हजरतनगरगढ़ी थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति से करीब 40 लाख रुपये की ठगी में पहले से एफआईआर दर्ज है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी गैस एजेंसी संचालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं को किया जागरूक

कुंदरकी, अमृत विचार: इंडियन पब्लिक जूनियर हाईस्कूल ग्राम ढकिया जुम्मा में थाना कुंदरकी से एंटी रोमियो टीम ने मिशन शक्ति, नारी सम्मान, नारी सुरक्षा के अंतर्गत छात्राओं को जागरुक किया। दरोगा अंकुर तेवतिया ने छात्राओं को डायल 1090,112 के बारे में जानकारी दी। कहा कि छात्राएं निर्भीक होकर शिक्षा प्राप्त करें। परेशानी पर हेल्पलाइन पर शिकायत करें। कांस्टेबल हर्ष यादव, मोहित, सरिता रानी ने मिशन शक्ति नारी सम्मान के बारे में विस्तार से बताया। प्रधानाचार्य मोहम्मद तय्यब अली, प्रबंधक मो0 इकराम, हसमत अली, अरविन्द कुमार, सुरेन्द्र सिंह, प्रिंस कुमार, शिवम, मासूम, शिफा, शादमा, पूजा, जोया सबा, जोया, आलेमीन आदि लोग भी उपस्थित रहे।

सदन में विधायक कमाल अख्तर ने उठाए स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल

संवाददाता, कांठ

● मुरादाबाद, अमरोहा की स्वास्थ्य समस्याएं उठाईं

विधायक कमाल अख्तर।

अमृत विचार : विधान सभा में कांठ विधायक कमाल अख़्तर ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था और बिजली विभाग के निजीकरण के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विभागों को सुधारने के बजाय उन्हें अपने चहेते पूंजीपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कमजोर और निजी हाथों में सौंपने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आयुष चिकित्सा की स्थिति अत्यंत दयनीय है, मुरादाबाद, अमरोहा सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्रों में आज तक आयुष विभाग की अपनी इमारतें नहीं बनी हैं और अन्य विभागों के कार्यालयों में ही सेवाएं संचालित की जा रही हैं। विधायक ने मुरादाबाद जैसे बड़े जिले का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार "वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज" का दावा करती है, जबकि मुरादाबाद में कोई सरकारी मेडिकल कॉलेज नहीं है। मुरादाबाद के ब्रास उद्योग में लाखों मजदूर काम करते हैं, लेकिन उन्हें भी समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। वहीं कांठ विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की हालत बदतर है, जहां न मूलभूत सुविधाएं हैं, न पर्याप्त डॉक्टर, तकनीशियन और न ही अल्ट्रासाउंड जैसी आवश्यक मशीनें उपलब्ध हैं। कमाल अख़्तर ने सरकार से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, बिजली निजीकरण के निर्णय को वापस लेने और किसानों, मजदूरों, बुनकरों व छोटे उद्योगों के हितों के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

न्यूज ब्रीफ

महिलाओं को दी कानून की जानकारी

रामपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है। थाना स्तरीय टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्र के विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों, बाजारों, शॉपिंग मॉल, पार्क एवं सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। इसके अलावा महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से जुड़े आवश्यक उपाय, कानूनी अधिकार, नारी सम्मान से संबंधित प्रावधान एवं तत्काल सहायता के विकल्प व हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में बताया।

पूर्व पीएम की आज मनाई जाएगी जयंती

रामपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष शाहिद हुसैन ने बताया कि शौकत अली रोड स्थित कार्यालय पर 23 दिसंबर को भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के पावन अवसर पर माल्यार्पण एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। सभी सम्मानित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं एवं किसानों से अनुरोध है कि समय से पूर्व उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

लाभार्थियों को विपणन की जानकारियां दीं

रामपुर, अमृत विचार : प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत लाभार्थियों के लिए विपणन एवं उद्यमिता परक कार्यशाला के लिए लाभार्थियों को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आमंत्रित किया है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान डॉ. मोहम्मद आसिफ ने बताया कि कार्यशाला में स्वनिर्मित उत्पादों को मार्केट में प्रस्तुत करने की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एमएसएमई आगरा अवधेश कुमार, निहारिका जैन, शिवांग जोशी, रिचा वार्ष्णेय तथा मदन गोपाल रहे।

छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

रामपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति फेज 5 के तहत राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में डिजिटल अरेस्ट के प्रति जागरूकता प्रसारित करने के उद्देश्य से छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली। कालेज प्राचार्य प्रो. जागृति मदान ढींगरा ने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता सबसे प्रभावी उपाय है।

छूट गई कंपकंपी : घने कोहरे के बीच स्कूल गए बच्चे

कक्षा-1 से 8 तक के बच्चों के हुए थे अवकाश, दोपहर बाद धूप निकली तो बच्चों ने की मस्ती

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सर्दी के मद्देनजर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने 18 से 20 दिसंबर तक कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों का अवकाश घोषित कर दिया था। सोमवार को छुट्टी खत्म होने के बाद घने कोहरे के बीच सोमवार को बच्चे स्कूल पहुंचे। हालांकि दोपहर बाद गुनगुनी धूप निकलने पर बच्चों ने पार्कों और घरों में खूब मस्ती की।

20 दिसंबर को छुट्टी के बाद बच्चे ई-रिक्शा, साइकिल और पैदल स्कूल पहुंचे। सोमवार की सुबह 10 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से सर्द हवा चल रही थी। बच्चे भरी सर्दी में स्कूल पहुंचे। कोहरे के कारण कक्षाओं में भी रोशनी कम रही और बच्चों ने जैसे-तैसे पढ़ाई की।

छुट्टियां समाप्त होने पर जैसे ही बच्चे स्कूल जाते हैं, कोहरा और सर्दी बढ़ जाती है। निजी स्कूल की कक्षा-4 की छात्रा कुसुम ने कहा कि सर्दी में स्कूलों में छुट्टी कर देना चाहिए। ताकि बच्चों को सर्दी में घरों से बाहर नहीं निकलना पड़े। सर्दी में घर से बाहर निकलने पर बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है। दोपहर बाद धूप निकलने पर बच्चों ने पार्कों और घरों पर खूब मस्ती की, शाम तक यही सिलसिला चलता रहा। इसके बाद लोग घरों से बाहर नहीं निकले।

कोहरे के बीच से हेड लाइट जलाकर गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

दोपहर में धूप निकलने के बाद पार्क में मस्ती करते बच्चे। ● अमृत विचार

हाल-ए-मौसम

अधिकतम तापमान	14 डिग्री से.
न्यूनतम तापमान	9 डिग्री से.
आद्रता	67 प्रतिशत
वायु वेग	10 किमी. प्रति घंटा

सुबह छाया कोहरा, हेड लाइट जलाकर चले वाहन

रामपुर, अमृत विचार : सोमवार की सुबह कोहरा छाया रहा। वाहन हेड लाइट जलाकर सड़कों पर रेंगते रहे। न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलावा जलाकर हाथ सेंके। पालिका द्वारा शहर के मुख्य चौराहों पर अलाव के लिए लकड़ी नहीं डलवाई जा रही है। सुबह से दोपहर तक कोहरा छाए रहने और सूरज नहीं निकलने पर लोगों ने जहां-तहां से लकड़ी एकत्र कर अलाव जलाकर हाथ सेंके। नगर पालिका परिषद द्वारा रेलवे, स्टेशन, रोडवेज, सिविल लाइंस थाने के सामने, मिस्टन गंज, हामिद गेट, जिला पंचायत, शाहबाद गेट, नवाब गेट आदि जगहों पर अलाव नहीं जलवाए गए हैं। जिसके कारण लोगों को सर्दी में काफी परेशानी हो रही है। दोपहर में सूरज निकलने के बाद लोगों को सर्दी से कुछ राहत मिली। लोगों ने पार्कों, घर की छतों और कार्यालयों से बाहर निकलकर धूप सेंकी। रात में कोहरे की चादर सड़कों पर बिछी होने के कारण वाहन फॉग लाइटें जलाकर सड़कों पर रेंगते रहे। कोहरे के दौरान सड़क हादसों को अंदेशा बढ़ गया है। तड़के से कोहरे की चादर सड़कों पर उतर आई जिसके कारण वाहनों की रफ्तार सुस्त हो गई और चालकों ने फॉग लाइटें जलाईं।

> आमतौर पर मौसम शुष्क रहेगा अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी। हवा 5 से 14 किमी प्रति घंटे की गति से चलने का अनुमान है।
> – डॉ. उदय प्रताप शाही, मौसम वैज्ञानिक कृषि विवि मेरठ

कोहरे ने वाहनों की रफ्तार पर लगाए ब्रेक

ढकिया, अमृत विचार : सोमवार सुबह से ही घना कोहरा होने की वजह से सड़कों पर वाहनों को रेंग रेंगकर धीमी गति से चलना पड़ा। वहीं पारा गिरने से भी सर्दी बढ़ गई। ठिठुरन से लोगों को भारी सर्दी का अहसास हो रहा है। दिसंबर माह का अंतिम सप्ताह चल रहा है। दिन पर दिन पारा गिरने से सर्दी बढ़ गई है। हर रोज आने वाले कोहरे और ठंडी हवा ने ठिठुरन बढ़ा दी है। सोमवार की सुबह इस सीजन की अब तक की सबसे ठंडी सुबह महसूस की गई। जहां दोपहर तक घना कोहरा छाए रहने से वाहनों की रफ्तार धीमे रही। वहीं शाम को ठंडी हवा के चलने के कारण लोगों को जल्दी घरों में दुबकना पड़ा। आलू किसानों का कहना है कि कोहरा आलू की फसल के लिए नुकसानदायक है। जबकि ठंड अधिक होने से गन्ने की छिलाई भी प्रभावित हो रही है।

गुरुद्वारे में शबद-कीर्तन से संगत हुई निहाल

रामपुर, अमृत विचार : गुरु गोविंद सिंह महाराज के परिवार की शहादत पर सफर ए शहादत पर गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा जी में कार्यक्रम हो रहे हैं। गुरुद्वारे में सोमवार को दीवान सजाया गया और हजूरी रागी जत्था भाई कुलदीप सिंह द्वारा शबद कीर्तन किया गया।

सफर -ए- शहादत पर फ्री चाय नाश्ते का स्टॉल रेलवे स्टेशन पर सुबह 5:30 से 7 बजे तक लगाया। गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा में सुबह के कार्यक्रम में श्री सुखमणि साहिब जी एवं श्री नित्नेम साहिब के पाठ हुए कीर्तन उपरांत अरदास हुई। रात्रि कार्यक्रम के अंतर्गत हजूरी रागी जत्था भाई कुलदीप सिंह द्वारा शबद कीर्तन किया। रात्रि 9 से 10 बजे तक बीवी जसप्रीत कौर पटियाला निवासी द्वारा शबद कीर्तन से संगत को निहाल किया। सोमवार के कार्यक्रम में दर्शन सिंह खुराना, गुरचरण सिंह आहूजा, भूपेंद्र सिंह, त्रिलोचन सिंह, महेंद्र सिंह होरा, पपिंदर सिंह, धनवंत सिंह, प्रेम अरोड़ा, राज सिंह, जसमीत सिंह, अमरजीत सिंह, रवींद्र सिंह, हरजीत सिंह, संतोख सिंह खालसा, गुरुदेव सिंह, निर्वैर सिंह, जगमोहन सिंह निमाना, सुरेंद्र सिंह अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

छोटे साहबजादे की याद में 28 दिसंबर तक होंगे कार्यक्रम

बैठक के दौरान मौजूद सिख समाज के लोग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : वीर खालसा सेवा समिति की बैठक सोमवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में हुई। जिसमें अध्यक्ष अवतार सिंह ने बताया कि छोटे साहबजादे की में 23 से 28 28 दिसंबर तक कार्यक्रम किए जाएंगे।

जिसमें 23 को जरूरतमंदों को रजाई, कंबल व साइकिल वितरण की जाएगी। 24 को दूध का लंगर रेलवे स्टेशन के पास लगाया जाएगा। 25 को जरूरतमंदों को कंबल, सिलाई मशीन, रजाई वितरण की जाएगी। 26 को रक्तदान शिविर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में किया जाएगा। 27 दिसंबर को बच्चों को जरूरतमंदों को नई जैकेट वितरण की जाएगी। 28 तारीख को झुग्गी झोपड़ी में व जरूरतमंदों के लिए लंगर होगा। इस मौके पर अध्यक्ष निर्मल सिंह, मनवीर सिंह, अवतार सिंह, गुलशन अरोड़ा, सेवा सिंह, नारायण सिंह, मनदीप सिंह, अमनदीप सिंह, सुरजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, मनिंदर सिंह, मनदीप सिंह, सनी कपूर, रणजीत सिंह रहे।

साइंस क्विज में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : समग्र शिक्षा अभियान के तत्वाधान में सोमवार को किला परिसर स्थित मॉडल मांटेसरी स्कूल के प्रांगण में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत नगर स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता हुई। जिसमें नगर के 20 उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट विद्यालयों छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विज्ञान क्विज प्रतियोगिता प्रथम राउंड में चयनित 25 छात्र-छात्राओं का द्वितीय राउंड के बाद कक्षावार 10 छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते राष्ट्रीय आविष्कार विज्ञान प्रतियोगिता में बनाई। जिसमें से टॉप पांच प्रथम में आरती कम्पोजिट विद्यालय आगापुर, अयान कम्पोजिट विद्यालय कमरलका, अरहान उच्च प्राथमिक विद्यालय बगी, फैजुल रहमान उच्च प्राथमिक विद्यालय काशीपुर, सानिया उच्च प्राथमिक जुठिया व द्वितीय पांच में ममता कम्पोजिट विद्यालय आगापुर, कहकशा मॉडल मांटेसरी स्कूल, हैदर उच्च प्राथमिक बगी, पायल कंपोजिट विद्यालय फैक्ट्री, मुस्कान उच्च प्राथमिक जुठिया रहे। चयनित 10 छात्र-छात्राओं को खंड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र स्वदीप कन्नौजिया ने मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट तथा विज्ञान से सम्बंधित स्टेशनरी किट तथा स्टेशनरी के साथ-साथ सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी किट भी वितरित की। खंड शिक्षा अधिकारी स्वदीप कन्नौजिया ने सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान आज की जरूरत है। एसआरजी प्रदीप भटनागर व सरफाराज अहमद ने कहा कि आपकी लगन व मेहनत ने ही आज आपको टॉप 10 में स्थान प्राप्त कराया है। इस अवसर पर प्रदीप कुमार, नीतू सिंह, प्रभाकर गौतम, मनोज निमेष, अरविंद कुमार, अलका सिंह, शशि प्रभा, शमायला शकील, रूही हसीब, हेमलता, सुरभि चौरसिया, गजाला, फरहा नूर, अनुजा सिंह, शमा परवीन, प्रियंका भाटिया, अदिति विश्नोई, नीता यादव, जुनैद नासिर, राशिद अली, प्रियंका, कृष्ण मोहन, पप्पू, उज्मा, जुनैद नासिर, नाजिया इकबाल रहे। कार्यक्रम का संचालन अलका सिंह ने किया।

कार्यक्रम में पुरस्कार के साथ मौजूद बच्चे एवं शिक्षक। ● अमृत विचार

ओपन जिम की दीवारें तोड़कर दोबारा निर्माण

संवाददाता, सैफनी

अमृत विचार : सभासदों द्वारा जनसुनवाई पोर्टल पर सीसी रोड निर्माण, डंपिंग ग्राउंड, सरकारी हैंडपंप सहित अन्य कार्यों में धांधली की शिकायतें दर्ज कराईं थीं। जांच के बाद ओपन जिम की दीवारें तोड़कर दोबारा निर्माण कार्य शुरू कराया गया है।

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दो दिन पहले नगर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में जिला स्तरीय टीम ने नगर में पहुंचकर संबंधित स्थलों का भौतिक सत्यापन किया था और कार्यों की गुणवत्ता की जांच की थी।

सोमवार को ओपन जिम की दीवारों को तोड़कर दोबारा निर्माण कराने पर सूचना पर सभासद मौके पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचे सभासदों ने निर्माण कार्य की वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी, जिसमें विकास कार्यों में धांधली के आरोप लगाए गए हैं। सभासद पुत्र हाजी शानू ने वीडियो शेयर कर दीवार का दोबारा निर्माण की वीडियो सोशल मीडिया पर डाली थी।

सैफनी में ओपन जिम की दीवारें तोड़कर दुबारा निर्माण कार्य होता हुआ। ● अमृत विचार

गोल्डन क्लब को एमएमके ने हराया

संवाददाता, टांडा

ट्रॉफी देते पूर्व पालिका अध्यक्ष पति मक़सूद लाला, व सभासद।

अमृत विचार : स्टैंडर्ड राइस मिल मैदान पर एमएमके क्रिकेट कप टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला हुआ। फाइनल में एमएमके क्रिकेट क्लब टांडा ने गोल्डन क्रिकेट क्लब को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गोल्डन क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 14 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 109 रन बनाए। टीम की ओर से अफगान खान ने 31 रन, आलम फोमी ने 15 रन, शहजाद ने 13 रन और अयाजुल इस्लाम ने 10 रन का योगदान दिया। अतिरिक्त के रूप में 34 रन मिले। एमएमके क्लब की ओर से अरशद और सलाहुद्दीन ने एक-एक विकेट लिया। दो बल्लेबाज रन आउट हुए, 110 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमएमके क्रिकेट क्लब ने रोमांचक मुकाबले में 9 विकेट खोकर 110 रन बनाते हुए मैच एक विकेट से जीत लिया। टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। एमएमके की ओर से सलाहुद्दीन ने शानदार 41 रन बनाए, मोहम्मद नोमान ने 17 रन और अरशद अली ने 10 रन का योगदान दिया। टीम को 36 रन अतिरिक्त के रूप में मिले। गोल्डन क्लब की गेंदबाजी में अफसान अंसारी ने 3 विकेट, शहजाद ने 2 विकेट और अयाजुल रहमान ने 1 विकेट लिया। तीन खिलाड़ी रन आउट हुए। शानदार प्रदर्शन के लिए एमएमके के सलाहुद्दीन को मैन ऑफ द मैच और मुहम्मद अखलद को मैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया। विजेता टीम के कप्तान को ट्रॉफी मुख्यातिथि भाजपा नेता मकसूद लाला द्वारा प्रदान की। मैच के अंपायर मोहम्मद कमाल और नाजिम फरीदी रहे, स्कोरर महफूज मुन्ना रहे तथा कमेंट्री मुहम्मद सईद सागर और अब्दुल रज्जाक ने की। इस अवसर पर मुल्ला मुशर्रफ अली, मोहम्मद तौसीफ, मौलाना शाहफेहद, जुबैर आलम, वसी खान, शहजाद, अनस, हाजी बशर आदि उपस्थित रहे।

श्रीनिवास रामानुजन को याद किया

रामपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर विकास क्षेत्र चमरौआ के उच्च प्राथमिक विद्यालय लालपुर पट्टी कुंदन में कार्यक्रम हुआ। इसमें महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को याद किया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक व गणित शिक्षक रवि माथुर ने बताया कि 1887 में 22 दिसंबर के दिन ही तमिलनाडु के इरोड जिले में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का जन्म हुआ था। उन्होंने अपना पूरा जीवन गणित की संक्रियाओं तथा गणित को सुदृढ़ बनाने के लिए लगा दिया। उन्होंने अपना जीवन गणित के गूढ़ विषयों जैसे पाई, फलन संबंधी आदि संक्रिया को समझने में व्यतीत किया। कार्यक्रम में धर्मवीर, मित्रपाल तथा विभिन्न अभिभावकों ने प्रतिभाग किया तथा बच्चों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन रवि माथुर ने किया।

सैफई, वाराणसी की टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सीगनखेड़ा में आयोजित प्रदेश स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में सोमवार को सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज और वाराणसी मंडल की टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। सोमवार को पहला लीग मैच बस्ती मंडल व प्रयागराज के बीच खेला गया, जिसमें प्रयागराज ने 3-1 गोल से मैच जीत लिया।

पहले मुख्य अतिथि एमपी सिंह, परिवहन विभाग के परिवर्तन अधिकारी होरी लाल वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी अजय कुमार और एनटी ह्यूमैन ट्रैफिक संजीव कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। स्टेडियम पर दूसरा लीग मैच कानपुर और सहारनपुर मंडल के बीच खेला गया जिसमे सहारनपुर ने 2-1 से जीत दर्ज की। तीसरा लीग मैच चित्रकूट मंडल व अलीगढ़ की टीमों के बीच खेला गया जिसमे अलीगढ़ मंडल ने 3-1 से जीत दर्ज की। चौथा मैच मुरादाबाद व मिर्जापुर मंडल की टीमों के बीच खेला गया जिसमे मुरादाबाद मण्डल की टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की। पांचवां मैच अयोध्या मंडल व वाराणसी छात्रावास के बीच खेला गया, जिसमें वाराणसी छात्रावास की टीम ने 7-1 से जीत दर्ज की। प्रतियोगिता का पहला क्वार्टर फाइनल मैच मेरठ मंडल व वाराणसी के बीच खेला गया। जिसमें वाराणसी मंडल ने 4-0 से मैच जीत लिया। दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच लखनऊ मंडल व स्पोर्ट्स कालेज सैफई के बीच खेला गया। जिसमें स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई ने 5-0 से जीत दर्ज की। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार ने अतिथियों को बुके देकर बैज लगाकर स्वागत किया। निर्णायक की भूमिका सुनील चौधरी, मुशीर अहमद, लाल खान, उमेश कुमार, सुशील महरशी, मुस्कान सागर, मुमताज खान, तिब्बयान खान, राम बाबू यादव, अमित कुमार, एहसान उल हक आदि ने निभाई।

इस दौरान हॉकी ओलंपियन आरएस रावत, फरहत अली खान, इमरान खां, डॉ. अनूप कुमार सिंह, मुख्तार खां, शादाब मियां, अमर पाल, मनोज कुमार, आसिम खां, खेमपाल सिंह आदि रहे।

सीगनखेड़ा स्टेडियम पर भिड़ती टीमें। ● अमृत विचार

● सीगनखेड़ा स्पोर्ट्स स्टेडियम पर हो रही प्रदेश स्तरीय पुरुष हॉकी प्रतियोगिता

तैयारी क्रिसमस विश्व का सबसे लोकप्रिय त्योहार : पादरी

क्रिसमस पर घरों और चर्च में की जा रही सजावट

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : क्रिसमस पर्व पर घरों और गिरजाघरों में सजावट की जा रही है। घरों पर युवाओं ने कैरल्स गाए। इस अवसर पर पादरी नितिन मैसी ने कहा कि क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे अहम और विश्व का सबसे लोकप्रिय त्योहार है। हर साल 25 दिसंबर को मनाया जाने वाला यह त्योहार आज हर जाति और धर्म में समान लोकप्रियता हासिल कर चुका है।

पादरी ने कहा कि क्रिसमस प्रभु यीशु के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। क्रिसमस शब्द क्राइस्ट्स और मास दो शब्दों के मेल से बना है। जो मध्य काल के अंग्रेजी शब्द क्रिस्टेमसे और पुरानी अंग्रेजी शब्द क्रिस्टेसमैसे से नकल किया गया है। 1038 ई. से इसे क्रिसमस कहा जाने लगा। इसमें क्रिस का अर्थ ईसा मसीह और मस का अर्थ ईसाइयों का प्रार्थनामय समूह या मास है। पादरी ने बताया कि प्रभु यीशु के जन्म और सेंटा क्लॉज का आपस में कोई खास संबंध नहीं है। सेंटा क्लॉज को याद करने का चलन चौथी शताब्दी से शुरू हुआ था। संत निकोलस जो तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप थे। सेंटा क्लाज लाल व सफेद ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है जो कि, बच्चों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वह बच्चों को प्यार करता है तथा उनके लिए चॉकलेट, उपहार व अन्य वांछित वस्तुएं लाता है। जिन्हें वह संभवतः रात के समय उनके जुराबों में रख देता है।

हाईवे स्थित गिरजाघर को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाता युवक। ● अमृत विचार

प्रभु यीशु की प्रशंसा में गाए कैरल्स

क्रिसमस के दौरान प्रभु की प्रशंसा में लोग कैरल्स गाए गए। प्यार व भाईचारे का संदेश देते हुए घर-घर गए। क्रिसमस ट्री अपने वैभव के लिए पूरे विश्व में लोकप्रिय है। लोग अपने घरों को क्रिसमस से सजाते हैं। लोग मित्रवत रूप से एक दूसरे के घर जाते हैं और दावत करते हैं और वे शांति व भाईचारे का संदेश फैलाते हैं।

करीमपुर के जंगल में दिखी मादा तेंदुआ और उसके बच्चे

मसवासी, अमृत विचार : सोमवार को करीमपुर तीन तेंदुए देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। काफी समय से करीमपुर, कुंदनपुर, धर्मपुर चौहद्दा में तेंदुए देखे जा रहे हैं। दो दिन पूर्व वन विभाग ने भी तेंदुआ पकड़ने के लिए कुन्दनपुर के जंगल में पिंजरा लगा रखा। उसमें शिकार के तौर पर बकरी बांध रखी, लेकिन तेंदुआ यहां न पहुंचकर करीमपुर के जंगल में दिखाई दिए हैं। तीन तेंदुए एक साथ देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गई।

किसान किशन लाल मौर्य के लहसुन में के खेत एक साथ दिखाई दिए। एक साथ माता और उसके दो बच्चे देखे जाने ग्रामीण क्षेत्र में दहशत हो गई। लोगों ने अपने खेतों पर जाना बंद कर दिया है एक साथ तीन तेंदुआ देखे जाने की सूचना वन विभाग को दी है। वन विभाग के दरोगा कुलदीप सिंह ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिली है तलाश करेंगे।

ब्लॉक सैदनगर के अध्यक्ष बने होरीलाल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष योगेश त्यागी, प्रांतीय महामंत्री नरेश कौशिक के आदेश पर सोमवार को ब्लॉक सैदनगर अध्यक्ष पद के लिए उच्च प्राथमिक विद्यालय खौद में चुनाव हुआ। जिसमें होरी लाल राजपूत को सैदनगर का ब्लॉक अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया।

ब्लॉक सैदनगर अध्यक्ष पद के लिए उच्च प्राथमिक विद्यालय मुरसेना के सहायक अध्यापक होरीलाल राजपूत, उच्च प्राथमिक विद्यालय ढक्का हाजी नगर के सहायक अध्यापक मुख्तार अहमद ने नामांकन पत्र भरे। जिसमें मुख्तार अहमद ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया। चुनाव पर्यवेक्षक ओमप्रकाश सिंह एवं चुनाव अधिकारी जयप्रकाश के द्वारा चुनाव कराया। होरी लाल राजपूत को सैदनगर का ब्लॉक अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। जहां उनको प्रमाण पत्र प्रदान किया। ब्लॉक मंत्री के लिए मुख्तार अहमद को बनाया। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने दोनों पदाधिकारियों को मालाएं पहनाकर स्वागत किया। निर्वाचन प्रक्रिया जिलाध्यक्ष डॉ. राजवीर सिंह व जिला महामंत्री अंजुम स्नेही सक्सेना के नेतृत्व में हुई। इस मौके पर कमर इस्हाक जव्वाद, अब्दुल अलीम खान, संतोष प्रसाद, पुष्पेंद्र शर्मा, संजय, मोहम्मद रेहान, जहीर अहमद, अयूब अली, दीपक पुंडीर, बलराम मढान मेघकांत मिश्रा, प्रवेश कुमार चंचल, तेज सिंह, संजीव राणा, ह्रदेश, रमेशचंद, राजेश कुमार, आसिफ अली, मलखान सिंह, चंद्रपाल सिंह, सरदीप गौतम, नदीम अली, अखिलेश मोहन, राजेश कुमार, रूप सिंह, मोहम्मद रिजवान, इमरान खान सहित अन्य मौजूद रहे।

नए पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र देते जिलाध्यक्ष। ● अमृत विचार

● जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ का हुआ चुनाव

अमृत विचार

मुरादाबाद , मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रंजिश के चलते युवक को पीटा, रिपोर्ट

रामपुर, अमृत विचार : पटवाई थाना क्षेत्र के परतापुर निवासी विक्की का कहना है कि उसका गांव के ही रहने वाले बल्लू से पैसों को लेकर विवाद चला आ रहा है। उसी के चलते पहले भी आरोपी उसके साथ मारपीट कर चुका है। इस दौरान लोगों ने बीच बचाव करा दिया था। रविवार को फिर से आरोपी ने पीड़ित के साथ गाली-गलौज करते हुए उसको पीट दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जिलाध्यक्ष को पद से निष्कासित किया

रामपुर, अमृत विचार : भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार आजाद के आदेशानुसार भीम आर्मी मंडल प्रभारी राजेश खन्ना ने सुखबीर को जिलाध्यक्ष के पद से निष्कासित कर दिया गया है। उन पर संगठन की छवि को धूमिल करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि संगठन का जारी इनका आई कार्ड एवं नियुक्ति पत्र भी निष्क्रिय किया। इसके बावजूद भी यह संगठन का नियुक्ति लेटर एवं अपना आई कार्ड इस्तेमाल करते मिले तो उन पर कार्रवाई होगी।

रात में डीएम ने की खनन वाहनों की जांच

अजीतपुर में और जीरो प्वाइंट पर वाहनों की चेकिंग की

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

कलेक्ट्रेट में खड़े क्रेशर से जुड़े लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अवैध खनन को लेकर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की कार्रवाई जारी है। रविवार रात को लगभग 1 बजे जिलाधिकारी ने उप-खनिज का परिवहन करने वाले वाहनों की जांच की। चेकिंग के दौरान 1573 वाहनों की चेकिंग हुई और 9 वाहनों को ओवरलोडिंग के चलते सीज किया गया।

अजीतपुर स्थित चेक पॉइंट एवं जीरो पॉइंट पर वाहनों की उपलब्ध प्रपत्रों के आधार पर जांच की। उप-खनिज का परिवहन पूर्णतः विधिसम्मत पाया गया। चेकिंग के दौरान एक खाली वाहन मिला, जिसकी नंबर प्लेट आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त अवस्था में थी। वाहन को नियमानुसार पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया। चेक-प्वाइंट पर तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति एवं कर्तव्य निर्वहन की भी जांच की। जिसमें सभी अधिकारी, कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए ड्यूटी पर उपस्थित पाये। ड्यूटी पर तैनात रात्रिकालीन अधिकारियों, कर्मचारियों को स्पष्ट एवं कड़े निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि कोई भी वाहन बिना वैध प्रपत्रों के उप-खनिज का परिवहन करता हुआ मिले तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। वहीं शाहबाद उपजिलाधिकारी आशुतोष कुमार ने मिट्टी के अवैध खनन पर कार्रवाई करते हुए 15 लाख का जुर्माना लगाया है। शाहबाद तहसील क्षेत्र के गांव बिचपुरी में गाटा 621 में ब्रजलाल, 623 गाटा में नत्थू निवासी मथुरापुर श्रेणी-1 के संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है। दोनों गाटा में 3675 घनमीटर अवैध खनन पाया गया है। दोनों पर 15 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है।

अब तक 48 से अधिक डंपर को किए सीज : जिला प्रशासन ने पिछले 50 दिन में अवैध खनन, अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग के खिलाफ सघन और सख्त अभियान चलाकर खनन माफिया की कमर तोड़कर रख दी है। अब तक 49 वाहनों पर 3.21 लाख का जुर्माना लगाया जा चुका है। लगातार डीएम के आदेश पर अभियान चलाया जा रहा है ताकि वाहनों पर रोक लगाई जा सके। क्षेत्र में रात को अधिकारी गश्त कर रहे हैं।

10 लोगों के खिलाफ दर्ज हुई रिपोर्ट

अवैध खनन में संलिप्तता के आरोप में अशफाक, अफसर अली, सलीम, इकबाल, भूरा रईस, शकील सहित 10 अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। साथ ही अशफाक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जबकि अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। इस प्रकरण में लगभग 40 से अधिक सहखातेदारों और व्यक्तियों पर अर्थदंड आरोपित किए जाने की कार्रवाई की गई है।

2 स्टोन क्रेशरों को जारी किया जा चुका नोटिस

सभी तहसीलों के प्रमुख चौराहों पर स्थापित कुल 9 चेक प्वाइंटों पर व्यापक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। लगभग 1324 वाहनों की सघन जांच की है। इसके साथ ही अवैध खनन में संलिप्त 4 निजी भू-स्वामियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। 40 निजी भू-स्वामियों पर अर्थदंड लगाया जा चुका है। निर्धारित मात्रा से अधिक उपखनिज पाए जाने पर 2 स्टोन क्रेशरों के विरुद्ध नोटिस जारी कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई।

स्टोन क्रशर संचालकों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर स्टोन क्रशर एसोसिएशन से जुड़े कारोबारियों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि नियमों का पालन करते हुए उत्तराखंड और आसपास के इलाकों में खनन का कार्य करते हैं। उपखनिज की व्यावसाय से उत्तर प्रदेश सरकार को प्रतिवर्ष खनन रॉयल्टी, जीएसटी व अन्य शासकीय मदों में लगभग 100 करोड रुपये राजस्व के रूप में मिलता है। यह पूरी प्रक्रिया पूर्णत: वैधानिक व पारदर्शी है। उनका कहना है कि कुछ लोग आरोप लगाकर उनकी छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

बैठक के दौरान मौजूद शिक्षक। ● अमृत विचार

टीईटी अनिवार्यता शिक्षकों का अपमान : दिनेश विद्रोही

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रविवार को सत्य विहार कालोनी स्थित जिला संरक्षक वीर सिंह के आवास पर एससी-एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष दिनेश विद्रोही ने कहा कि 2010 के पूर्व नियुक्त बेसिक शिक्षकों पर टीईटी की बाध्यता थोपकर शिक्षकों का अपमान है। शिक्षकों से लंबे आंदोलन के तैयारी रहने की अपील की है।

जिलाध्यक्ष राम बहादुर गौतम ने कहा कि नौकरी लगने के बाद टीईटी की अनिवार्यता को थोपना उचित नहीं है। जिला संरक्षक वीर सिंह ने सरकार पर शिक्षकों को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई साल की सेवा के बाद टीईटी परीक्षा का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार अनुभवी शिक्षकों को परीक्षा के माध्यम से परखकर क्या साबित करना चाहती है। बैठक में जिला सुनील कुमार, जबर सिंह, प्रेमचंद्र, राजेश कुमार, प्रेमपाल सिंह, पम्पी, चमन सिंह गौतम, रमेश पाल सिंह, अशोक बाबू, प्रसन्न प्रकाश, अशोक कुमार, सरदीप गौतम, दिनेश कुमार, बीर सिंह, सुरेंद्र सिंह मौजूद रहे। सभी ने मिलकर टीईटी के निर्णय के विरोध में आगे की रणनीति पर विचार किया।

शासन तक पहुंचाएंगे कर्मचारियों की समस्याएं : डीएम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी को स्मृति चिन्ह देते जिलाध्यक्ष पंडित रामबाबू शर्मा। ● अमृत विचार

● राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का हुआ द्विवार्षिक अधिवेशन

अमृत विचार : राहे रजा स्थित कृषि भवन के नवीन सभागार में सोमवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश का द्विवार्षिक अधिवेशन हुआ। मुख्यातिथि जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि कर्मचारियों की सेवा-सम्बंधी समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि फोरम द्वारा उठाई जाने वाली समस्याओं को जिला प्रशासन द्वारा प्रभावी रूप से शासन स्तर तक पहुंचाया जाएगा। ताकि उनका शीघ्र एवं न्यायोचित समाधान हो सके। मुख्यातिथि ने कहा कि कर्मचारियों से जुड़े जो भी विषय अथवा मांगें होती हैं, वे सीधे तौर पर संबंधित अधिकारियों से भी जुड़ी होती हैं। जिला प्रशासन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान एवं उनके हितों की रक्षा के लिए सदैव सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों की जो भी समस्याएं हैं, वे सीधे कार्यालय में आकर बता सकते हैं। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने कहा कि कर्मचारियों के हितों के संरक्षण के लिए प्रत्येक स्तर पर समितियां गठित होती हैं। उन्होंने कहा कि सेवाकाल के दौरान अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जिनका समाधान कई बार स्थानीय स्तर पर अधिकारी कर देते हैं। कुछ समस्याएं ऐसी होती हैं, जिन्हें फोरम के माध्यम से सही ढंग से प्रस्तुत किए जाने पर उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाता है। कर्मचारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन राज्यहित में समर्पित भाव से करते हैं तथा संगठन उनकी बातों को सरकार तक पहुंचाने का कार्य करता है। इससे पहले कर्मचारियों ने अतिथियों का ढोल नगाड़ों से स्वागत किया। कार्यक्रम में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हरि किशोर त्रिपाठी, चुनाव अधिकारी नरेंद्र पाल, मंडलीय अध्यक्ष आसिफ हसन, जिलाध्यक्ष पंडित राम बाबू शर्मा, जगदीश पटेल, मनोज कुमार कम्बोज, मुराद अली खां, परवेज खां, अमित तेजान सहित परिषद के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व पीएम के जन्मदिवस पर लगेगा कृषि मेला

रामपुर, अमृत विचार : उप कृषि निदेशक राम किशन सिंह ने बताया कि 23 दिसंबर को कृषि विज्ञान केंद्र धमोरा पर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस पर किसान सम्मान दिवस का आयोजन होगा।

जिसमें जनपद में कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, गन्ना के क्षेत्र में अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने वाले प्रगतिशील कृषकों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। किसान मेले में कृषि, उद्यान, गन्ना, मत्स्य, पशुपालन, रेशम, सहकारिता, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार आदि विभागों तथा 30 स्टॉल लगवाकर कृषि की उन्नत तकनीकी की जानकारी दी जायेगी। कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों द्वारा उनके विभाग में संचालित योजनाओं एवं उनमें देय सुविधाओं तथा वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न प्रकार की फसलों के उन्नत बीजों की प्रजातियों के बारे में बताया जायेगा।

गोकशी के विरोध में विहिप का प्रदर्शन

संवाददाता, स्वार

स्वार गांव धनौरी में पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन करते विहिप और बजरंग दल के सदस्य।

● पुलिस ने मौके पर पहुंच कर की पदाधिकारियों से वार्ता

अमृत विचार : सोमवार सुबह गांव धनौरी स्थित शिव मंदिर परिसर में बजरंग दल के प्रखंड ग्रामीण अध्यक्ष के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्रित हुए। पुलिसकर्मियों पर गोकशों से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। बजरंग दल कार्यकर्ताओं के एकत्रित होने और कोतवाली कूच की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। स्थिति को संभालते हुए बजरंग दल नेताओं से वार्ता की। इस दौरान बजरंग दल नेता अर्जुन गुप्ता ने बताया कि हल्का नंबर एक क्षेत्र में लगातार गोकशी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन कोई ठोस और प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। मसवासी इंचार्ज अजय शुक्ला ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि गोकशों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी पुलिसकर्मी की संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। बजरंग दल ने एक सप्ताह के भीतर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। चेतावनी दी कि यदि गोकशी और इसमें शामिल पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन बड़े आंदोलन और अनशन के लिए बाध्य होगा। इस दौरान संजय मौर्य, रवि मौर्य, मनोज कुमार, सुभाष मौर्य, राहुल मौर्य, राजू सैनी, आकाश कुमार, विकास कुमार, अभिषेक कुमार, विजय कुमार, अजय कुमार और रविंद्र मौर्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रास डंडिया को ब्लॉक बनाने की मांग हुई तेज

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● मुख्यमंत्री को भेजे गए 200 पोस्टकार्ड

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह गंगवार ने कहा कि रास डंडिया को नया ब्लॉक घोषित कराने के लिए ग्रामीणों का संघर्ष जारी हो गया है। जिसके चलते ग्राम गदईया (निकट हरसूनगला) में दर्जनों ग्रामीणों ने एकत्रित होकर अपनी मांग के समर्थन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लगभग 200 पोस्टकार्ड भेजकर अपनी आवाज बुलंद की।

कहा कि हर न्याय पंचायत में अभियान क्षेत्रीय विकास की लड़ाई को निर्णायक मोड़ पर ले जाने के लिए अभियान को चला या जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार यह कार्य केवल एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी न्याय पंचायतों में सक्रिय रूप से चल रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि रास डंडिया को ब्लॉक का दर्जा मिलने से क्षेत्र में विकास कार्यों की गति बढ़ेगी। संघर्ष में जुड़ने की आंदोलनकारियों ने अपील की। इस संघर्ष का परिणाम अवश्य निकलेगा। जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती, यह लोकतांत्रिक आंदोलन जारी रहेगा। क्षेत्रीय ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में इस अभियान को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। अभियान में सुनील मौर्य, अंतरिक्ष गंगवार, नरेंद्र गंगवार, फूल सिंह गंगवार, वीरेंद्र गंगवार, नीरज कुमार, फरीद खान, बाबर खां, अब्दुल रज्जाक खान, फूल सिंह गंगवार, विजयपाल कश्यप, अनिल बघेल, शाहिद खां, विनोद कुमार समेत अन्य किसान मौजूद रहे।

उपचार के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत

संवाददाता, मसवासी

अस्पताल में लोगों से पूछताछ करता कर्मचारी ● अमृत विचार

● नोडल अधिकारी ने नर्सिंग होम पर की कार्रवाई

अमृत विचार : नगर के नर्सिंग होम पर सही इलाज न मिलने के कारण जच्चा व बच्चे की मौत की मौत का मामला सामने आया है। प्रसव के दौरान बच्चे की मौत के बाद गंभीर हालत में जच्चा को काशीपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। सूचना पर स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी ने नर्सिंग होम पर छापेमार करवाई कर ओपीडी को सील किया है। कारण बताओ नोटिस अस्पताल पर चस्पा किया है।

नगर के मोहल्ला वार्ड 13 तेलीपुरा निवासी ग्रामीण की पत्नी को नगर के खुशहालपुर मार्ग स्थित नर्सिंग होम पर 4 दिन पहले प्रसव कराया गया था। बच्चों की हालत पैदा होते ही खराब हो गई थी। उसी दिन उसकी अस्पताल में ही मौत हो गई थी। जच्चा की हालत दो दिन तक अस्पताल में मरणासन्न रही। जच्चा को परिवार के साथ अस्पताल संचालक काशीपुर के निजी अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराकर आया था। रविवार देर शाम जच्चा ने भी हालत गंभीर होने पर उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जिससे परिवार में कोहराम मच गया है।

उधर, नोडल अधिकारी डॉ. देवेश कुमार चौधरी ने सूचना पर अस्पताल पर छापेमार कार्रवाई की। ओपीडी को सील कर अस्पताल पर नोटिस चस्पा किया है। सूचना पाकर अस्पताल संचालक छापेमार कार्रवाई से पूर्व भी फरार हो गया। नोडल अधिकारी देवेश कुमार चौधरी ने बताया की मेडिकल दस्तावेज तलब किए गए हैं, न मिलने पर अस्पताल संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा : कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

गांधी समाधि पर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सोमवार को कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार पर जनविरोधी नीतियों का आरोप लगाते हुए गांधी समाधि पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष निक्कू पंडित ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा को समाप्त करने तथा उससे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाने के षड्यंत्र के विरोध में प्रदर्शन किया है।

उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। कांग्रेसी गांधी समाधि पर एकत्रित हुए और गांधी समाधि पर पुष्प अर्पित करने के बाद प्रदर्शन किया। पूर्व विधायक संजय कपूर ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के गरीब, मजदूर और किसान के सम्मान व अधिकार का कानून है। भाजपा सरकार इसे खत्म कर संविधान की आत्मा पर हमला कर रही है। गांधी जी का नाम हटाना उनकी विचारधारा और गरीबों के प्रति प्रतिबद्धता को मिटाने की साजिश है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों से उनका कानूनी हक छीनना चाहती है। मनरेगा ने काम मांगने के अधिकार को कानून बनाया था, लेकिन मोदी सरकार इस अधिकार को खत्म कर मजदूरों के पेट पर सीधी चोट कर रही है। मनरेगा का नाम बदलकर 'वीजी जी राम जी जैसे बेतुके शब्द गढ़ना न केवल हास्यास्पद है। बल्कि यह भाजपा की संकीर्ण और गांधी-विरोधी सोच को उजागर करता है। इस दौरान साहिर रजा खां, ताहिर अंजुम, शारिब अली खां, नोमान मुमताज खां, राजेश कुमार लोधी, आरिफ अल्वी, यासिर शाह खां, चितरंजन प्रसाद, कपिल, दुर्गेश मौर्य, जीवेंद्र, अबरार गुड्डू, रंजीत सिंह राजा, गुरबाज सिंह, निजाम, जकी, शहजाद, वारिस मियां, भूरा खां, मोईन पठान आदि शामिल रहे।

बांग्लादेश के खिलाफ की नारेबाजी

संवाददाता, मिलक

अमृत विचार : बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचारों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा बांग्लादेश का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने नगर स्थित रेलवे स्टेशन पर पुतला तैयार किया और नगर के तीन बत्ती चौराहा पर लाकर दहन किया गया।

जिलाध्यक्ष आदेश शंखधार ने कहा कि एक ओर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर आने पर भारत में सम्मान शरण दी जाती है तो वहीं बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं का खुलेआम कत्लेआम किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के कोई ठोस कदम उठाए जाएं। इस मौके पर प्रवीण गौड़, पुष्पेंद्र गंगवार, सर्वराज यादव, सत्यवीर सिंह, कृष्ण मुरारी शर्मा, मुकेश चंद्रा, विशाल दुबे, शिवम लोधी, विजय पाल लोधी, अनुज मौर्य, जगदीश, कन्हई लाल, हरिओम, राज बहादुर रहे।

बांग्लादेश का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन करते हिन्दू संगठन के लोग।

न्यूज डायरी

खाद्य विभाग की टीम ने लिए नमूने

रामपुर, अमृत विचार : मिलावट पर प्रभावी रोकथाम के लिए अभिहित अधिकारी सुनील कुमार शर्मा द्वारा विशेष अभियान चलाया। स्वार स्थित एचटी केक बेकर्स के मोहम्मद हुसैन के यहां से केक का 1 नमूना लिया। दोनों केक निर्माण इकाइयों में खराब स्थिति में पाई गई। टांडा स्थित जयपाल की बेकरी केक निर्माण इकाई से केक का 1 नमूना लिया। 2 किग्रा. दूषित केक और अन्य पदार्थों को नष्ट कराया। स्वार स्थित एचटी केक बेकर्स के मोहम्मद हुसैन पुत्र अतीक से केक का 1 नमूना लिया। खाद्य पदार्थ केक के कुल 2 विधिक नमूना संग्रहित करके जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद मिलावट की प्रकृति के अनुरूप सुसंगत धाराओं में वाद योजित किया जाएगा। सचल दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार, धर्मपाल सिंह, राहुल शुक्ला, अजरा बी मोहम्मद उपस्थित रहे।

दुष्कर्म मामले में दोषी को सात साल की कैद, जुर्माना

रामपुर, अमृत विचार : किशोरी से दुष्कर्म में दोषी को एडीजे आठ की कोर्ट ने सात वर्ष की सजा और 10 हजार का जुर्माना लगाया है। गंज थाना क्षेत्र के गांव निवासी एक ग्रामीण का कहना है कि 4 सितंबर 2023 को मोहल्ला घेर इनायत खां निवासी आरोपी गुड्डू ठाकुर उसकी बेटी का अपहरण करके ले गया था। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। विवेचना के बाद चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। जिसमें सोमवार को कोर्ट ने दोषी को सात वर्ष की सजा और 10 हजार का जुर्माना लगाया है।

थाना प्रभारी को दिया जाएगा ज्ञापन

रामपुर, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला मीडिया प्रभारी अब्दुल रज्जाक खान के नेतृत्व सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता नैनीताल रोड बिलासपुर गेट स्थित जिला कार्यालय पर एकत्रित हो किसान दिवस पर किसान हितों के प्रबल समर्थक पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि दी जाएगी। उसके बाद किसानों की मुख्य समस्याओं को लेकर जिला कार्यालय पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संबोधित ज्ञापन थाना गंज प्रभारी पवन कुमार शर्मा को सौंपा जाएगा।

ढकिया में हार्ट अटैक से महिला की मौत

ढकिया, अमृत विचार : कस्बा ढकिया में सोमवार तड़के हार्ट अटैक से 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। कस्बा ढकिया निवासी भगवान स्वरूप गुप्ता की 45वर्षीय पत्नि पुष्पा देवी रविवार रात में करीब दस बजे खाना खाने के बाद सो गई। बताया जाता है कि आधी रात के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। लेकिन जब परिजनों को हालत बिगड़ने का पता लगा तो वे आनन फानन में लेकर निजी चिकित्सक के पास पहुंचे, निजी चिकित्सक ने देखते ही उनकी हार्ट अटैक से मौत हो जाने की जानकारी परिजनों को दी। महिला की अचानक मौत होते ही घर में चीख पुकार मच गई। मृतक महिला अपने पीछे चार नाबालिग बच्चे छोड़ गई है।

डीएम ने दो दिव्यांगों को दी ट्राईसाइकिल

रामपुर, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में नियमित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने दिव्यांग जन कल्याण योजनाओं के तहत 2 दिव्यांग लाभार्थियों को ट्राईसाइकिल प्रदान की। जिलाधिकारी ने तहसील मिलक के गांव ग्राम स्वारी निवासी प्रदीप कुमार और तहसील टांडा के ग्राम मंडवा हसनपुर निवासी मनोज कुमार को ट्राईसाइकिल वितरित की। बिलासपुर के गांव महतोश निवासी बब्लू को शीतऋतु से बचाव के लिए कंबल भी प्रदान किया।

शांति एवं सौहार्द के लिए हुआ यज्ञ

रामपुर, अमृत विचार : अमेरिका स्थित आनंद उत्सव मंदिर और अमेरिकन हिंदू एसोसिएशन के सचिव बाबा आनंद जी और मधु माता जी की अगुवाई में चल रही सनातन संपर्क यात्रा सोमवार को साईं विहार कालोनी के सांई मंदिर में पहुंची। यात्रा 2 अक्टूबर से प्रयागराज से प्रारम्भ होकर कासगंज, बदायूं, बरेली होते हुए 62 वें जिले रामपुर में पहुंची। धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला में रामपुर में सोमवार को 88वां यज्ञ हुआ। यज्ञ के पश्चात बाबा आनंद जी ने यज्ञ में सम्मिलित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस सनातन संपर्क यात्रा का उद्देश्य आत्म चिंतन करते हुए सभी को अपनी भारतीय संस्कृति की जड़ों से पुन: जोड़ना है। इस अवसर पर कवि राम किशोर वर्मा, संयोजक जितेन्द्र कमल आनंद, कमल दीप जौहरी, अरुण सक्सेना, अलका सक्सेना, शोभा भटनागर, अमन, नमन और किरन आदि उपस्थित रहे।

बंदरों व छुट्टा पशुओं से छुटकारा दिलाने की मांग

अमरोहा, अमृम विचार : सैदनगली क्षेत्र में बंदरों और आवारा पशुओं की समस्या बढ़ती जा रही है। परेशान निवासियों ने अधिशासी अधिकारी और अध्यक्षा को शिकायती पत्र देकर तत्काल इन समस्याओं से निजात दिलाने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बंदरों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि रोजाना कोई न कोई बच्चा या व्यक्ति उनके हमले का शिकार हो रहा है।बच्चों का स्कूल जाना तक जोखिम भरा हो गया है। कई परिवारों में दहशत का माहौल है, क्योंकि बंदर घरों में घुसकर सामान बिखेर देते हैं और लोगों पर अचानक हमला कर देते हैं। इसी तरह आवारा पशुओं ने किसानों की मुसीबत बढ़ा दी है। कड़ाके की सर्दी में किसान रात-रात भर खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं, क्योंकि ये पशु फसलों को चरकर बर्बाद कर देते हैं। सड़कों और गांवों में घूमते ये मवेशी न केवल फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा रहे है।

चंद्रशेखर ने सरकार पर साधा निशाना

मनरेगा को लेकर कहा- नाम बदलने से हालात नहीं बदलते, एसआईआर पर भी बोले

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

सभा में मौजूद सांसद चंद्रशेखर व पार्टी पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना सांसद चंद्र शेखर आजाद रावण ने एक सभा में भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने मनरेगा योजना का नाम बदलने पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि नाम बदलने से हालात नहीं बदलते। पहले केंद्र सरकार इस योजना पर 90 प्रतिशत धन देती थी अब कह रहे हैं कि 60 परसेंट देंगे। उन्होंने कहा कि 2027 चुनाव में गठबंधन के साथ लड़ेंगे या अकेले, ये पार्टी फैसला करेगी।

सोमवार को क्षेत्र के गांव जलालपुर धना में नगीना सांसद चंद्र शेखर आजाद रावण एक शोक सभा में पहुंचे। उससे पहले रजबपुर और अमरोहा जोया रोड पर कचहरी परिसर के पास वकीलों ने स्वागत किया। सभा में सांसद चंद्र शेखर आजाद ने मनरेगा योजना का नाम बदलने पर भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि नाम बदलने से हालात नहीं बदलते। उत्तर प्रदेश सरकार

● **बोले- 2027 चुनाव गठबंधन के साथ लड़ेंगे या अकेले,पार्टी फैसला करेगी**

पर पहले से 8 लाख करोड़ का कर्ज है। कितनी योजनाएं बंद पड़ी हैं क्या सरकार इस योजना पर पैसा दे पाएगी। बिहार में एक महिला डाक्टर का नकाब हटाए जाने पर कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में और संविधान में व्यक्ति की गरिमा और उसके सम्मान की रक्षा होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने जाने अनजाने में या उम्र के पड़ाव पर यह कृत्य किया है यह कानूनी रूप से तो अपराध की जद में आता है। मुख्यमंत्री खुद ही इस घटना के लिए उस बिटिया से माफी मांगे।

एसआईआर मामले पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि अभी चुनाव आयोग ने अपनी रिपोर्ट भी नहीं सौंपी तो मुख्यमंत्री को कैसे पता चल गया कि चार करोड़ वोट काटे गए हैं। उसमें 80, 85 परसेंट वोट भाजपा के हैं तो क्या स्टेट इलेक्शन कमीशन भाजपा को रिपोर्ट करता है। यह तो सीधा सीधा इलेक्शन कमीशन और भाजपा की मिलीभगत को प्रदर्शित करता है। 2027 के चुनाव पर उन्होंने बोलते हुए कहा कि वह पार्टी का फैसला है। किसी के साथ गठबंधन करें या चुनाव लड़े वह पार्टी के कार्यकर्ता हैं इसलिए जो भी पार्टी का फैसला होगा इस के साथ चुनाव लड़ा जाएगा।

पिकअप एवं कार की भिड़ंत, दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त

हसनपुर, अमृत विचार : कोहरे के कारण नगर में दो गाड़ियों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत होने से दोनों गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत यह रही की कोई भी सवार घायल नहीं हुआ,।

सोमवार को संभल निवासी मोहम्मद मोइन पुत्र असगर हुसैन अपनी स्विफ्ट कार से दिल्ली को जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी नगर के ब्लॉक तिराहे के निकट पहुंची तो गजरौला दिशा की ओर से आ रही पिकअप गाड़ी से आमने-सामने की कोहरे के चलते भिड़ंत हो गई। पिकअप चालक मेरठ निवासी शानू पुत्र अब्दुल वाजिद गाड़ी से संभल जा रहे थे। उनका कहना है कि ओवरटेक करने के कारण कार चालक ने टक्कर मारी है। वही कार चालक मोहम्मद मोईन का आरोप है कि पिकअप की गति तेज थी जिसके कारण यह हादसा हुआ है। हालांकि इस मामले को लेकर पुलिस को हादसे की सूचना नहीं दी गई है। वहीं दोनों गाड़ी चालकों के बीच समझौते की बात चल रही है। फिल्हाल मामले में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है।

ई-रिक्शा चालक के साथ मारपीट, लूटपाट का आरोप

ई रिक्शा चालक को बेल्ट से पीटते युवक। ● अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : गाली-गलौज का विरोध करने पर दबंगों ने एक ई-रिक्शा चालक को बेरहमी से पीट दिया। आरोप है कि हमलावरों ने न केवल बेल्टों से युवक की पिटाई की बल्कि उसकी जेब में रखी नकदी भी छीन ली। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी।

नगर के मोहल्ला शिवाला मंदिर निवासी उमेश पुत्र अर्जुन सोमवार को रिक्शा से श्रीमती सुखदेवी इंटर कॉलेज के निकट से गुजर रहा था। तभी किसी बात को लेकर स्कूटी सवार युवक से उसका विवाद हो गया। युवक गाली-गलौज करने लगा। विरोध किया, तो ई-रिक्शा चालक को करीब 100 मीटर खींच ले गया। वहां आरोपियों ने ई-रिक्शा चालक की बेल्टों से बुरी तरह पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान उसकी जेब में रखे लगभग 4-5 हजार रुपये भी आरोपियों ने निकाल लिए। जब तक लोग मौके पर पहुंचे, आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। । वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि ई रिक्शा चालक सरिया निकालकर मारने के लिए दौड़ा जिससे बच्ची डर गई थी। इसी बात को लेकर कहासुनी के बाद मारपीट हुई है। कोतवाली प्रभारी प्रेमपाल सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

आय स्रोत से आत्मनिर्भर बनें ग्राम पंचायतें

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

बैठक में निर्देश देतीं डीएम निधि गुप्ता। ● अमृत विचार

● **डीमए ने ली जिला स्वच्छता समिति की बैठक**

अमृत विचार : डीएम निधि गुप्ता ने जिला स्वच्छता समिति एवं जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को और अधिक प्रभावशाली, पारदर्शी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के लिए बहुपक्षीय बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ओएसआर से विभिन्न स्रोतों से अर्जित आय की समीक्षा, आरआरसी क्रियाशीलता की समीक्षा, रेट्रोफिटिंग कार्य की समीक्षा, सिंगल यूज प्लास्टिक का उचित निस्तारण, चिन्हित ओ०डी०एफ० प्लस मॉडल ग्रामों की समीक्षा, सामुदायिक शौचालय प्रयोग किये जाने की स्थिति की समीक्षा की।

डीएम ने गंगा तिगरी मेले में बेहतर कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों, पंचायत सचिवों एवं एडीओ पंचायत को प्रशस्ति पत्र देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। निर्देश दिये कि समस्त ग्राम पंचायतें स्वयं की आय के और स्रोतों को चिन्हित कर आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने घर घर से कूड़ा एकत्रीकरण का कार्य नियमित रूप से करने के निर्देश दिए। विभिन्न ग्राम पंचायतों में ओएसआर से अर्जित आय के सही आंकड़े एक सप्ताह में उपलब्ध कराने के निर्देश डीपीआरओ को दिए। कहा कि पंचायतों में बनी लाइब्रेरी का संचालन बेहतर तरीके से किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरेंद्र सिंह ढिल्लों, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान पर तीन हजार रुपए हड़पने का आरोप

हसनपुर, अमृत विचार : महिला लाभार्थी ने ग्राम प्रधान पर शौचालय की पहली किस्त में से आधे पैसे हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है।

आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव चचौरा निवासी चन्द्रमुखी पत्नी चन्द्रभान ने उच्चाधिकारियों को भेजे शिकायती पत्र में बताया कि सरकार ने उनके नाम से शौचालय स्वीकृत हुआ था। कुछ समय पूर्व उनके बैंक खाते में पहली किस्त के रूप में 6,000 रुपये आए थे। पीड़िता का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने जबरन 3,000 रुपये ले लिए। पीड़िता का कहना है कि प्रधान ने उसे डराया कि यदि वह 3,000 रुपये नहीं देगी, तो उसकी दूसरी किस्त 6,000 रुपये रोक दी जाएगी और आगे कोई पैसा नहीं मिलेगा। इसके बावजूद अभी तक शौचालय की दूसरी किस्त नहीं आई है।

मनरेगा को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

गांधी मूर्ति पर धरना देते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

● **मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना दुर्भाग्यपूर्ण : कटारिया**

अमृत विचार : कांग्रेस पदाधिकारियों ने भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा को निरस्त किये जाने के मामले में शहर के गांधी मूर्ति पर धरना देकर प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

सोमवार को कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांधी मूर्ति चौराहे पर पहुंचे। गांधी की तस्वीर हाथ में लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। जिला अध्यक्ष ओमकार कटारिया ने कहा केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा को निरस्त कर नया कानून बनाया है। यह चिंताजनक और सुनियोजित साजिश है। भारत के सबसे पहचाने जाने वाले कल्याणकारी कानून से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम और मूल्यों को मिटाने की राजनीतिक चाल है। मनरेगा में ग्रामीणों को 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी । महिलाओं और भूमिहीन लोगों को सशक्त बनाया और लागू करने योग्य अधिकारों के माध्यम से श्रम की गरिमा को बनाए रखा। सरकार ग्रामीण क्षेत्र के मजदूर भाइयों को काम के वैधानिक अधिकार से वंचित करना चाहती है। निवर्तमान प्रदेश सचिव चौधरी सुखराज सिंह, जिला उपाध्यक्ष सचिन चौहान,पूर्व शहर अध्यक्ष फैज आलम राईनी हाजी खुर्शीद अनवर, राजकुमार अरुण मयंक कुमार गुर्जर , मनोज कटारिया, हरिओम पुष्कर, शाहबुद्दीन, अली हसन आदि मौजूद रहे।

तालाब बन गई सड़क ग्रामीण उठा रहे परेशानी

संवाददाता, हसनपुर

● **नाला निर्माण न होने की वजह से भरा रहता है पानी**

सड़क पर जल भराव।

अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के गांव के मेन रास्ते पर एक साल से जलभराव है। नाला निर्माण न होने की वजह से गांव के मेन रास्ते पर गांव का गंदा पानी भरा हुआ है। ग्रामीणों ने जल्द ही समस्या के समाधान की गुहार लगाई है।

क्षेत्र के गांव डगरौली (बोना वाली) का मुख्य मार्ग पर पिछले एक वर्ष से जलभराव है। राहगीर, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए रोजाना मुश्किलें पैदा कर रहा है। बरसात में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। ग्रामीण चन्द्रपाल सिंह, जबरसिंह, दुष्यन्त, विकास, कैलाश, पीतम, मंगला और जयपाल का कहना है कि उन्होंने कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। हताश होकर उन्होंने जलभराव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव और गंदगी से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और बीमारियों का खतरा है। खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सक्सेना ने बताया कि मामला संज्ञान में है और जल्द मुआयना कर समस्या का समाधान कराया जाएगा।

कार सवार युवकों ने युवक को पीटा

गजरौला, अमृत विचार : दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर लगे जाम में कार आगे निकालने को लेकर हुए विवाद के बीच एक कार सवार युवकों ने दूसरी कार में सवार युवक को पीट दिया। मामले में अज्ञात युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के करीमपुर गांव निवासी मोहित यादव रविवार को कार से मुरादाबाद से गाजियाबाद जा रहा था। नेशनल हाईवे पर बृजघाट पुलिस चौकी के पास मोहित की कार जाम में फंस गई। जाम में फंसी दूसरी कार में सवार तीन युवकों का मोहित से कार आगे निकालने को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर मारपीट शुरू हो गई। हाईवे पर अफरातफरी मच गई। इसी बीच जाम खुल गया। आरोप है कि कार सवार तीन युवकों ने मोहित को मारपीट कर घायल कर दिया और फरार हो गए। घायल को अस्पताल ले जाया गया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि कार नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एआईएमआईएम की समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

जिला प्रभारी का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : नगर में एआईएमआईएम की एक समीक्षा बैठक में जिला प्रभारी ने कहा कि आगामी पंचायत एवं विधानसभा चुनाव में पार्टी बड़ी ताकत बनकर उभरेगी।

सोमवार को नगर के मोहल्ला लाल बाग में एआईएमआईएम की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मुरादाबाद से आए जिला प्रभारी साजिद सैफी का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिला प्रभारी ने पार्टी की नीतियों को विस्तार पूर्वक बताया गया और आगामी पंचायत एवं विधानसभा के चुनाव की तैयारी में जुट जाने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी संसद में विकास के मुद्दे उठाते रहते हैं और देश में विकास, मुसलमान, हिंदू एवं दबे कुचले दलितो की बात करते हैं। बैठक में बाबा फरीद, मारूफ अंसारी, आरिफ, हाजी शहजाद, सादिक अंसारी, आसिम अंसारी, निजाम नश्तर, मोबीन खान, मेहताब शेख, टीपी सिंह आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

स्वामी हीरानंद जी की पुण्य तिथि पर निकाली प्रभातफेरी

मंडी धनौरा, अमृत विचार : आनंद धाम आश्रम के संस्थापक स्वामी हीरानंद जी की पुण्य तिथि मनाई गई। साधू संतों ने प्रभातफेरी शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली। भंडारे का भी आयोजन किया। सोमवार को नगर के मुहल्ला हीरानगर स्थित आनंद धाम आश्रम में स्वामी हीरानंद की पुण्य तिथि पर संत समाज के लोगों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। इसका शुभारम्भ आश्रम से हुआ जो कंचन बाजार, हरदेव बाजार, अग्रसेन बाजार, गढ़ी मंदिर धर्मशाला, कटरा, पुराना स्टेट बैंक चौराहा, सोसाइटी, नुक्कड़ शिव मंदिर, गुरुद्वारा रोड, बाइपास मार्ग को होती हुई आश्रम पर जाकर समाप्त हुई। प्रभात फेरी में संत समाज के लोग भजन कीर्तन करते हुए चल रहे थे। समापन पर आरती कर प्रसाद का वितरण किया गया। भंडारे में श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया व धर्म लाभ उठाया। गितेश अग्रवाल,मनू अग्रवाल, पिंटू रूहेला, अर्जुन सैनी, आनंद शर्मा, कपिल कुमार,विकास शर्मा, टीकाराम सैनी, विनीत अग्रवाल व अनूप अग्रवाल सहित काफी संख्या में संत मौजूद रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर में गणित मेला का आयोजन

सैदनगली, अमृत विचार : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सोमवार को गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 138वीं जयंती गणित दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में गणित मेला, प्रदर्शनी और विभिन्न प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। राजवीर सिंह ने रामानुजन के जीवन संघर्ष और उनके असाधारण गणितीय सूत्रों के बारे में विस्तार से बताया। प्रधानाचार्य दिवाकर पाण्डेय ने छात्रों को रामानुजन की कुशाग्र बुद्धि से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में किशोर वर्ग ने प्रथम, तरुण वर्ग ने द्वितीय और बाल वर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गणितीय कविता में कक्षा 10 की छात्रा प्रेरणा ने प्रथम स्थान पाया। थाना अध्यक्ष सैदनगली विकास सहरावत ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर उत्साहवर्धन किया। पहेली प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। मुख्य अतिथि गणित प्रवक्ता आशीष कौशल आदि मौजूद रहे।

मालवीय और अटल जयंती मनाएगी ब्राह्मण सभा

अमरोहा, अमृत विचार : ब्राह्मण सभा की बैठक में 25 दिसंबर को नगर के मोहल्ला कोट में मदन मोहन मालवीय एवं अटल बिहारी वाजपेई की जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। सोमवार को ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष पं0 पवन कौशिक के आवास पर हुई बैठक में जयंती मनाने हेतु चर्चा की गई। पं0 पवन कौशिक एवं महामंत्री पं. मनु शर्मा एडवोकेट ने कहा कि दोनों ही ब्राह्मण समाज के गौरवशाली व्यक्तित्व एवं कृतित्व वाली महान विभूतियां हैं। जिनके महान और उत्कृष्ट कार्यो का अनुसरण करने की आवश्यकता है। उन्होंने ब्राह्मण समाज के सभी बंधुओं का आवाह्न किया कि वह ऐसे महान व्यक्तित्व वाले लोगों की जयंती कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें।पं0 वामदेव नौटियाल,पं0 सुशील शर्मा, पं0 राकेश शर्मा, पं0 विकास व्यास, पं0 सुभाष शर्मा, पं0 वरुण त्रिवेदी, पं0 उत्कर्ष कौशिक, पं0 जयप्रकाश शर्मा, पं0 स्वीकृत शर्मा आदि ब्राह्मण बंधु उपस्थित रहे।

सेंट जॉन्स स्कूल में बच्चों ने मनाया क्रिसमस

हसनपुर, अमृत विचार : नगर में स्थित सेंट जॉन्स स्कूल में सोमवार की सुबह प्रभु यीशु मसीह के जन्मोत्सव का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में रेव्ह सुशील मसीह ने अपने संबोधन में प्रभु यीशु के शांति, प्रेम और भाईचारे के संदेश दे क्रिसमस के वास्तविक आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डेबरा मसीह, डैन मसीह, राखी मसीह और शैनन मसीह ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। छात्र छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रधानाचार्य महकार सिंह ,मुस्कान, ज्योति, सीमा, शिखा और मंजू सहित समस्त स्कूल स्टाफ और शिक्षक उपस्थित रहे।

सर्दी से बचाव के लिए छात्र छात्राओं दिए स्वेटर

हसनपुर, अमृत विचार : सोमवार को अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ द्वारा विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में छात्र छात्राओं को ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से स्वेटरों का वितरण किया गया।

अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह, महामंत्री विनोद कुमार गौतम ने छात्र छात्राओं के हित में इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही गई।कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह, वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह,ग्राम प्रधान राजकुमार,अमित कुमार, जयवीर सिंह,राशिद अली आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक सोमवार अग्रसेन चौक पर होगी आरती

संवाददाता, हसनपुर

अग्रवाल सभा की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● **अग्रवाल सभा की मासिक बैठक में प्रस्तुत किया आय- व्यय का ब्यौरा**

अमृत विचार : अग्रवाल सभा की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वप्रथम अध्यक्ष उमेश अग्रवाल ने अग्रसेन जयंती के आय एवं व्यय का व्योरा पेश किया गया।

बैठक का आरंभ सभा के संस्थापक अध्यक्ष डॉ शिवचरन अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों ने महाराजा अग्रसेन के चित्र के सम्मुख दीप प्रचलित कर किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया प्रत्येक सोमवार को महाराजा अग्रसेन चौक पर महाराज की आरती की जाएगी। यह भी निर्णय लिया गया कि अग्रवाल धाम के लिए नगर से एक बस लगाई जाएगी। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष उमेश अग्रवाल द्वारा की गई तथा संचालन महामंत्री मुकेश गोयल द्वारा किया गया। बैठक में कालू उर्फ राकेश बंसल, कृष्ण अवतार अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, मनोज गोयल, मयंक अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, अक्षी अग्रवाल, मधुर अग्रवाल, पराग अग्रवाल,आशुतोष अग्रवाल,विनय अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, तरुण अग्रवाल,अमन अग्रवाल, शरद अग्रवाल,प्रशांत अग्रवाल, राजेश अग्रवाल आदि रहे।

संभल में 23,24 को सभी स्कूल-कॉलेज रहेंगे बंद

संभल,अमृत विचार: शीतलहर और घने कोहरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने आदेश जारी करते हुए नर्सरी से कक्षा 12 तक संचालित सभी बोर्ड के स्कूलों और कॉलेजों में 23 व 24 दिसंबर को दो दिन का शीत अवकाश घोषित किया है। हालांकि परीक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित होंगी।

डीएम ने आदेश में कहा है कि बीते आठ दिनों से जनपद में अत्यधिक कोहरा और शीतलहर का प्रकोप बना हुआ है। बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अवकाश के दौरान स्कूल या कॉलेज के खुलने की शिकायत मिलती है तो संबंधित संस्थान के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अमृत विचार

मुरादाबाद , मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

चलते ट्रैक्टर के दो हिस्से होने से मजदूर की मौत

संभल/मनोटा, अमृत विचार: थाना ऐंचोड़ा कंबोह क्षेत्र के गांव भटपुरा निवासी 28 वर्षीय मित्रपाल पुत्र नन्हू सिंह की सोमवार को चलते ट्रैक्टर के दो हिस्से होने से मौत हो गई।

मित्रपाल सोमवार को अन्य मजदूरों के साथ लेंटर मशीन से सैदनगली में लेंटर डालने के बाद ट्रैक्टर से वापस अपने घर लौट रहे थे। ऐंचोड़ा कंबोह थाना क्षेत्र में थाने के निकट ट्रैक्टर के दो हिस्से हो गए। हादसे में ट्रैक्टर पर सवार चालक कपिल, उसके पास बैठे चंदन और मित्रपाल घायल हो गए। इस दौरान मित्रपाल सड़क पर सिर के बल गिर पड़ा और ट्रैक्टर के नीचे दब गया। घायलों को उपचार के लिए सैदनगली के एक निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया, जहां मित्रपाल की मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया। मित्रपाल पांच भाई-बहनों में चौथे नंबर का था।

मृतक मित्रपाल।

प्रेमी के साथ की पति की हत्या, मशीन से किये थे लाश के टुकड़े

खुलासा : राहुल ने अपनी पत्नी रूबी को उसके प्रेमी गौरव के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया था, बदनामी के डर से दोनों ने कर दी हत्या

कार्यालय संवाददाता, संभल

- इलेक्ट्रिक ग्राइंडर मशीन से शव के टुकड़े कर दिए थे
- सिर व पैर बैग में रखकर राजघाट गंगा में फेंक दिया

चंदौसी कोतवाली में पुलिस गिरफ्त में रूबी व उसका प्रेमी गौरव। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जूता कारोबारी राहुल की हत्या का राज खोलकर पुलिस ने पति की हत्यारी पत्नी व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। राहुल ने पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखा तो पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर हथौड़े के वार से राहुल की हत्या करने के बाद इलेक्ट्रिक ग्राइंडर कटर से शव के टुकड़े कर दो बैग में भर लिए। सिर व पैर राजघाट गंगा में फेंक दिये थे जबकि धड़ को चंदौसी के नाले में फेंक दिया था।

मूलरूप से कस्बा गंवा थाना रजपुरा का रहने वाला राहुल कई साल से पत्नी रूबी के साथ चंदौसी के मोहल्ला चुन्नी में रहता था। राहुल 18 नवंबर को लापता हुआ तो रूबी ने 24 नवंबर को गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतवाली चंदौसी में दर्ज कराई थी। 15 दिसंबर को चंदौसी कोतवाली क्षेत्र के पतरौआ रोड स्थित ईदगाह के पास नाले में एक क्षत-विक्षत शव मिला जिसके सिर व पैर गायब थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम के साथ ही शव का डीएनए सुरक्षित कर फॉरेंसिक स्तर पर शव का परीक्षण किया तो हाथ पर राहुल नाम लिखा नजर आया। पुलिस ने राहुल नाम के लापता लोगों की फाइलें खंगालीं तो पता चला कि रूबी ने भी राहुल नाम के अपने पति की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने रूबी को शव के फोटो व कपड़े दिखाए तो उसने पहचानने से इंकार कर दिया। इस दौरान रूबी के चेहरे पर घबराहट देखकर पुलिस को संदेह हुआ।

पड़ताल की गई तो पता चला कि राहुल का मोबाइल भी उसी दिन से बंद था जिस दिन से वह लापता हुआ था। रूबी का मोबाइल लेकर पुलिस ने खंगाला तो राहुल का उन्हीं कपड़ों में फोटो भी मिल गया जो कपड़े शव पर थे।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि शक होने पर पुलिस ने रूबी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो राहुल की हत्या का सच सामने आ गया। रूबी ने बताया कि उसके मोहल्ले के ही गौरव के साथ संबंध थे। 18 नवंबर की रात को राहुल ने उसे गौरव के साथ अवैध संबंध बनाते पकड़ लिया था। इसके बाद राहुल ने हंगामा किया तो उसने प्रेमी गौरव के साथ मिलकर राहुल की हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पति की हत्यारी रूबी व उसके प्रेमी गौरव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जेल जाते समय बहन व भांजे को देखकर रोता आरोपी गौरव। ● अमृत विचार

रूबी ने मारा लोहे का मूसल, गौरव ने रॉड

राहुल की हत्या कैसे की गई, इस सवाल का जब रूबी ने जवाब दिया तो सुनने वाले पुलिसकर्मी भी यह सोचने पर मजबूर हो गये कि क्या कोई पत्नी इतनी बेरहम हो सकती है। रूबी ने बताया कि राहुल ने जब उसे प्रेमी गौरव की बांहों में देखा तो वह आपा खो बैठा। वह दोनों पर झपट पड़ा और मारपीट करने लगा। कहा कि पूरे मोहल्ले में तेरी बदनामी करूंगा और नंगा करके घर से निकालूंगा। पति के तेवर देखने के बाद उसने गौरव से कहा कि यह दोनों की बदनामी करेगा इसका खात्मा कर दो। इसके बाद राहुल को घेर लिया। गौरव ने लोहे की राड से वार किया जबकि उसने जूता ठोकने वाले लोहे के मूसल से राहुल के सिर पर तेज वार किया तो राहुल निढ़ाल होकर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई।

मकान पर लगा ताला। ● अमृत विचार

खून से सने कपड़े जला दिए, छिपा दिया ग्राइंडर

रूबी और गौरव ने बताया कि लाश वाला बैग नाले में फेंकने के बाद राहुल के लोअर के साथ ही खुद के खून से सने कपड़े मोहल्ले के पीछे आलम के घर के सामने सुनसान जगह पर जला दिए। ग्राइंडर मशीन को भी पास में झाड़ियो में छुपा दिया था। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि ग्राइंडर को बरामद कर लिया गया है। सभी जगह से सबूत इकट्ठे किए गए हैं। इन दोनों ने प्रॉपर रेकी करने के बाद शव को फेंका है। जहां पर कोई भी सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा हुआ है।

यह सामान किया बरामद

- हत्या में इस्तेमाल लोहे का मूसल
- हत्या में इस्तेमाल लोहे की रॉड
- शव काटने में इस्तेमाल ग्राइंडर
- रूबी, गौरव व मृतक राहुल के खून से सने कपड़ों की राख
- दो मोबाइल फोन, एक बैग
- एक मोटर साइकिल हीरो स्पलेंडर यूपी 21 एजे 4156
- एक स्कूटी यूपी 38 के 1361
- एक मारुति सुजुकी स्विफ्ट डिजायर कार यूपी 15 सीके 4266

खुलासे में शामिल टीम

- अनुज कुमार तोमर, प्रभारी निरीक्षक चंदौसी
- उप निरीक्षक महेशपाल सिंह, थाना चंदौसी
- –सिपाही मुकुल कुमार, थाना चंदौसी
- सिपाही विष्णु कुमार, थाना चंदौसी
- महिला सिपाही ज्योति, थाना चंदौसी

बच्चों के सामने ही गंगा में फेंक दिया पति के सिर और पैर से भरा बैग

भीष्म सिंह देवल, संभल

- बच्चों ने पूछा तो बता दिया, बैग में खंडित मूर्तियां हैं
- चंदौसी की रूबी ने मेरठ की मुस्कान को भी मात दे दिया

अमृत विचार: चंदौसी की रूबी ने मेरठ की मुस्कान को भी मात कर दिया। रूबी ने हत्या करने के बाद प्रेमी के साथ मिलकर ग्राइंडर कटर मशीन से पति की गर्दन और पैर काटकर बैग में पैक कर दिये। इतना ही नहीं कार में बैठकर राजघाट पहुंची और बच्चों सामने ही पति के सिर व पैर वाला बैग गंगा में फेंक दिया। बच्चों ने पूछा मां इसमें क्या था, रूबी ने कहा बेटा इसमें खंडित मूर्तियां थीं जिन्हें गंगा में फेंका जाता है।

राहुल की हत्या पत्नी रूबी और उसके प्रेमी गौरव ने की थी, यह सच जानने के बाद पुलिस ने सवाल दागा कि कैसे हत्या की और कैसे शव को ठिकाने लगाया। रूबी ने जवाब देना शुरु किया तो पुलिस वालों के होश उड़ गए। वे सोच रहे थे कि क्या कोई पत्नी इतनी बेरहम हो सकती है। रूबी ने बताया कि 18 नवंबर को राहुल की हत्या करने के बाद शव घर में ही छिपा दिया था।

19 नवंबर को शव को छुपाने के लिये चंदौसी के घंटाघर मार्केट से प्लास्टिक की पन्नी और दो बैग खरीदे। लाश को बैग में पैक करने के लिए राहुल की लाश को काटने के लिए गौरव इलेक्ट्रिक ग्राइंडर कटर मशीन लेकर आया। इस मशीन में आरे जैसा ब्लेड लगा था। उसने व गौरव ने ग्राइंडर मशीन से राहुल के शव की गर्दन व पैर काटकर पन्नी में लपेटकर एक लाल बैग में पैक कर दिया। इसके बाद धड़ को पन्नी में लपेटकर दूसरे बैग में पैक कर दिया। उसी दिन 3500 रुपए की गाड़ी किराए पर कर गौरव व बच्चों को साथ लेकर राजघाट गंगा घाट पर पहुंच गई। वहां बच्चों के सामने ही दोनों ने उस बैग को गंगा में फेंक दिया जिसमें राहुल की खोपड़ी व पैर थे। बच्चों ने मासूमियत से पूछा, मां यह बैग गंगा में क्यों फेंक दिया।

रूबी ने जवाब दिया- बेटा इस बैग में खंडित मूर्तियां थीं। जो मूर्तियां खंडित हो जाती हैं उनकी पूजा नहीं की जाती बल्कि गंगा में फेंक दिया जाता है। रूबी ने बताया कि गंगा से वापस लौटने के बाद रात में जिस बैग में राहुल का धड़ था उसे पतरौआ रोड पर ईदगाह के पास नाले में फेंक दिया था।

फूट-फूटकर रोई रूबी, भाभी से कहा बच्चों का ध्यान रखना

जेल जाने से पहले अपने बच्चों से लिपटकर रोती रूबी। ● अमृत विचार

चंदौसी, अमृत विचार: पति राहुल की हत्या के आरोप में चंदौसी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये जाने के बाद रूबी को अदालत में पेश करने के लिए ले जाया जा रहा था। रूबी को अदालत लेकर जाने की तैयारी चल रही थी। रूबी पुलिस जीप में बैठने जा रही थी तभी रूबी के बच्चे मां को देखकर फूट-फूट कर रोने लगे। बच्चों को रोता देख मां रूबी की भी आंखें नम हो गईं। वह भी अपने दोनों बच्चों को गले लगा कर रोने लगी। इसके बाद रूबी अपनी भाभी से बोली इन बच्चों का ध्यान रखना। वहीं जब पुलिस ने गौरव को जीप में बैठाया तो गौरव भी फूट-फूट कर रो रहा था। कह रहा था मुझे भी अपनी बहन से मिलने दो। पुलिस ने उसे पर तरस खाकर उसकी बहन से उसे मिलने दिया। बहन को देखकर वह बिलखने लगा।

डिग्गी से निकाले 1.60 लाख रुपये

संवाददाता, बहजोई

- परचून का सामान लेने बाजार आया था ग्रामीण
- बाइक की डिग्गी से चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

अमृत विचार: परचून का सामान खरीदने आए ग्रामीण की बाइक की डिग्गी तोड़कर 1 लाख 60 हजार रुपए चोरी कर लिए। सीसीटीवी कैमरे में दो महिला तथा एक युवक रुपए निकलते कैद हो गए।

बहजोई के गांव खेतापुर निवासी जगदीश पत्नी के साथ परचून का सामान खरीदने बहजोई आए थे। पहले उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक से 1 लाख की नगदी निकाली थी। 60 हजार रिश्तेदार से लिए थे। 1 लाख 60 हजार रुपये बाइक की डिग्गी में रखकर वह बहजोई के कांठ बाजार स्थित एक दुकान पर पहुंच गए। सामान खरीदने के बाद बाइक के पास आए तो डिग्गी का ताला टूटा देखकर दंग रह गए। डिग्गी में रखे 1 लाख 60 हजार रुपये गायब थे। उनके शोर मचाने पर लोग एकत्रित हो गए।

नकदी चोरी होने के बाद पीड़ित से जानकारी लेती पुलिस। ● अमृत विचार

सीओ डॉ प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे । पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले जिसमें दो महिलाएं बाइक को कवर कर रही थीं और एक युवक डिग्गी में से रुपए का थैला निकाल कर फरार होता नजर आया। ग्रामीण जगदीश ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने को कोतवाली में तहरीर दी है। सीओ डा. प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए हैं। जल्द ही चोर गिरफ्तार किए जाएंगे।

नेशनल कुराश प्रतियोगिता में बेटियों ने जीता गोल्ड व सिल्वर

कार्यालय संवाददाता, संभल

कोच के साथ आयुशी व तराना।

अमृत विचार: डॉ. भीमराव आंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, सहारनपुर में 15 से 20 दिसंबर तक आयोजित 69वीं नेशनल कुराश प्रतियोगिता में संभल जिले की दो बेटियों आयुशी सागर व तराना ने शानदार प्रदर्शन किया।

ग्राम असलतपुर, निवासी आयुषी सागर ने अंडर-14 वर्ग में प्लस 48 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। आयुषी बसंती देवी इंटर कॉलेज की कक्षा 9 की छात्रा हैं। ग्राम भारतल, सिरसी निवासी तराना ने अंडर-19 वर्ग में प्लस 70 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। तराना चंदावली इंटर कॉलेज की छात्रा है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन नेशनल कुराश स्कूल गेम्स के लिए किया गया है। लौटने पर दोनों खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। कोच आर्य भोले सिंह त्यागी ने कहा कि ये खिलाड़ी आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन करेंगी। तराना के विद्यालय प्रबंधन की ओर से मैनेजर एडवोकेट जयंत सिंह, प्रधानाचार्य अरविंद कुमार, सुभाष चंद्र सिंह, शाहिद अंसारी आदि ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी।

मनरेगा में बदलाव का विरोध, प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, संभल

तहसील कार्यालय में प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- तहसील परिसर में कांग्रेसियों ने जताया विरोध

अमृत विचार: केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम बदलने और फंडिंग में कटौती के विरोध में सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने सदर तहसील संभल परिसर में प्रदर्शन किया।

जिलाध्यक्ष आरिफ तुर्की ने कहा कि देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र सरकार की मनमानी के खिलाफ और मनरेगा को कमजोर किए जाने के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले योजना में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत तक होती थी, लेकिन अब फंडिंग में लगातार कटौती की जा रही है, जिससे ग्रामीण गरीबों और मजदूरों को रोजगार मिलना मुश्किल हो गया है। मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब, मजदूर, किसान और बेरोजगारों के लिए जीवन रेखा साबित हुई थी, लेकिन वर्तमान सरकार इसे धीरे-धीरे समाप्त करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने मांग की कि मनरेगा के बजट में बढ़ोतरी की जाए और पुराने नियमों को बहाल किया जाए। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने मनरेगा को कमजोर करने की नीतियां वापस नहीं लीं, तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी।

शहर अध्यक्ष शिवकुमार गौतम, डीके वाल्मीकि, कल्पना सिंह महिला जिलाध्यक्ष, जयप्रकाश सहगल, रुखसार, रईस अहमद, कौस्तुभ रस्तोगी, दाऊद पाशा, अंजार मंसूरी, रफीक सैफी, राशिद हुसैन मसूदी आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

नन्हें बच्चों ने दिखाई खेल प्रतिभा

बबराला, अमृत विचार : विद्याकुंज इंटरनेशनल स्कूल में सोमवार को शीतकालीन वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आरंभ नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी अमरेश तिवारी नेकिया। प्रतियोगिता में कक्षा एक से 8 तक के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। ग्रुप ए की शटल रेस में अर्पित यादव ने प्रथम, ऋषभ ने द्वितीय तथा आदित्य राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 2 की शटल रेस में प्रशांत यादव प्रथम, रुद्रांश यादव द्वितीय एवं सौम्य गिरी तृतीय स्थान पर रहीं। ग्रुप बी की शेक रेस में पुलकित यादव प्रथम, पृथ्वी यादव द्वितीय एवं अभिनय तृतीय स्थान पर रहे, जबकि पेयर रेस में प्रिंस व ऋषभ की जोड़ी प्रथम, कुमुदिनी–अंजलि द्वितीय तथा प्रतीक–शुभ तृतीय स्थान पर रही। प्रधानाचार्य सुशील शर्मा, अतुल गोयल, उमेश गुप्ता, डिंपल गुप्ता, प्रबंधक कपिल गोयल एवं कार्तिक गोयल सहित स्टाफ मौजूद रहा। संचालन नव्या गुप्ता और पीटीआई विशाल सिंह ने किया।

इनवर्टर बैटरी की दुकान में हजारों की चोरी

चंदौसी, अमृत विचार : विकास नगर निवासी संगीत कुमार शर्मा पुत्र किशोरी लाल शर्मा की बहजोई रोड पर नगर पालिका लाइब्रेरी के पास इनवर्टर बैटरी की दुकान है। सोमवार सुबह करीब 10 बजे जब उन्होंने दुकान खोली तो जीने की ओर नकब लगा मिला और दुकान का ताला टूटा पड़ा था। करीब 15 हजार रुपये, तीन इनवर्टर और आठ बैटरियां गायब थीं। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 40 हजार रुपये बताई जा रही है। कोतवाली चंदौसी में चोरी की तहरीर दी है।

लक्ष्य के सापेक्ष आरसी वसूली बढ़ाने के डीएम ने दिए निर्देश

बहजोई, अमृत विचार : डीएम राजेंद्र पैंसिया ने अधिकारियों के साथ कर करेत्तर, न्यायालय राजस्व, चकबंदी वाद, चकबंदी विभाग के कार्यों व सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा। लक्ष्य के सापेक्ष में वसूली किए जाने के निर्देश दिए। नगर निकाय की समीक्षा करते हुए प्लास्टिक, पॉलिथीन पर रोक के लिए कार्रवाई करने की बात कही। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम राजेंद्र पैंसिया ने अधिकारियों के साथ सर्व प्रथम सीएम डैशबोर्ड पर स्टाम्प निबंधन, आबकारी, वाहन कर वानिकी, खनन, जीएसटी, विद्युत के लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति को लेकर जानकारी प्राप्त की। लक्ष्य के सापेक्ष में प्रगति पूरी करने के निर्देश दिए। खनन निरीक्षक से कहा कि 5 साल एवं उससे पूर्व के नोटिस को चेक करते हुए आरसी वसूली की जाए। एमओयू मॉनिटरिंग, जीबीसी, डिजि शक्ति, मंडी आय, औषधि विक्रय लाइसेंस, धान खरीद योजना, गन्ना पर्ची वितरण, अमृत 2, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, पीएम स्वनिधि योजना, सम्पत्ति नामांतरण, ट्रेड सर्टिफिकेट जारी करना, इ- खसरा, एंटी भूमाफिया, कुर्रा बटवारा, नामांतरण, पैमाइश को लेकर चर्चा की। प्रवर्तन कार्यों को लेकर समीक्षा की गयी। परिवहन विभाग से ओवरलोड वाहनों को लेकर जानकारी प्राप्त की। ऑडिट आपत्ति, वंदन योजना, 13वां, 14वां, 15वां वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष व्यय विवरण पर चर्चा की।

पुलिस ने 130 मोबाइल लौटाए

संभल, अमृत विचार : पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से विशेष अभियान में जनपद संभल, गैर जनपद एवं अन्य राज्यों से कुल 130 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई जा रही है। सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कार्यालय में क्षेत्राधिकारी संभल आलोक भाटी ने 17 थानों की पुलिस के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता कर इस अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले दो माह से सभी थानों की पुलिस और साइबर सेल सीईआईआर पोर्टल से प्राप्त डाटा के आधार पर चोरी व गुम हुए मोबाइल फोन की तलाश में लगातार जुटी हुई हैं। 130 मोबाइल फोन उनके स्वामियों को लौटाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का मोबाइल फोन खो जाता है या चोरी हो जाता है, तो वह तुरंत सीईआईआर पोर्टल अथवा संचार साथी एप के माध्यम से शिकायत दर्ज कराए।

रेलवे ने बंद किया रास्ता, डीएम से मिले लोग

संवाददाता, बहजोई

नई बस्ती के लोगों व रेलवे कर्मचारियों से वार्ता करते डीएम राजेंद्र पैंसिया।

- कुछ ही देर बाद पहुंचे डीएम ने देखी समस्या, रास्ता बंद नहीं होने का आश्वासन दिया

अमृत विचार: रेलवे स्टेशन के सामने स्थित नई बस्ती में रेलवे द्वारा घरों के आगे कॉलोनी के निकलने के रास्ते पर दीवार बनाने के विरोध में कॉलोनी के बच्चे अपने हाथों में तख्ती लेकर नागरिकों के साथ डीएम से मिले। डीएम ने उनके रास्ते की समस्या सुनी तो कुछ ही देर बाद नई बस्ती पहुंच गए। रेलवे विभाग के कर्मचारियों से वार्ता कर कॉलोनी वासियों उनका रास्ता बंद नहीं होने देने का आश्वासन दिया।

बहजोई रेलवे स्टेशन के सामने नई बस्ती में रेलवे द्वारा दीवार बनाई जा रही है। रेलवे ने जेसीबी से मकानों के आगे तथा रास्तों पर नींव खोद रखी है। लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। इसी को लेकर नागरिक तथा बच्चे अपने हाथों में तख्ती लेकर बहजोई चेयरमैन राजेश शंकर राजू के साथ डीएम दफ्तर पहुंच गए। जैसे ही डीएम राजेंद्र पैंसिया ने बच्चों तथा नागरिकों को अपने दफ्तर के बाहर देखा तो रुक गए। लोगों ने बताया कि वह लोग 40 वर्षों से इसी कॉलोनी में रह रहे हैं और कॉलोनी का रास्ता रेलवे स्टेशन से होकर ही जाता है। अब इतने वर्ष बाद रेलवे विभाग ने उनके घरों तथा रास्तों पर गड्ढे कर दिए हैं जिससे उनका रास्ता बंद हो रहा है,। डीएमछ ही देर बाद नई बस्तीपहुंच गए। जहां पर उन्होंने रेलवे विभाग द्वारा कराया जा रहा कार्य देखा। कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जब तक पैमाइश न हो जाए तब तक काम न किया जाए। कहा कि मानवीय दृष्टिकोण से भी काम करने की जरूरत है। लोगों के निकलने का रास्ता भी बंद न हो और रेलवे विभाग का काम भी हो जाए। इस दौरान रमज़ीमल, नेपाल मौर्य, तिलक, महावीर, अवधेश कुमार सहित दर्जनों नागरिक मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कैंटर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

संभल/मनोटा, अमृत विचार: थाना ऐंचोड़ा कंबोह क्षेत्र के गांव नगलिया कामगार निवासी अशोक कुमार का 19 वर्षीय पुत्र वरुण उर्फ टाइगर की सोमवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब वरुण सैदनगली दवाई लेने जा रहा था।

मृतक वरुण।

जानकारी के अनुसार सैदनगली मनोटा मार्ग पर ज्ञानपुर और नगलिया के बीच पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ने वरुण की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार वरुण सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन घायल को निजी चिकित्सक के पास ले गए। चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कैंटर की टक्कर से बाइक सवार घायल

बहजोई, अमृत विचार : थाना गन्नौर के गांव बेलून पुर निवासी सत्यप्रकाश व संदीप धनारी से काम निपटाकर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। बहजोई की ओर से जा रहे कैंटर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गए। बाइक में टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर कैंटर भी पलट गया जिसमें चालक अनिल व भूरा निवासी गांव अबूपुर थाना बिलारी जनपद मुरादाबाद घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। सत्य प्रकाश तथा संदीप की हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया। जबकि चालक अनिल तथा भूरा को प्राथमिक उपचार के बाद वापस भेज दिया गया।

राष्ट्रीय किसान संघर्ष समिति ने ज्ञापन सौंपा

चंदौसी, अमृत विचार : राष्ट्रीय किसान संघर्ष समिति अराजनैतिक के बैनर तले किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी चंदौसी को सौंपा गया। किसानों ने बताया कि डीएपी खाद कहीं 1350 रुपये तो कहीं 1400 रुपये में उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि एनपीके खाद की कीमत 1720 रुपये से लेकर 1900 रुपये तक है। उत्तरी क्षेत्रीय कोऑपरेटिव सोसाइटी असालतपुर जारई पर भी 1720 और 1900 रुपये मूल्य पर खाद बेचे जाने का आरोप लगाया गया। किसानों ने मांग की कि गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 4000 रुपये प्रति कुंतल किया जाए। राहुल कश्यप, मुकेश शर्मा, वीरेंद्र सिंह तोमर, अमर सिंह तोमर, पप्पू तोमर, रामपाल ड्राइवर, ओमवीर सिंह कठेरिया, चीनू जैन, जितेंद्र भीकम जाटव, हरद्वारी लाल, राम प्रसाद मौर्य, शानू शर्मा, संजीव कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर दयाल शर्मा ने जितेंद्र कुमार को मुरादाबाद मंडल का महासचिव तथा इदरीश अहमद को ग्राम असालतपुर जारई का अध्यक्ष घोषित किया।

न्यूज ब्रीफ

रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : सरकार ने अनुपूरक बजट में यूपी कौशल विकास मिशन के तहत 50 हजार युवाओं को अल्पकालीन प्रशिक्षण देने के लिए 150 करोड़ का प्रस्ताव किया गया है। इसके साथ ही राज्य के पॉलीटेक्निक कॉलेजों में एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने के लिए 613.72 करोड़ की बड़ी राशि मांगी गई है, जिससे तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता और उद्योग से जुड़ाव मजबूत होगा। नई राज्य पॉलीटेक्निक संस्थाओं के लिए 1 करोड़ तथा अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में भवन निर्माण के लिए अतिरिक्त धनराशि भी प्रस्तावित है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालयों के संचालन और ई-ऑफिस व्यवस्था के लिए 4 करोड़ का अतिरिक्त बजट रखा गया है। सामाजिक समावेशन को मजबूती देते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए 3,616 करोड़ की अतिरिक्त राशि प्रस्तावित की गई है, जिससे लाखों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी।

नोएडा में भवन मानचित्र स्वीकृति होगी आसान

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (विनिमय के माध्यम से हस्तांतरित भूमि पर भवन निर्माण) नियमावली-2025 को स्वीकृति प्रदान की गई। इस नई नियमावली के लागू होने के बाद नोएडा क्षेत्र में मानचित्र स्वीकृति के लिए अब न्यायालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि ऐसे सभी आवेदनों का निस्तारण सीधे नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि वर्तमान में नोएडा भवन विनियमावली-2010 के अंतर्गत केवल लीज डीड (पट्टा प्रलेख) के माध्यम से आवंटित भूमि पर ही मानचित्र स्वीकृति की स्पष्ट व्यवस्था थी। इसके विपरीत, विनिमय के माध्यम से निजी स्वामित्व में आई भूमि पर भवन निर्माण के मामलों में स्पष्ट नीति के अभाव में आवेदनों के निस्तारण में कठिनाइयां आ रही थीं।

माघ मेला के लिए चलेंगी 3800 रोडवेज बसें

अमृत विचार, लखनऊ : प्रयागराज में 3 जनवरी से शुरू हो रहे माघ मेला 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए उप्र. परिवहन निगम द्वारा 3800 बसों का संचालन किया जाएगा। यह जानकारी परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने दी। परिवहन मंत्री ने सोमवार को बताया कि माघ मेला की अवधि 1 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक निर्धारित है। इस दौरान मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी के अवसर पर स्नानार्थियों की भारी भीड़ उमड़ती है। इसे देखते हुए मुख्य स्नान पर्वों पर 200 अतिरिक्त बसें शटल सेवा के रूप में दो दिन पूर्व से एक दिन बाद तक संचालित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त सामान्य दिनों में 25 बसें रिजर्व में रहेंगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मकर संक्रांति 15 जनवरी, मौनी अमावस्या 18 जनवरी और बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी। माघ मेला प्राधिकरण की मांग पर विभिन्न क्षेत्रों से अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। मंत्री दया शंकर सिंह ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों से बसों का आवंटन किया गया है। लखनऊ और गोरखपुर क्षेत्र से 500-500 बसें, आजमगढ़ व वाराणसी से 430-430 बसें, प्रयागराज से 550 बसें, चित्रकूट धाम से 330 बसें, हरदोई से 350 बसें, अयोध्या व कानपुर से 270-270 बसें, देवीपाटन से 250 बसें तथा झांसी क्षेत्र से 50 बसों का संचालन किया जाएगा।

स्वास्थ्य, ऊर्जा, पंचायत और पर्यटन पर सरकार का बड़ा दांव

अनुपूरक बजट 2025-26 : आमजन से जुड़े क्षेत्रों को प्राथमिकता, योगी सरकार का स्पष्ट संदेश कि बुनियादी सेवाएं मजबूत हों

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने अनुपूरक बजट 2025-26 के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं, नवीनीकृत ऊर्जा, पंचायत चुनाव और पर्यटन विकास को नई गति देने का खाका खींचा है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि विकास का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे और बुनियादी सेवाएं मजबूत हों।

पंचायत चुनावों के लिए 200 करोड़ : प्रदेश सरकार ने आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के सुचारु आयोजन के लिए 200 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 24.50 करोड़ रखे गए हैं। हर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण हिस्से में पंचायत उत्सव भवन/बारात घर के निर्माण पर भी जोर दिया गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं को 3,500 करोड़ की सौगात

योगी सरकार ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए अनुपूरक बजट में 3,500 करोड़ का प्रावधान किया है। इसका उद्देश्य मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, अस्पतालों की क्षमता बढ़ाना और गरीबों को निर्बाध इलाज उपलब्ध कराना है। प्रावधान से ग्रामीण क्षेत्रों के पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पताल सशक्त होंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं में भी सुधार होगा।

- आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना : 300 करोड़
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनएचआरएम) : 2,000 करोड़
- आयुष्मान भारत नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन मिशन : 1,200 करोड़

पीएम सूर्य घर योजना को 500 करोड़ की मंजूरी

अनुपूरक बजट में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए 500 करोड़ की राज्य सब्सिडी मंजूर की गई है। इससे लाभार्थियों को सब्सिडी समय पर मिलेगी और सोलर रूफटॉप लगाने में आर्थिक राहत मिलेगी। उत्तर प्रदेश इस योजना में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

- 10.09 लाख से अधिक आवेदन
- 3.14 लाख घरों में सोलर रूफटॉप स्थापित
- 1,083 मेगावाट से अधिक सोलर क्षमता सृजित
- केंद्रीय सब्सिडी : 2,188.79 करोड़, राज्य सब्सिडी (अब तक) : 600 करोड़

पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास को बढ़ावा

अनुपूरक बजट में पर्यटन, कला और संस्कृति को भी प्राथमिकता दी गई है। इन प्रावधानों से धार्मिक पर्यटन, ईको टूरिज्म और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

- ईको टूरिज्म विकास बोर्ड : 1 करोड़
- पर्यटन सुविधाएं : 5 करोड़
- श्री सोरों, श्री कल्कि धाम व अन्य तीर्थ : 10 करोड़
- लोक कलाकारों के लिए वाद्ययंत्र : 5 करोड़
- छतर मंजिल, लखनऊ (रेस्टोरेशन) : 3.44 करोड़

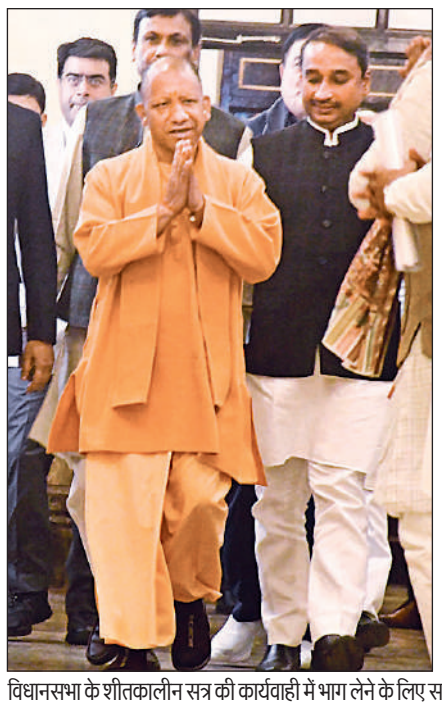

विधानसभा के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही में भाग लेने के लिए सदन पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। अमृत विचार

नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए सरकार ने दी बड़ी रकम

चिकित्सा शिक्षा-प्रशिक्षण को 423.80 करोड़, सेवाओं की बढ़ेगी गुणवत्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पेश अनुपूरक बजट में चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण को बड़ी प्राथमिकता दी है। प्रदेश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार और इलाज की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से 423.80 करोड़ की भारी-भरकम धनराशि का प्रावधान किया गया है। इसे प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। एसजीपीजीआई पर खास ध्यान देते हुए सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को मिलेगा विस्तार मिलेगा।

- **एसजीपीजीआई पर खास ध्यान, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को विस्तार**

लखनऊ के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों पर सरकार का विशेष फोकस रहा है। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) को विभिन्न प्रस्तावों के तहत 120 करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता को अनुपूरक बजट में शामिल किया गया है। इसके अलावा सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, लखनऊ को वेतन अनुदान के लिए 1 करोड़ दिए गए हैं। गोमतीनगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को वेतन अनुदान के लिए 20 करोड़, जबकि किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) को वेतन अनुदान के रूप में 25 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत की गई है। गंभीर और दीर्घकालिक रोगों के उपचार पर भी ध्यान केंद्रित किया है। हीमोफीलिया रोग की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा के तहत औषधि और रसायनों की खरीद के लिए 10 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

अनुपूरक बजट के तहत प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को वेतन, गैर-वेतन अनुदान, व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि दी गई है। सीतापुर स्थित नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी एंड रिसर्च को वेतन अनुदान के लिए 1.74 करोड़ का अतिरिक्त बजट दिया गया है, जबकि कैंसर संस्थान, लखनऊ को विभिन्न मदों के लिए 10 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

मेरठ, झांसी, गोरखपुर व प्रयागराज को भी मदद

योगी सरकार ने मेडिकल कॉलेज आगरा को 9.5 करोड़, गणेश शंकर विद्यार्थी स्मारक मेडिकल कॉलेज, कानपुर को 8.75 करोड़ और मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज को 6 करोड़ का अतिरिक्त बजट मिला है। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज मेरठ को 10.65 करोड़, झांसी को 3.85 करोड़ और गोरखपुर को 5.07 करोड़ दिए गए हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज, आजमगढ़ को व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए 50 लाख, बांदा मेडिकल कॉलेज को 2.18 करोड़, सैफई (इटावा) स्थित रूरल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को गैर-वेतन अनुदान के लिए 73.09 लाख दिए गए हैं।

नए संस्थान और सुपर स्पेशियलिटी पर जोर

नोएडा में सुपर स्पेशियलिटी बाल चिकित्सालय एवं पोस्ट ग्रेजुएट शैक्षणिक संस्थान की स्थापना के लिए वेतन अनुदान के रूप में 2 करोड़ तथा ग्रेटर नोएडा में चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 7 करोड़ का प्रावधान किया गया है। तीसरे फेज के तहत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों के संचालन के लिए 45 करोड़ की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही जेके इंस्टिट्यूट ऑफ रेडियोलॉजी एंड कैंसर रिसर्च, कानपुर में विशेष सेवाओं के विस्तार के लिए भी अतिरिक्त धनराशि दी गई है। एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, फतेहपुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, गाजीपुर और मीरजापुर सहित कई जिलों में नए स्वशासी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए राज्यांश की प्रतीक व्यवस्था की गई है।

महिला-कल्याण पर फोकस, मिले 535 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने अनुपूरक बजट 2025-26 में महिला एवं बाल विकास विभाग को 535 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि देकर आधी आबादी के कल्याण को मजबूत आधार दिया है। इस बजट का सबसे बड़ा लाभ निराश्रित महिला पेंशन योजना को मिलेगा, जिससे पेंशन भुगतान में किसी तरह की रुकावट नहीं आएगी।

पति की मृत्यु के बाद सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये प्रतिमाह की पेंशन दी जाती है, जिसका भुगतान तिमाही आधार पर होता है। चालू वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में करीब 40 लाख महिलाओं को पेंशन दी जानी है, जिसके लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता थी। सरकार ने अनुपूरक बजट के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी पात्र महिला को पेंशन से वंचित नहीं होने दिया जाएगा।

- **निराश्रित महिला पेंशन होगी निर्बाध, आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को भी बल**

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों में ही एक करोड़ से अधिक महिलाओं को पेंशन का लाभ दिया जा चुका है। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 7 करोड़ का प्रावधान किया गया है, ताकि बच्चों को बेहतर पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा जैसी सुविधाएं मिल सकें। महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए बढ़ाया गया यह बजट योगी सरकार की उस नीति को दर्शाता है, जिसमें महिला सुरक्षा, सामाजिक संरक्षण और बाल कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

महिला एवं बाल कल्याण : क्या बदलेगा

- 535 करोड़ से निराश्रित महिला पेंशन भुगतान होगा सुनिश्चित
- पात्र महिलाओं को 1,000 प्रतिमाह की नियमित पेंशन
- 2025-26 की चौथी तिमाही में 40 लाख लाभार्थी शामिल
- पहली तीन तिमाहियों में ही 3,400 करोड़ से अधिक की पेंशन वितरित
- 7 करोड़ से नए आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण
- बच्चों को पोषण, देखभाल और प्ले-स्कूल जैसी सुविधाएं

हरित ऊर्जा से मिलेगी सहकारिता को ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने अनुपूरक बजट 2025-26 में सहकारिता क्षेत्र को हरित ऊर्जा और तकनीकी उन्नयन के जरिए सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। सहकारी संस्थाओं के लिए विभिन्न मदों में अतिरिक्त अनुदान की व्यवस्था की है।

अनुपूरक बजट में सरकारी, अर्द्ध-सरकारी और बी-पैक्स (प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों) के भवनों पर सोलर रूफटॉप स्थापित करने के लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे सहकारी संस्थाओं की ऊर्जा लागत में कमी आएगी और स्वच्छ व नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। सहकारिता विभाग के अंतर्गत वाहन सेवाओं को मजबूत करने के लिए 2.19 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सहकारी सेवा मंडल, लखनऊ को विभिन्न मानक मदों के लिए 46 लाख रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया गया है। सहकारी शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान को 1.50 करोड़ का अनुदान प्रस्तावित किया गया है। साथ ही, सहकारी समितियों का समग्र डाटाबेस तैयार करने हेतु 1 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि रखी गई है।

- **बी-पैक्स व सरकारी भवनों पर सोलर रूफटॉप स्थापित करने पर जोर**

राष्ट्रगीत पर समझौता ही बंटवारे की नींव बना : योगी

मुख्यमंत्री ने वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर विधानसभा में विरोधियों पर किया तीखा हमला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विधानसभा में आयोजित विशेष चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस और मोहम्मद अली जिन्ना पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् पर किया गया पहला समझौता ही भारत के सांस्कृतिक विभाजन और अंततः देश के बंटवारे की नींव बना। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह किसी धार्मिक भावना का सम्मान नहीं था, बल्कि कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति का सबसे खतरनाक प्रयोग था, जिसने अलगाववाद को जन्म दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब तक मोहम्मद अली जिन्ना कांग्रेस में थे, तब तक वंदे मातरम् कोई विवाद नहीं था। कांग्रेस छोड़ने के बाद जिन्ना ने इसे मुस्लिम लीग की राजनीति का औजार बनाया और जानबूझकर राष्ट्रगीत को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया। गीत वही रहा, लेकिन एजेंडा बदल गया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का विरोध धार्मिक नहीं, बल्कि पूरी तरह राजनीतिक था। योगी ने 15 अक्टूबर 1937 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी दिन लखनऊ से जिन्ना ने वंदे मातरम् के खिलाफ अभियान शुरू किया, जबकि उस समय कांग्रेस अध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरू थे। इसके पांच दिन बाद 20 अक्टूबर 1937 को नेहरू द्वारा सुभाष चंद्र बोस को लिखा गया पत्र कांग्रेस की तुष्टीकरण मानसिकता का प्रमाण है, जिसमें कहा गया कि यह मुद्दा मुसलमानों को "आशंकित" कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस ने वंदे मातरम् के कुछ अंश हटाने का फैसला लिया, जिसे "सद्भाव" कहा गया, लेकिन वास्तव में यह राष्ट्र चेतना की बलि थी।

- **कहा : कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति और जिन्ना की राजनीति ने वंदे मातरम् को विवाद बनाया**

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देशभक्तों ने उस निर्णय का विरोध किया, प्रभात फेरियां निकालीं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व राष्ट्र के साथ खड़े होने की बजाय वोटबैंक के साथ खड़ा हो गया। 17 मार्च 1938 को जिन्ना ने वंदे मातरम् को पूरी तरह बदलने की मांग की, फिर भी कांग्रेस ने प्रतिकार नहीं किया। इसका परिणाम यह हुआ कि मुस्लिम लीग का साहस बढ़ा, अलगाववाद मजबूत हुआ और सांस्कृतिक प्रतीकों पर समझौते की परंपरा शुरू हुई, जिसने अंततः भारत को विभाजन की त्रासदी तक पहुंचाया।

योगी ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि 1896 से 1922 तक कांग्रेस के हर अधिवेशन में वंदे मातरम् गाया जाता रहा। खिलाफत आंदोलन तक भी यह गीत निर्विवाद रहा। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसे नेता इसके समर्थक थे। समस्या मजहब की नहीं, बल्कि कुछ लोगों की राजनीति की थी। उन्होंने 1923 के कांग्रेस अधिवेशन का उल्लेख किया, जब मोहम्मद अली जौहर ने पहली बार वंदे मातरम् का विरोध किया। विष्णु दिगंबर पलुस्कर द्वारा पूरा गीत गाए जाने पर जौहर का मंच छोड़ना व्यक्तिगत निर्णय था, लेकिन कांग्रेस का झुकना उसकी नीति बन गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1937 में केवल दो छंद गाने और उन्हें भी अनिवार्य न रखने का निर्णय राष्ट्रीय आत्मसमर्पण था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा द्वारा जिस खंडित वंदे मातरम् को मान्यता दी गई, वह भी उसी तुष्टीकरण नीति का परिणाम था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, भारत की आत्मा है। बंग-भंग आंदोलन से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक यह क्रांतिकारियों की अंतिम सांस तक का मंत्र रहा।

यूपी में मौत नहीं, सपा सरकार ने दिए अपराधियों को लाइसेंस

कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर किया सीधा वार, विधानसभा में खोली पोल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा में कोडिन कफ सिरप प्रकरण पर विपक्ष के हंगामे का तीखा जवाब देते हुए सपा को कठघरे में खड़ा कर दिया। कहा कि प्रदेश में कोडिन कफ सिरप से एक भी मौत नहीं हुई है, लेकिन झूठे आरोप लगाकर सदन को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। यह पूरा मामला अवैध डायवर्जन और ट्रेडिंग का है, जिसमें दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने एक-एक आरोपियों के नाम लेकर गिनाया कि सबसे तार सपा से जुड़े हैं और अपराधियों को लाइसेंस सपा सरकार ने दिए थे।

सदन में विपक्ष के आरोपों का जवाब देते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रश्न क्या है और मुद्दे क्या उठाए जा रहे हैं, इसका फर्क समझना चाहिए। सदन की गरिमा बनाए रखना विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने 'चोर की दाढ़ी में तिनका' कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि जिनके दामन पर दाग हैं, वही सबसे ज्यादा शोर मचा रहे हैं। योगी ने सदन में खुलासा किया कि यूपी के सबसे बड़े कोडिन कफ सिरप होलसेलर को वर्ष 2016 में समाजवादी पार्टी की सरकार ने लाइसेंस जारी किया था। एसटीएफ की कार्रवाई में वही होलसेलर पकड़ा गया।

आलोक सिपाही पक्का सपाई : मुख्यमंत्री ने सदन में फोटो दिखाते हुए कहा कि कोडिन कफ सिरप प्रकरण का किंग पिन आलोक सिपाही पक्का सपाई है। एक अन्य आरोपी अमित यादव की तस्वीर उन्होंने अखिलेश यादव के साथ दिखाते हुए कहा कि वह समाजवादी युवजन सभा से जुड़ा रहा है।

अवैध लेन-देन और सपा के तार : योगी ने कहा कि जांच में सामने आया है कि अवैध लेन-देन लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते के माध्यम से हुआ। किंग पिन शुभम जायसवाल के सपा से संबंध रहे हैं। अमित यादव और मिलिंद यादव के खातों से शैली ट्रेडर्स के खाते में संदिग्ध ट्रांजेक्शन हुआ है।

कार्रवाई के आंकड़े

- 79 अभियोग दर्ज
- 225 अभियुक्त नामजद

78 गिरफ्तारियां

- 134 फर्मों पर छापे
- 332 फर्मों की जांच, 136 पर एनडीपीएस एक्ट में केस
- 77 से अधिक आरोपी जेल में

योगी ने कहा- देश में दो नमूने, सपा का हंगामा

योगी ने तंज कसते हुए कहा कि देश में दो नमूने हैं। एक दिल्ली में बैठता है और दूसरा लखनऊ में। जब भी कोई चर्चा होती है, देश छोड़कर भाग जाते हैं। आप चिल्लाते रहेंगे और 'बबुआ' सैर-सपाटे के लिए इंग्लैंड चले जाएंगे। योगी के बयान के बाद नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने नमूने शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई और सपा सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के तमाम कोशिशों के बाद भी सपाई शांत नहीं हुए। इसके बाद अनुपूरक बजट पेश करने की अनुमति दी गई।

विधानसभा सत्र के दौरान कफ सिरप समेत अन्य मुद्दों को लेकर विधानभवन परिसर में धरना देते सपा विधायक। अमृत विचार

अमृत विचार

मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
–सम्राट अशोक

ठोस कूटनीति की जरूरत

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले जिस तरह तेज हुई हिंसा में हिंदू समुदाय, उनकी संपत्तियों व मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है, निरपराध हिंदू युवक को ईशनिंदा के झूटे बहाने से मारा गया, वह घोर चिंता का विषय है। ऐसे में मोहन भागवत का 'बांग्लादेश में हिंदू एकजुट हों' वाला बयान भावनात्मक रूप से प्रेरक भले लगे, पर जब वहां के हिंदू अल्पसंख्यक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर हैं, तो केवल एकजुटता का आह्वान उन्हें कितना सुरक्षित कर पाएगा? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी अब कुल जनसंख्या का सात प्रतिशत से थोड़ा ही अधिक रह गई है। लोकतंत्र संख्या का खेल है; ऐसे में सवा करोड़ से कम लोगों की आवाज़ सत्ता-संरचना तक कैसे पहुंचेगी?

गोपालगंज, मौलवी बाजार और ठाकुरगांव जैसे कुछ जिलों में हिंदुओं की हिस्सेदारी किंचित उल्लेखनीय है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर वे बिखरे हुए हैं। इस बिखराव और अल्पसंख्यक स्थिति में 'एकजुटता' का अर्थ नैतिक बल से आगे नहीं बढ़ पाता, क्योंकि उनके पास न धन है, न पद, न प्रशासन और न सुरक्षा तंत्र में पर्याप्त प्रतिनिधित्व। एकजुटता के उपदेश से इतर प्रताड़ित हिंदुओं को कैसे प्रतिकार करना है, इस पर ठोस मार्गदर्शन आवश्यक है, केवल चिंता और नैतिक समर्थन से जमीनी हालात कैसे बदलेंगे? पिछले 16 महीनों में हिंदुओं को निशाना बनाने की शताधिक घटनाएं हुई हैं, पर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की चुप्पी जारी है। क्या इस मौन को तोड़ने के लिए पर्याप्त कूटनीतिक दबाव बनाया गया? विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों के आह्वान से कुछ असर शायद ही पड़े। शेख हसीना की भारत में मौजूदगी को बहाना बनाकर भारत-विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, लेकिन मूल कारण सत्ता-संघर्ष, कट्टरता और दंडहीनता की संस्कृति है। भारत के लिए यह केवल भावनात्मक या धार्मिक मुद्दा नहीं, बल्कि विदेश नीति और क्षेत्रीय स्थिरता का प्रश्न है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपील ही पर्याप्त नहीं। यह भी सच है कि कट्टरपंथी इस्लामिस्ट समूह और भारत-विरोधी ताकतें इस हिंसा से लाभ उठा रही हैं। ऐसे में भारत को बांग्लादेश पर यह स्पष्ट दबाव बनाना होगा कि अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं की जान-माल की सुरक्षा उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में हिंदू आबादी का निरंतर सिकुड़ना भारत और वैश्विक समुदाय दोनों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। द्विपक्षीय वार्ताओं, व्यापारिक और कनेक्टिविटी समझौतों में मानवाधिकार की शर्तों को जोड़ना होगा।

तात्कालिक तौर पर भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मुद्दा उठाना, संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संस्थाओं को सक्रिय करना और पीड़ितों के लिए तत्काल राहत व कानूनी सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक उपायों के तहत हमें अल्पसंख्यक सुरक्षा को बांग्लादेश के साथ रिश्तों की अनिवार्य शर्त बनाना होगा। बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा बयानों और आधे-अधूरे उपायों से नहीं, बल्कि संगठित अंतर्राष्ट्रीय दबाव, सुसंगत कूटनीति और ठोस कार्रवाई से ही सुनिश्चित हो सकती है और यही समय की मांग है।

प्रसंगवश

एक उत्सव दिव्यांगजनों की रचनात्मकता का

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की इंडिया गेट पर जहां आदमकद मूर्ति स्थापित है, उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांगजनों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमिता को देखकर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। मौका था दिव्य कला मेला-2025 का। अब इस तरह के मेले देश के सभी राज्यों में आयोजित हो रहे हैं। इस मेले में आए दिव्यांग कलाकारों और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्त निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है।

दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांगजन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित रहते हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं। उदाहरण के लिए, इस वर्ष के मेले में 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प को बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं।

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता, जैसे यात्रा भत्ता और स्टॉल की सुविधा, इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के भाग लेने की अनुमति देती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपये मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांगजन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है।

दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है, लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में एक 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है। दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से यह मेला बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित करता रहा, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनकी आत्मविश्वास बढ़ता है।

दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दर्शाते हैं। राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक हैं, क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है।

जापान में बढ़ती ब्याज दरें व रिजर्व बैंक की रणनीति

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दुनिया की वित्तीय व्यवस्था में जापान का स्थान हमेशा 'सस्ते पैसे' के सबसे बड़े स्रोत की तरह रहा है। दशकों तक जापान में ब्याज दरें लगभग शून्य रहीं, जिससे वैश्विक निवेशकों को येन में बहुत कम लागत पर उधार लेकर अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे देशों में ऊंचे रिटर्न वाली संपत्तियों में निवेश करने का अवसर मिला। इसे 'येन कैरी ट्रेड' कहा जाता है, लेकिन अब यह व्यवस्था पलट रही है। दिसंबर 2025 में बैंक ऑफ जापान ने नीति दर बढ़ाकर 0.75% कर दी। यह लगभग 30 वर्षों के उच्च स्तर के करीब माना जा रहा है। इसी के साथ जापान के 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड (JGB) की यील्ड 2% के ऊपर निकल गई और एक बिंदु पर 2.005% तक दर्ज हुई। यह बदलाव सिर्फ जापान की घरेलू महंगाई या नीति का विषय नहीं, बल्कि वैश्विक पूंजी प्रवाह, बॉन्ड यील्ड, मुद्रा बाजार और उभरते देशों की वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा संकेत है।

दुनिया के लिए चिंता की पहली वजह यही है कि जापान का 'लो-रेट युग' खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है, तो जापानी निवेशक, जो वर्षों से विदेशी बॉन्ड और इक्विटी के बड़े खरीदार रहे हैं, अपनी पूंजी देश में वापस लाने लगते हैं या कम से कम नई विदेशी खरीद घटा देते हैं। इसका असर अमेरिका व यूरोप के बॉन्ड बाजार तक पहुंचता है। मांग घटेगी तो यील्ड बढ़ सकती है और यील्ड बढ़ेगी तो वैश्विक उधारी महंगी होगी। पहले से बड़े कर्ज बोझ से जूझ रही सरकारों और कंपनियों के लिए यह दबाव बहुत संवेदनशील है। इसके अलावा, कई हेज फंड और संस्थागत निवेशक जापानी येन में उधार लेकर वैश्विक बाजारों में जोखिम वाली संपत्तियों (शेयर, हाई-यील्ड बॉन्ड, इमर्जिंग मार्केट एसेट्स) में निवेश करते थे। ब्याज दर बढ़ते ही कैरी ट्रेड का फायदा कम होता है और अचानक 'पोजिशन अनवाइंडिंग' होती है, जिससे दुनियाभर के शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव तेज हो सकता है।

जापान का 'लो-रेट युग' खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है, तो जापानी निवेशक अपनी पूंजी देश में वापस लाने लगते हैं या कम से कम नई विदेशी खरीद घटा देते हैं।

दूसरी बड़ी चिंता मुद्रा बाजार से आती है। दिलचस्प बात यह है कि दर बढ़ाने के बाद भी येन में कमजोरी देखी गई और डॉलर के मुकाबले येन करीब 157.38 तक चला गया। वित्त मंत्रालय ने संकेत दिए कि यदि मुद्रा में 'अत्यधिक, एकतरफा' चाल हुई तो कार्रवाई हो सकती है और बाजार में यह चर्चा भी रही कि 160 के आसपास की स्थिति पर सख्ती संभव है। मुद्रा की यह अस्थिरता भारत जैसे देशों के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक निवेशक जब जोखिम से बचते हैं, तो उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर डॉलर जैसी सुरक्षित मुद्रा की ओर जाते हैं। ऐसे में रुपया दबाव में आता है और रुपये पर दबाव आते ही आयात महंगा होने लगता है।

अब प्रभाव भारत पर कैसे आएगा? पहला असर विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के माध्यम से दिखता है। 2025 में भारतीय इक्विटी बाजारों से विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कुल मिलाकर लगभग 1.58 लाख करोड़ की निकासी की रिपोर्टें सामने आईं। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है और ग्लोबल जोखिम भावना बदलती है, तो इस तरह के आउटफ्लो का दबाव दोबारा तेज हो सकता है, खासकर तब जब वैश्विक फंड 'सेफ' एसेट्स की ओर शिफ्ट करते हैं। इससे भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ेगी और जिन कंपनियों में विदेशी हिस्सेदारी ज्यादा है, उनके शेयरों पर ज्यादा दबाव देखा जा सकता है। बाजार अस्थिर होने पर कंपनियों के लिए नई पूंजी जुटाना भी महंगा पड़ता है। आईपीओ, क्यूआईपी या बॉन्ड इश्यू सब पर प्रभाव पड़ता है।

दूसरा असर उधारी लागत और बॉन्ड यील्ड के रास्ते आता है। वैश्विक यील्ड ऊपर जाने का मतलब यह है कि भारत की कंपनियां जब विदेशी मुद्रा में बॉन्ड जारी करती हैं या विदेश से कर्ज लेती हैं, तो उनकी लागत बढ़ सकती है। इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट, पॉवर, टेलिकॉम, एविएशन जैसे पूंजी-गहन क्षेत्रों के लिए यह झटका ज्यादा तेज हो सकता है। तीसरा असर रुपये और आयात लागत के जरिए आता है। भारत की अर्थव्यवस्था आयात-निर्भर है। विशेषकर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई इंडस्ट्रियल इनपुट में। उदाहरण के तौर पर, वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल–अक्टूबर) में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल लगभग 71.2 अरब डॉलर रहा। यदि रुपये में कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल, गैस, मशीनरी, कॉपर, हाई-एंड कंपोनेंट्स जैसी चीजें और महंगी होंगी और यही लागत अंततः कंपनियों के मार्जिन और उपभोक्ता कीमतों में दिखेगी।

भारतीय उपभोक्ताओं पर असर दो स्तरों पर आएगा। पहला, आयात महंगा होने से इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो पार्ट्स, कुछ दवाओं के कच्चे माल और कुछ उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की कीमतें ऊपर जा सकती हैं। दूसरा, बाजार अस्थिर होने पर आम निवेशक के पोर्टफोलियो (म्यूचुअल फंड, शेयर) की वैल्यू में तेज उतार-चढ़ाव होगा, जिससे 'वेल्थ इफेक्ट' घटता है और उपभोग व्यवहार सतर्क हो जाता है। यदि वैश्विक उधारी लागत बढ़ती है, तो घरेलू बैंक भी जोखिम का मूल्यांकन सख्त कर सकते हैं, जिससे कुछ लोन सेगमेंट में स्प्रेड बढ़ने की संभावना रहती है।

ऐसे माहौल में आरबीआई की नीति भूमिका निर्णायक हो जाती है। दिसंबर 2025 में आरबीआई ने रेपो रेट 25 बेसिस पॉइंट घटाकर 5.25% कर दिया और 2025 के दौरान कुल मिलाकर 125 bps की कटौती का संकेत मिला। यह हाल के वर्षों में सबसे आक्रामक easing चक्रों में गिना जा रहा है। आरबीआई ने नीति रुख 'न्यूट्रल' रखा, यानी आगे के फैसले डेटा-आधारित रहेंगे। महंगाई के मोर्चे पर हालिया महीनों में नरमी भी दिखी। नवंबर 2025 की खुदरा महंगाई 0.71% बताई गई, जो लक्ष्य के मुकाबले काफी नीचे है। आरबीआई का वास्तविक 'संतुलन' यह होगा कि वह ग्रोथ-सपोर्ट भी दे और मुद्रा/वित्तीय स्थिरता भी बचाए। यानी जरूरत पड़ने पर तरलता प्रबंधन, बाजार संचालन और विदेशी मुद्रा बाजार में प्रबंधन के उपायों को सक्रिय रखे।

आमने

देश के अंदर दो नमूने हैं। एक दिल्ली और एक लखनऊ में। जब देश में कोई चर्चा होती है, तो तुरंत वो देश छोड़कर भाग जाते हैं। मुझे लगता है कि आपके 'बबुआ' के साथ भी यही हो रहा है। वह भी फिर जाएंगे इंग्लैंड के सैर-सपाटे पर और आप लोग यहां चिल्लाते रहेंगे।
–योगी आदित्य नाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

किसी को उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई यहां तक पहुंच जाएगी। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग आपस में कुछ तो लोक-लाज रखें। भाजपाई अपनी पार्टी के अंदर की खींचातान को चौराहे पर न लाएं। कहीं कोई बुरा मान गया तो वापस जाना पड़ेगा।
–अखिलेश यादव
अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी

बांग्लादेश: हादी की हत्या में साजिश का पहलू

डॉ. विकास शुक्ला
लेखक

बांग्लादेश में आम चुनाव होने हैं, लेकिन अब इस चुनाव के टलने के आसार भी हैं। इंकलाब मंच के संयोजक और चर्चित छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी का रुख भारत विरोधी था, लेकिन वह अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस के लिए भी खतरा बन गया था। ऐसे में उसकी मौत के पीछे साजिशों की बू आ रही है। उसकी हत्या के पीछे न सिर्फ चुनाव टालने और सत्ता बचाने का खेल हो सकता है, बल्कि भारत विरोधी एजेंडे को भी आगे बढ़ाने की गहरी चाल हो सकती है।

जब भी खालिदा जिया की पार्टी सत्ता में रही, वहां भारत विरोधियों को न सिर्फ उठने का मौका मिला, बल्कि उन्हें सत्ता का संरक्षण भी मिला। पड़ोस में आतंकियों खासकर पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने पांव जमाए और भारत में खून-खराबा भी किया, लेकिन आवामी लीग की मुखिया शेख हसीना के सत्ता में आने के बाद भारत के प्रति वहां माहौल बदल गया था। दोनों देश मिलकर कदम से कदम मिलाते हुए आगे बढ़ रहे थे। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था बड़ी ही तेजी से बढ़ रही थी। आतंकी ताकतें खामोश हो गईं थीं। बांग्लादेश की धरती से भारत के विरुद्ध पाकिस्तान द्वारा रची जाने वाली भारत विरोधी साजिशें पूरी तरह बंद हो गईं थीं।

चीन हो या अमेरिका चाहकर भी, वहां पांव नहीं जमा पा रहे थे, लेकिन अब इनके मंसूबे सफल हो रहे हैं, क्योंकि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी के नेतृत्व में बांग्लादेश में हुए आंदोलन के बाद शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भागना पड़ा और भारत में शरण लेनी पड़ी। यूनुस सत्ता से चिपके रहना चाहते हैं। बीएनपी नेताओं और आंदोलन कर शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले छात्र नेताओं के भारी दबाव के बाद बड़ी मुश्किल से वे चुनाव कराने को तैयार हुए। घोषणा के बाद भी वे कोशिशें कर रहे थे कि चुनाव टल जाए। हादी लगातार उनकी सरकार पर दबाव बना रहा था। सत्ता से हटाने की धमकियां दे रहा था। यूं कहें तो हादी उनके लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। अब उसकी हत्या के बाद बांग्लादेश जल रहा है, तो यह कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव टल जाएंगे। युसूफ का सत्ता में बने रहने का सपना भी साकार होता दिख रहा है। हादी की हत्या के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ भी हो सकता है, क्योंकि भारत विरोधी भावनाओं को भड़कने से उसे काफी लाभ होगा।

आईएसआई अपनी साजिश में फिलहार कामयाब हो चुका है, क्योंकि वहां जो भी आंदोलन होते हैं, उनमें भारत विरोधी नारे लगते हैं। कट्टरपंथी ताकतें, जो शुरू से पाकिस्तान समर्थित और भारत विरोधी रहीं हैं, वहां की सत्ता पर काबिज होना चाहती हैं, इसलिए भी हिंदुओं और भारत के विरुद्ध आग उगलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। मोहम्मद युनूस तो पूरी तरह से पाकिस्तान के हाथ में खेल रहे हैं। यही वजह है कि भारत के चिकननेक को काटने की धमकी दी जा रही है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर को ही चिकननेक कहते हैं। यह कॉरिडोर 20-22 किलोमीटर चौड़ा है। इसके एक तरफ नेपाल- भूटान और दूसरी तरफ बांग्लादेश है, जो भारत की सुरक्षा के लिए बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। इस कॉरिडोर से ही असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम तक आवागमन होता है। अगर यह कट जाए, तो पूर्वोत्तर भारत बाकी देश से कट जाएगा। इसे ही काटने की धमकी बार-बार बांग्लादेश की धरती से दी जा रही है, हालांकि भारत ने वहां पर सैन्य तैनाती बढ़ा दी है।

बांग्लादेश के हुक्मरानों को भी पता है कि उनके भी अपने दो चिकन नेक क्षेत्र हैं, जो भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से कहीं ज्यादा संवेदनशील हैं। उनका पहला चिकननेक लगभग 80 किलोमीटर लंबा नॉर्थ बांग्लादेश कॉरिडोर है। यह दक्षिण दिनाजपुर से लेकर दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स तक फैला हुआ है। पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश के नेताओं को चेताया था कि इस चिकननेक में किसी भी तरह की रुकावट से पूरे रंगपुर डिवीजन को बांग्लादेश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह अलग किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने उनके दूसरे चिकननेक की बात की थी, जो 28 किलोमीटर लंबा चित्तागोंग कॉरिडोर है। यह कॉरिडोर दक्षिण त्रिपुरा से बंगाल की खाड़ी तक जाता है। यह कॉरिडोर बांग्लादेश की आर्थिक राजधानी चित्तागोंग को उनके राजनीतिक राजधानी ढाका से जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। यह कॉरिडोर भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से छोटा जरूर है, लेकिन इसकी महत्ता बहुत बड़ी है।

बांग्लादेश की सेना हो या वहां के हुक्मरान और नेता सभी को पता है कि वे सिर्फ गीदड़ भभकी दे सकते हैं। अगर उनकी सेना हमले करती है तो बांग्लादेश का नामोनिशान ही मिट जाएगा। यही वजह है कि बांग्लादेश की सेना के प्रमुख ने भारत विरोधी आंदोलन की शुरुआत होते ही स्थिति को संभालना शुरू कर दिया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने तो भारतीय सेना प्रमुख से बात कर स्थिति भी स्पष्ट की।

छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के लिए खतरा बन गया था। ऐसे में उसकी हत्या के पीछे साजिश हो सकती है।

सोशल फोरम

कभी कलकत्ता से लंदन तक चलती थी बस

शुएब गाजी
ब्लॉगर

1957 में शुरू हुई लंदन से कलकत्ता (अब कोलकाता) तक की यह ऐतिहासिक बस सेवा दुनिया के सबसे लंबे बस मार्गों में गिनी जाती थी। इसे Albert Travels द्वारा संचालित किया गया था। यह बस इंग्लैंड से चलकर बेल्जियम और यूरोप के कई देशों से होती हुई यूगोस्लाविया, तुर्की, ईरान, अफ़ग़ानिस्तान और पश्चिमी पाकिस्तान पार करती थी। भारत में प्रवेश के बाद यह नई दिल्ली, आगरा, इलाहाबाद और बनारस होते हुए अंततः कलकत्ता पहुंचती थी। यह मार्ग आगे चलकर 'हिप्पी रूट' के नाम से मशहूर हो गया।

लंदन से कलकत्ता पहुंचने में लगभग 50 दिन लगते थे। कुल दूरी थी करीब 32,669 किलोमीटर। यह सेवा 1976 तक जारी रही। उस समय पूरे सफ़र की क़ीमत थी 145, जिसमें भोजन, यात्रा और ठहरने की व्यवस्था शामिल थी। बस के बैकग्राउंड में खूबसूरत डोलमाबाहस मस्जिद नज़र आती थी, इसमें पढ़ने की सुविधा, हर यात्री के लिए अलग-अलग स्लीपिंग बंक और पंखों से चलने वाले हीटर मौजूद थे।

पूरी तरह सुसज्जित रसोईघर था और बाद के संस्करणों में ऊपरी डेक पर फ़ॉरवर्ड ऑब्ज़र्वेशन लाउंज भी जोड़ा गया। पार्टियों के लिए रेडियो और म्यूज़िक सिस्टम की सुविधा थी। रास्ते में यात्रियों को प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रुकने का समय मिलता था। बनारस के गंगा घाट, आगरा का ताज महल, साल्ज़बर्ग, वियना, इस्तांबुल, काबुल और तेहरान में ख़ास शॉपिंग ब्रेक भी आयोजित किए जाते थे। यह बस सिर्फ़ एक यात्रा नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता इतिहास थी।
–फेसबुक वाल से

सामयिकी

इस्लाम में बहस-मुबाहिसा के अर्थ और संस्कृति

कुरआन मजीद के सूरह नहर आयत नंबर 125 में खुदा के वजूद और दीन पर डिबेट करने का हुक्म है। बशर्ते शालीनता, कुशल व्यवहार, सभ्य, मर्यादित और मृदभाषी होकर अपने तर्क रखें। मुसलमानों के रसूल (मोहम्मद साहब) इस तरह की डिबेट करते थे। उनके बाद उनके सहाबी (खलीफा/इमाम) भी यहूदियों इत्यादि के साथ ऐसी डिबेट आयोजित करते थे। मुबाहिला नामक एक डिबेट काफी चर्चित रही है, धार्मिक किताबों में इसका खूब जिक्र है। चौदह सौ साल पहले खुदा के वजूद और दीन के लॉजिक पर दो पैनल्स बैठते थे, और खूब पब्लिक (ऑडियंस) इकट्ठा होती थी। ऐसी ऐतिहासिक बहसों का किताबों में जिक्र है।

चौदह सौ साल बाद आधुनिक डिजिटल युग में खुदा के अस्तित्व पर करोड़ों की ऑडियंस के बीच एक ऐसी डिबेट आजकल खूब चर्चा में है। एक मीडिया हाउस के यूट्यूब चैनल ने मशहूर गीतकार, लेखक जावेद अख्तर (जो नास्तिक हैं) और खुदा व उसके दीन पर यक़ीन रखने वाले मुफ्ती शमाइल नदवी (आस्तिक) के बीच एक लाइव डिबेट शो आयोजित हुआ, जिसे अब इंटरनेट के माध्यम से करोड़ों लोग देख चुके हैं। इस बहस पर सबकी अपनी अलग-अलग राय है। कोई कह रहा है कि मुफ्ती के तर्कों के आगे जावेद अख्तर धराशाई हो गए, तो कोई कह रहा है कि जावेद अख्तर के आगे मुफ्ती टिक नहीं पाए। आस्तिकों और नास्तिकों के बीच हर दौर में बहसें होती रही हैं।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

सनातन धर्म में धार्मिक डिबेट को शास्त्रार्थ नाम दिया गया है। शास्त्रार्थ का चलन तो पौराणिक और वैदिक काल से लेकर त्रेता युग तक रहा है। अब डिजिटल युग में भी आस्तिक और नास्तिक आमने-सामने हैं। जावेद अख्तर और मुफ्ती शमाइल नदवी की शालीन बहस चर्चा में है। नास्तिक अल्लाह-ईश्वर के अस्तित्व पर सवाल उठाते रहे और आस्तिक अपनी आस्था और विश्वास पर अड़े रहे, परमात्मा के वजूद के तर्क देते रहे, लेकिन कुछ सवाल हजारों वर्षों से जवाब के इंतजार में हैं। मसलन अल्लाह-ईश्वर दयालु व कृपालु है। रहीम और रहमान (रहम करने वाला) है। उसने मनुष्य को मानवता का संदेश दिया है। दया और रहम करने का आदेश दिया है। जियो और जीने के सिद्धांत पर अमल करने की ताकीद की है। दया, करुणा, प्रेम की हिदायत दी है।

पर अल्लाह/ईश्वर, गॉड ने अपनी रचना (कुदरत) में जुल्म को अनिवार्य क्यों रखा है! हिरन और शेर जैसे हजारों ऐसे जीव-जंतु बनाए जो जुल्म और अत्याचार के बिना जी ही नहीं सकते। शेर जिंदा हिरन को मारकर, चीरफाड़ खाता है। शेर जुल्म किए बिना जी ही नहीं सकता। यानी परमात्मा/अल्लाह ने जुल्म को सिस्टम से अनिवार्य रूप से जोड़ा है।

जल, थल वायु हर जगह खुदा की कुदरत का जुल्म बरपा है। बड़ी मछली छोटी मछली को खाएगी ही, बड़ा परिंदा छोटे परिंदे पर जुल्म किए बिना जीवित ही नहीं रह सकता। पशु-पक्षी, जीव-जंतु का वध करने या उन्हें मार के खाने के जुल्म को यदि इंसानों का कानून बंद भी कर दे, तब भी खुदा की कुदरत ये जुल्म जारी रहेगी। तो क्या इंसानों को प्रेम, करुणा और जियो और जीने दो का सिद्धांत सिखाने वाले खुदा के निज़ाम का वजूद ही जुल्म के ताने-बाने से बना है! हो सकता है, इन सवालों के जवाब हों पर इन सवालों के जवाब आजतक किसी आलिम ने नहीं दिए।

ऐसे सवालों के जवाब प्रत्येक धर्म के धार्मिक आलिमों (विद्वानों) को भविष्य में देने होगें!

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

अंतस

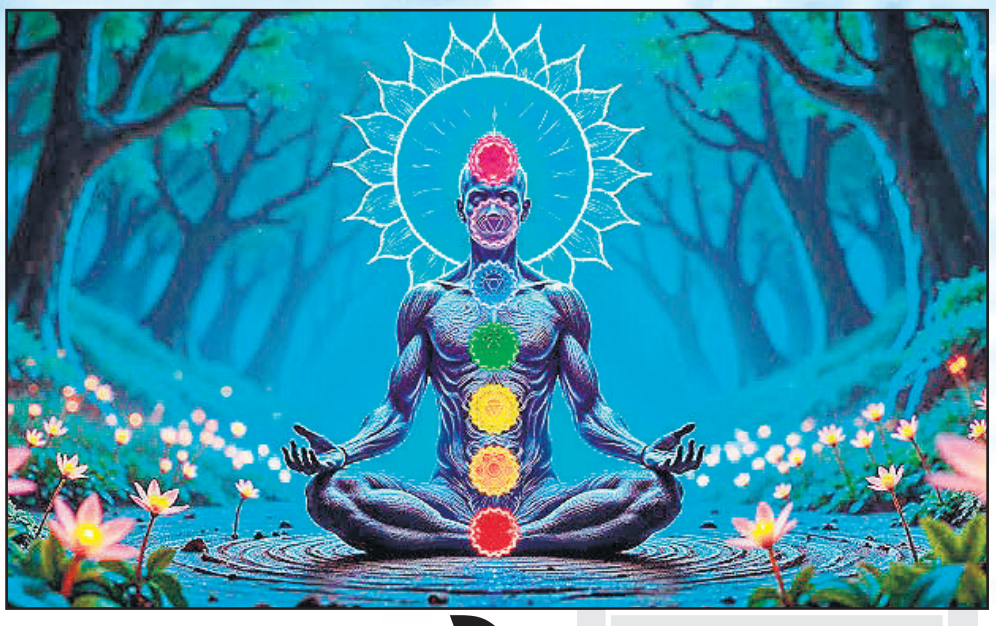

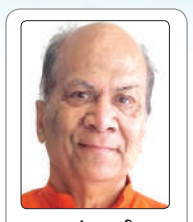

साधन को समझने से पूर्व यदि साधक साधना को समझ ले, तो साधन को समझना सरल हो जाता है। साधना शब्द को इसके मूल स्वरूप में ही समझें। इस भौतिक शरीर को अपने अनुकूल 'साधना' है। इस शरीर में स्थित इंद्रियों को, वासनाओं को साधना है, मन को साधना है। इन्हें किस क्रिया द्वारा साधना है और क्यों साधना है इस प्रश्न का उत्तर साधक को साधन निश्चित करने में सरलता प्रदान करता है। वह सारी क्रियाएं, जिनसे मनसा, वाचा, कर्मणा को साधना है, साधन है। इस साधन का अन्वेषण करने में ही साधकों का अधिकतर जीवन व्यतीत हो जाता है।

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

साधक को सबसे पहले लक्ष्य निश्चित करना होगा। अब लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है अथवा सिद्धियों की प्राप्ति या भगवद् प्राप्ति? विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण क्यों करता है-ज्ञान के लिए जिज्ञासा के लिए या केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री धारण करने से ज्ञान नहीं मिल सकता। बहुतों के पास ज्ञान है, डिग्री के बिना भी। मोक्ष डिग्री है, भगवद् प्राप्ति ज्ञान है। अध्यात्मिक सुख भगवद् प्राप्ति में मिलेगा। इस शरीर को भगवद् प्राप्ति के लिए तत्पर करना ही साधना की पहली सीढ़ी है। भगवान सच्चिदानंद स्वरूप हैं। अतः साधना पथ का गुरु भी सत्, चित्त एवं आनंद स्वरूप ही होना चाहिए।

साधना : साधक से साध्य तक की यात्रा

साधना सिद्धियां प्राप्त करने का साधन नहीं

साधना के लिए वैराग्य धारण करने की आवश्यकता नहीं है। वैराग्य से तप हो सकता है, भजन भी हो सकता है। तप भी एक साधन है, परंतु आज के इस कठिन काल में यह एक बहुत ही कठिन साधन है। वैराग्य में विरह का प्रभाव होता है। वैराग्य में विरह का आधिक्य होता है और प्रेम का अभाव होता है। परंतु भगवद् प्राप्ति के लिए तो प्रेम से भरा हुआ भावुक हृदय होना चाहिए। एक बात और समझनी होगी कि कहीं आपकी साधन का लक्ष्य और संपूर्णता सिद्धि तो नहीं है। यदि ऐसा है, तो समझ लें कि हम गलत मार्ग पर चल रहे हैं। साधना सिद्धियां प्राप्त करने का साधन कदापि नहीं है। सिद्धि धोखा है। सिद्धियां तो साधना पथ पर ईश्वर द्वारा फेंके गए अवरोध अथवा टुकड़े हैं। साधना भक्ति से होती है, ज्ञान से नहीं। भक्ति भी निर्मल, प्रेममयी बिना प्रतिकार की इच्छा और स्वार्थ के। ज्ञान से अभिमान तो हो सकता है, भक्ति नहीं। ज्ञान से अभिमान का दोष दूर होता है, परंतु ज्ञान से भक्ति नहीं की जा सकती है। बुद्धि और ज्ञान तो भौतिक सुखों के साधन ढूंढने में लग जाते हैं। साधना में सबसे बड़ा अवरोध है- अभिमान एवं आसक्ति और कुछ हद तक आलस्य भी। आलस्य को तो थोड़ा साधना करके मिटाया जा सकता है, परंतु अभिमान और आसक्ति को हटाना कठिन है और यह साधना पथ की एक क्रिया है। जिस प्रकार सैनिक बिना शस्त्र के अधूरा है, उसी प्रकार साधना बिना साधन के अधूरी है। साधन गुरु बताते हैं, परंतु ध्यान रखें कि साधन भी गुरु ही हैं। गुरु परमात्मा से मिलने का मार्ग बताते हैं, तो साधन भी परमात्मा से मिलने का मार्ग ही है। साधन सीढ़ी है, उस परमेश्वर से मिलने की। जिस प्रकार गुरु का स्थान गोविंद से बड़ा है, उसी प्रकार साधन को भी परमात्मा से बढ़कर मानना चाहिए।

राम बुलावा भेजिया, दिया कबीरा रोय।
जो सुख यहां सत्संग में सो बैकुंठ न होय।।

अपने साधन पर अभिमान न करें

ऐसी सभी क्रियाएं जो भगवद् प्रेम को बढ़ाएं, साधन है। "एहि कलिकाल न साधन दूजा, जोग, यज्ञ, जप, तप, व्रत, पूजा।" यह सभी साधन हैं, परंतु इनमें से पूजा के अतिरिक्त इस युग में अन्य अत्यंत कठिन हैं। पूजा भक्ति का ही दूसरा रूप है। ऐसी सभी क्रियाएं, जो ठाकुर को प्रसन्न करने के लिए की जाती हैं, भक्ति हैं और एक साधन है। भक्ति के लिए सर्वप्रथम श्रद्धा का होना अति आवश्यक है। बिना श्रद्धा के की गई भक्ति से प्रेम उत्पन्न नहीं होगा, जो कि साधक के लिए अत्यंत आवश्यक है। सभी साधन मार्ग ईश्वर के द्वार पार ही मिलते हैं। अपने साधन पर अभिमान न करें। साधन चुन लें और उस पर चल पड़ें, परेशान न हों। रास्ता अपने आप मिलता चला जाएगा। साधना में ज्ञान का अथवा बुद्धि का कोई स्थान नहीं है। केवल प्रेम से भरा हुआ हृदय चाहिए। यहां यह समझ लें कि यह लक्ष्य की प्राप्ति नहीं है- यह प्रारंभ है। यहां से साधना प्रारंभ होगी। ईश्वर का स्मरण होने लगेगा। ईश्वर का स्मरण करना नहीं होगा। वह स्वयमेव ही होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि हम साधना पथ पर ठीक चल रहे हैं।

पौराणिक कथा

नारद की दीक्षा और ध्रुव का उत्थान

मनु और शतरूपा के दो पुत्र थे, प्रियव्रत और उत्तानपाद। राजा उत्तानपाद की दो रानियां थीं, सुनीति और सुरुचि। सुनीति से उन्हें ध्रुव और सुरुचि से उत्तम नामक पुत्र प्राप्त हुए। यद्यपि सुनीति बड़ी रानी थीं, फिर भी राजा का विशेष स्नेह सुरुचि के प्रति था। एक दिन बालक ध्रुव अपने पिता की गोद में बैठकर खेल रहा था। तभी सुरुचि वहां आ पहुंची। सौतन के पुत्र को राजा की गोद में देखकर उसके मन में ईर्ष्या की ज्वाला भड़क उठी। उसने ध्रुव को झपटकर राजा की गोद से उतार दिया और अपने पुत्र उत्तम को बैठा दिया। क्रोध में उसने ध्रुव से कहा- "राजा की गोद और सिंहासन पर बैठने का अधिकार केवल उसी को है, जो मेरी कोख से जन्मा हो। तुम इसके अधिकारी नहीं हो।" सौतेली मां के कठोर शब्दों से पांच वर्ष का ध्रुव व्यथित हो उठा। आंखों में आंसू और हृदय में पीड़ा लिए वह अपनी मां सुनीति के पास पहुंचा और

सारी बात सुनाई। सुनीति ने धैर्यपूर्वक कहा-"पुत्र! यदि राजा का प्रेम हमें नहीं मिला, तो क्या हुआ? भगवान को अपना सहारा बनाओ। वही तुम्हारे सच्चे रक्षक हैं।" माता के वचनों से ध्रुव के मन में वैराग्य और भक्ति का बीज अंकुरित हुआ। वह भगवान की प्राप्ति के दृढ़ संकल्प के साथ राजभवन त्यागकर निकल पड़े। मार्ग में उनकी भेंट देवर्षि नारद से हुई। नारद जी ने बालक को समझाने का प्रयास किया, किंतु ध्रुव अपने निश्चय पर अडिग रहे। उनके दृढ़ संकल्प को देखकर नारद ने उन्हें मंत्र की दीक्षा दी। उधर राजा उत्तानपाद को पुत्र के चले जाने का गहरा पश्चाताप हो रहा था। देवर्षि नारद ने उन्हें ढाढ़स बंधाया और कहा कि ध्रुव भगवान की कृपा से महान यश प्राप्त करेंगे, जिससे राजा की कीर्ति भी संसार में फैलेगी। ध्रुव यमुना तट पर पहुंचकर नारद से प्राप्त मंत्र द्वारा भगवान नारायण की कठोर तपस्या में लीन हो गए। अनेक कष्टों और बाधाओं के बावजूद उनका संकल्प डिगा नहीं। उनकी तपस्या का तेज तीनों लोकों में फैलने लगा और 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' की गूंज वैकुंठ तक पहुंच गई। भगवान नारायण योगनिद्रा से जागे और बालक ध्रुव की भक्ति से प्रसन्न होकर प्रकट हुए। उन्होंने कहा- "वत्स! तुम्हारी भक्ति से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। तुम्हें ऐसा लोक प्रदान करता हूं, जो प्रलय में भी नष्ट नहीं होगा। वह तुम्हारे नाम से ध्रुवलोक कहलाएगा।" भगवान के वरदान से ध्रुव कालांतर में ध्रुव तारा बने- अटल, अमर और भक्ति के शाश्वत प्रतीक।

बोध कथा

अनुशासन का दीप

साल 1926 की बात है। महात्मा गांधी अपने दक्षिण भारत के प्रवास पर थे। उनके साथ उनके घनिष्ठ सहयोगी और श्रेष्ठ चिंतक काकासाहेब कालेलकर भी थे। यात्रा आगे बढ़ते-बढ़ते वे नागर कोइल पहुंचे, जो कन्याकुमारी के बहुत निकट है। पूर्व में इससे पहले की यात्रा में गांधी जी कन्याकुमारी जाकर वहां के प्राकृतिक मनोहर दृश्य देख आए थे। इस बार वे नागर कोइल के एक सरल, बहुत ही सज्जन गृहस्थ के घर ठहरे हुए थे।

गांधीजी ने उस गृहस्वामी को बुलाकर कहा, "मैं काका को कन्याकुमारी भेजना चाहता हूं, कृपया उनके लिए मोटर का प्रबंध कर दीजिए।" गृहस्वामी तुरंत व्यवस्था जुटाने में लग गए। कुछ देर बाद गांधीजी ने देखा कि काकासाहेब अभी भी वहीं बैठे हुए हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ, फिर उन्होंने गृहस्वामी से बुलाकर पूछा कि "काका के कन्याकुमारी जाने के मोटर की व्यवस्था हो गई या अभी बाकी है?"

गांधीजी की यह पूछताछ देखकर काकासाहेब को थोड़ा कौतूहल हुआ, क्योंकि बापू तो किसी को काम सौंप देने के बाद दुबारा पूछने की आदत नहीं रखते थे। वे सहज भाव से बोले, "बापू, आप भी साथ चलेंगे न?" इस प्रश्न पर गांधी जी मुस्कुराए, फिर शांत स्वर में बोले, "नहीं काका, बार-बार जाना मेरे भाग्य में नहीं है। एक बार देख आया, वही काफी है।" बापू का उत्तर सुनकर काकासाहेब कुछ उदास से हो गए। काकसाहेब चाहते थे कि बापू भी कन्याकुमारी के मनोरम और मनोहर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद फिर एक बार उनके साथ उठाएं।

बापू ने उनके मन की अवस्था भांप ली। क्षणभर मौन रहने के बाद वे गंभीर स्वर में बोले, "काका, हम एक विशाल आंदोलन का बोझ अपने कंधों पर लिए चल रहे हैं। हजारों स्वयंसेवक देश सेवा में जुटे हुए हैं। यदि मैं स्वयं रमणीय स्थलों के आकर्षण में पड़ जाऊं, तो वे सब भी यही अनुकरण करेंगे। मेरे लिए संयम ही श्रेयस्कर है। जब राष्ट्र की सेवा का व्रत लिया है, तो अपने व्यक्तिगत सुख-सौंदर्य के लोभ को त्याग देना ही उचित है।"

बापू की बातें सुनकर काकासाहेब के मन का गुबार क्षण भर में दूर हो गया। उन्हें समझ आया कि गांधीजी का जीवन केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उन सभी के लिए एक आदर्श था, जो स्वतंत्रता के पथ पर चल रहे थे। एक नेता की हर छोटी-बड़ी क्रिया, हर इच्छा और हर त्याग अनगिनत अनुयायियों को दिशा देता है।

इससे हमें यह सीख मिलता है कि सच्चा नेतृत्व केवल शब्दों से नहीं, बल्कि आचरण से प्रकट होता है। लोभ और आकर्षण हर किसी के जीवन में आते हैं, परंतु जो व्यक्ति बड़े उद्देश्य के लिए स्वयं पर नियंत्रण रख पाता है, वही समाज का वास्तविक मार्गदर्शक बनता है। वास्तव में महानता बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि भीतर के अनुशासन, त्याग और दृढ़ संकल्प में निहित है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

सनातन धर्म का वास्तविक अर्थ धर्म नहीं सत्य है

सनातन शब्द को प्राचीन वैदिक संस्कृति से जोड़कर देखा जाता है, जिसका संबंध भारत भूमि से है। वैदिक संस्कृति भारत की प्राचीन संस्कृति है और आस्था का मुख्य केंद्र भी है, इसी वैदिक संस्कृति के ज्ञान को सत्य ज्ञान कहा गया है, सत्य को ही सनातन कहा गया है 'अर्थात' वैदिक संस्कृति का वह ज्ञान जो संपूर्ण सत्य है, यह सत्य सदा के लिए है और जो सदा के लिए है वही सनातन है, इसीलिए वैदिक धर्म को ही सनातन धर्म भी कहा जाता है, सनातन शब्द का शाब्दिक अर्थ 'सदा से रहा है, सदा के लिए है और सदा ही रहेगा' अर्थात जो सदा ही है कभी न मिटने वाला वह अनंत काल से अनंत काल तक शाश्वत है, वहीं सनातन है'।

मोहन सिंह बिष्ट
समाजसेवी

विश्व की सभी संस्कृतियों में अति प्राचीन भारतीय वैदिक संस्कृति, से उद्धृत विश्व का सबसे प्राचीन धर्म सनातन धर्म है, जिसे मानने वाले हिन्दू धर्मावलंबी आज भी सनातन धर्मी कहलाते हैं। सनातन शब्द का अर्थ बड़ा ही व्यापक है। पूरे विश्व में मुख्य रूप से आस्तिक और नास्तिक दो विचारधारा हैं। आस्तिक वे हैं, जिनका विश्वास ईश्वर में है, उनमें इस सृष्टि की रचना ईश्वर द्वारा किए जाने की मान्यता है तथा नास्तिक वे हैं, जिनकी मान्यता इस सृष्टि की स्थापना स्वतः से हुई वे ईश्वर को मानने से इंकार करते हैं, वहीं आस्तिक विचारधारा कई धर्मों संप्रदायों की अपनी अलग-अलग मान्यताओं और परंपराओं में विभक्त है, वे इस सृष्टि को बनाने वाले एक ईश्वर में आस्था और विश्वास समान रूप से रखते हैं, लेकिन उनकी आस्था और विश्वास एक दूसरे से भिन्न-भिन्न रहते हैं, परंतु इसके बावजूद भी पूरे विश्व के सभी धर्मों और विचारधाराओं के मूल में सनातन धर्म में उल्लिखित किसी न किसी मत अथवा विश्वास की ही प्रेरणा दिखाई देती है इसीलिए आज भी बहुसंख्य सनातन मतावलंबी सनातन को कभी न समाप्त होने वाले धर्म के रूप में अटूट आस्था रखते हैं तथा सनातन धर्म को साक्षात् ईश्वर द्वारा स्वयं स्थापित मानते हैं।

वर्तमान में जो भी विश्व में संस्कृति या सभ्यताएं हैं। उन सभी धर्मों और सभ्यताओं का इतिहास लगभग 2 से 3000 साल के भीतर का ही है, अगर इन्हें इनके ऐतिहासिक क्रम में देखा जाए, तो आज भी भारतीय प्राचीन संस्कृति और सभ्यता सबसे प्राचीन है। भारत की सनातन संस्कृति ही एक ऐसी संस्कृति है, जिसका कोई एक ग्रंथ नहीं है और कोई एक पैगंबर या ईश्वर का दूत नहीं है। इसके अलावा मुख्य कुछ ग्रंथों महाकाव्यों के अलावा सैकड़ों रचनाएं, पुस्तकें और पांडुलिपियां, जिनमें संपूर्ण सृष्टि की काल गणना से लेकर भूत, वर्तमान और भविष्य की काल गणनाएं वर्णित हैं, जिन्हें धार्मिक कर्म कांडों परंपराओं, जप तप व्रत, त्योहारों, उत्सवों कथा कहानियों स्मृतियों इत्यादि के माध्यम से जन-जन को लाभान्वित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित किया गया है, जो पूर्ण रूप से सत्य है तथा उसके मूल में विज्ञान ही है सनातन संस्कृति का ज्ञान पूर्णतः विज्ञान पर आधारित विस्तृत विषय है। सनातन संस्कृति का मुख्य आधार 4 प्रमुख ग्रंथ वेद हैं, वेदों में इस संपूर्ण सृष्टि का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ज्ञान अतुलनीय है। सृष्टि के उदय होने से लेकर उसके विस्मरण के तक का उल्लेख है।

देश काल पारिस्थितिकीय परिवर्तन से सत्य परिवर्तित नहीं होता है, उसी प्रकार सनातन संस्कृति का ज्ञान सृष्टि के सत्य स्वरूप में है, उसका सत्य का यह रूप ही उसे सनातन किए हुए है। सत्य ही सनातन से तात्पर्य, सत्य अपने मूल भाव को नहीं छोड़ता है।

इसके अलावा अन्य सभी ग्रंथ, श्रुतियां, स्मृतियां काव्य, महाकाव्य एवं धार्मिक पुस्तके संपूर्ण सृष्टि एवं मानव सभ्यता के विभिन्न काल खंडों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष घटित घटनाओं का इतिहास बताते हैं और एक आदर्श मानव जीवन को प्रतिष्ठित और संरक्षित करते हैं। ये सभी पूर्णतः वैज्ञानिक और पूर्ण रूप से व्यावहारिक भी हैं। इन नियमों सिद्धांतों पर आज विभिन्न विषय के विद्वान, वैज्ञानिक अपने शोध करके उसके सत्य को सामने लाते रहते हैं, जिन्हें आज विभिन्न संचार के माध्यमों पुस्तकों, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में छपे लेखों और सोशल मीडिया प्लेट फार्मों के माध्यमों से हम अवगत होते रहते हैं, सनातन संस्कृति का ज्ञान सत्य ज्ञान है। सनातन संस्कृति कोई संस्कृति या धर्म नहीं,

बल्कि सत्य संस्कृति और सत्य धर्म ही है, जो सरल और शाश्वत है, जिस प्रकार सत्य को आप जिस स्थिति से परखेंगे, सत्य वास्तव में सत्य ही रहता है। देश काल पारिस्थितिकीय परिवर्तन से सत्य परिवर्तित नहीं होता है, उसी प्रकार सनातन संस्कृति का ज्ञान सृष्टि के सत्य स्वरूप में है, उसका सत्य का यह रूप ही उसे सनातन किए हुए है।

सत्य ही सनातन से तात्पर्य, सत्य अपने मूल भाव को नहीं छोड़ता है। वह जितना भी प्राचीन हो, आज सनातन को इसीलिए सभी धर्मों, संप्रदायों और परंपराओं की जननी भी कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह प्राचीन काल से ही सत्य सिद्धांतों पर आधारित है और अनंत काल तक इसके सिद्धांत सत्य ही रहेंगे, क्योंकि यह किसी धर्म सभ्यता और संप्रदाय पंथ के लिए न होकर संपूर्ण मानव के कल्याण एवं उन्हें बिना भेदभाव के सुंदर और व्यवस्थित जीवन जीने के लिए है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,567.48	26,172.40
बढ़त	638.12	206
प्रतिशत में	0.75	0.79

सोना 1,38,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,14,500 प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आर्सेलरमित्तल लगाएगी हरित ऊर्जा परियोजनाएं

नई दिल्ली। आर्सेलरमित्तल ने सोमवार को भारत में तीन नई स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की योजना की घोषणा की। इन पर कुल 90 करोड़ डॉलर व्यय होगा। कंपनी का उद्देश्य हरित ऊर्जा क्षमता को दोगुना करके दो गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) तक पहुंचाना है। कंपनी ने कहा कि ये परियोजनाएं महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात में स्थापित होंगी, जिनकी संयुक्त क्षमता एक गीगावाट सौर और पवन ऊर्जा होगी। इनके पूरा होने पर कंपनी की कुल वैश्विक ऊर्जा क्षमता 3.3 गीगावाट हो जाएगी।

उद्यमियों को लुभाने में जुटा अबू धाबी का हब71

अबू धाबी। अबू धाबी का हब71 एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम को जोड़ने वाले केंद्र के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करने में जुटा है। हब71 टेक इकोसिस्टम में वृद्धि और रणनीति के प्रमुख पीटर अबू हाशेम ने कहा कि स्टार्टअप मंच का मकसद अबू धाबी को शीर्ष वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र बनाना है। हाल में भारत से लौटे हाशेम ने कहा कि हमारा लक्ष्य अबू धाबी की अर्थव्यवस्था को तेल-प्रधान जीडीपी से विविधीकृत बनाने में मदद करना है और अबू धाबी को वैश्विक प्रौद्योगिकी तंत्र में बदलना है। हब71 वर्ष 2019 में शुरुआत के बाद से 20 से अधिक क्षेत्रों में फैले स्टार्टअप के साथ विकसित हुआ है।

रियल्टी क्षेत्र में 10.4 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में 2025 के दौरान संस्थागत निवेश 17% बढ़कर रिकॉर्ड 10.4 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। जेएलएल ने कहा कि बेहतर प्रतिफल के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों निवेशकों ने वाणिज्यिक और आवासीय परियोजनाओं में पूंजी लगाई है। रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने सोमवार को बताया कि 2025 में भारतीय रियल एस्टेट में कुल संस्थागत निवेश का 52% योगदान घरेलू निवेशकों का रहा। बाकी 48% विदेशी कोषों से आया। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश का अनुमान 1,040 करोड़ डॉलर है, जबकि 2024 में यह 887.8 करोड़ डॉलर था।

किसानों-एमएसएमई के हितों को दिया महत्व

डेयरी, सब्जियों, चीनी, तांबा, एल्युमिनियम पर न्यूजीलैंड को भारत की ओर से नहीं दी जाएगी शुल्क रियायत

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए

- हथियार-गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण पर शुल्क रियायत नहीं देना का लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने न्यूजीलैंड के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों को प्राथमिकता देते हुए डेयरी, पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, तांबा और एल्युमिनियम जैसे कई संवेदनशील क्षेत्रों में कोई भी शुल्क रियायत नहीं देने का फैसला किया है। दोनों देशों ने सोमवार को एफटीए वार्ता पूरी होने और तीन महीनों के भीतर समझौते पर हस्ताक्षर होने की घोषणा की।

इस समझौते के अगले वर्ष लागू हो जाने की उम्मीद है। समझौते के तहत जिन उत्पादों को शुल्क रियायत सूची से बाहर रखा गया है, उनमें डेयरी उत्पाद (दूध, क्रीम, दही, पनीर), पशु उत्पाद (भेड़ के मांस को छोड़कर), सब्जी उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का), चीनी, कृत्रिम शहद तथा पशु, वनस्पति या सूक्ष्मजीव आधारित वसा एवं तेल शामिल हैं। इनके अलावा हथियार और गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा और उससे बने उत्पाद और एल्युमिनियम एवं उससे संबंधित वस्तुओं पर भी भारत, न्यूजीलैंड को किसी तरह की शुल्क रियायत नहीं देगा। हालांकि, कुछ कृषि उत्पादों में भारत ने सीमित बाजार पहुंच दी है, लेकिन इसे 'शुल्क दर कोटा' (टीआरक्यू) और न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) के साथ जोड़ा गया है। इनमें मनुका शहद, सेब, कीवी फल और दवाओं में इस्तेमाल होने वाला एल्ब्यूमिन शामिल हैं। वर्तमान में न्यूजीलैंड के खास उत्पाद मनुका शहद पर 66 प्रतिशत शुल्क लगता है।

समझौते के तहत भारत इस शहद के सालाना 200 टन तक आयात पर रियायत देगा, जिसमें एमआईपी 20 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोग्राम तय किया गया है। इस पर पांच साल में 75 प्रतिशत तक शुल्क कटौती की जाएगी। कोटा से अधिक आयात पर एमआईपी 30 डॉलर प्रति किलोग्राम होगा। सेब के मामले में मौजूदा शुल्क 50 प्रतिशत है। पहले वर्ष में 32,500 टन और छठे वर्ष तक 45,000 टन तक सेब आयात पर 25% शुल्क और 1.25 डॉलर प्रति किलोग्राम का एमआईपी लागू होगा।

भारत न्यूजीलैंड के बीच हुए एफटीए की जानकारी देते केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, साथ में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल।

दुग्ध क्षेत्र संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मुद्दा

भारत ने द्विपक्षीय समझौते के तहत न्यूजीलैंड को अपने दुग्ध क्षेत्र में आयात शुल्क में कोई रियायत नहीं दी है। दोनों पक्षों ने एफटीए पर बातचीत संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। अधिकारी ने कहा कि दुग्ध क्षेत्र हमारे लिए लक्ष्मण रेखा है। भारत ने सभी समझौतों में बड़ी मात्रा में दुग्ध आयात के लिए दरवाजा खोलने का विरोध किया है। दुग्ध क्षेत्र लंबे समय से वार्ता में सबसे संवेदनशील एवं राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। न्यूजीलैंड सबसे बड़े दुग्ध निर्यातकों में से एक है जबकि भारत लाखों छोटे दुग्ध किसानों का घर है जिनके लिए बाजार संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण है। 2024-25 में भारत को न्यूजीलैंड के दुग्ध निर्यात का कुल मूल्य मात्र 10.7 लाख डॉलर था। इसमें दूध व क्रीम (4 लाख डॉलर), प्राकृतिक शहद (3.2 लाख डॉलर), मोजेरेला चीज (1.8 लाख डॉलर), मक्खन (90 हजार डॉलर) और स्किम्ड मिल्क' (80 हजार डॉलर) है।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते की मुख्य बातें

- भारत के 100% निर्यात पर शून्य शुल्क वाली बाजार पहुंच। भारत ने 70% श्रेणियों में शुल्क उदारीकरण की पेशकश की है जिसके दायरे में भारत-न्यूजीलैंड द्विपक्षीय व्यापार का 95% हिस्सा आता है।
- यह बाजार पहुंच भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग सामान तथा मोटर वाहन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाती है।
- किसी भी विकसित देश के साथ सबसे तेजी से संपन्न हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता, वस्त्र, दवा, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान एवं कृषि उत्पादों सहित सभी भारतीय निर्यातों के लिए वर्ष का शानदार समापन सुनिश्चित करता है।
- 5,000 पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा और 1,000 कार्य एवं अवकाश वीजा का समर्पित कोटा।
- न्यूजीलैंड ने 15 वर्ष में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई है।
- उत्पादकता बढ़ाने के लिए न्यूजीलैंड द्वारा सेब, कीवी फल और शहद के लिए उत्कृष्टता केंद्रों के जरिये कृषि उत्पादकता साझेदारी की स्थापना।
- विनिर्माण क्षेत्र के लिए शुल्क मुक्त कच्चे माल: लकड़ी के लट्ठे, कोकिंग कोयला, धातुओं का अपशिष्ट एवं कबाड़ (स्क्रैप)।
- आयुष, संस्कृति, मत्स्य पालन, ऑडियो-विजुअल पर्यटन, वानिकी, बागवानी और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों में सहयोग पर सहमति बनी है।
- शुल्क उदारीकरण के अलावा, मुक्त व्यापार समझौते में बेहतर नियामक सहयोग के माध्यम से गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने के प्रावधान भी शामिल हैं।
- 2024-25 में द्विपक्षीय माल व्यापार 1.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि वस्तुओं व सेवाओं का कुल व्यापार 2024 में 2.4 अरब डॉलर रहा। इसमें केवल सेवाओं का योगदान 1.24 अरब डॉलर था।

न्यूजीलैंड को भारत में डेयरी उत्पादन और 100% निर्यात की अनुमति

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत न्यूजीलैंड की कंपनियां भारत में डेयरी का कच्चा माल या सामग्री लाकर उसमें से उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बना सकती हैं और फिर उन सभीको पूरी तरह से विदेशों में बेच सकती हैं। गोयल ने कहा कि इस व्यवस्था से भारत को न्यूजीलैंड और अन्य देशों को निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक फास्टट्रैक निवेश प्रक्रिया लागू की जाएगी, जो सिर्फ निर्यात के लिए उत्पाद बनाने वाले निवेश के लिए उपयोग होगी। साथ ही गोयल ने स्पष्ट किया कि डेयरी के लिए भारत ने कभी भी आयात शुल्क में छूट नहीं दी है और भविष्य में भी नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। प्रस्तावित एफटीए में डेयरी क्षेत्र पर एक सलाह-पत्र भी जोड़ा गया है, जिसमें दोनों पक्ष समझौते की समीक्षा के दौरान परामर्श कर सकते हैं, लेकिन इसका कोई बाध्यकारी अर्थ नहीं है। गोयल ने बताया कि न्यूजीलैंड इस बात को लेकर चिंतित था कि यदि भारत भविष्य में किसी समतुल्य देश के लिए अपना डेयरी क्षेत्र खोले, तो उसे भी समान लाभ देने पर चर्चा का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि हमने किसी भी एफटीए में किसी के लिए भी डेयरी क्षेत्र नहीं खोला है। भारत कभी भी अपना डेयरी क्षेत्र नहीं खोलने वाला है, इसलिए उस चिंता का कोई मतलब नहीं है। यह सिर्फ एक परामर्श है, कोई प्रतिबद्धता नहीं है। डेयरी भारत के लिए हमेशा ही संवेदनशील और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। इस वजह से भारत ने किसी भी देश के साथ समझौते में डेयरी क्षेत्र को शामिल नहीं किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में न्यूजीलैंड का भारत में डेयरी निर्यात केवल 10.7 लाख डॉलर था।

समझौते से व्यापार को मिलेगी गति : उद्योग

उद्योग जगत ने भारत और न्यूजीलैंड के समझौते के लिए वार्ता संपन्न होने का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि प्रस्तावित समझौते से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलने और दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यह समझौता घरेलू वस्तुओं विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों से आने वाली वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा और इसमें 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्रतिबद्धता शामिल है। इससे पांच वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना पांच अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक जुड़ाव को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार, निवेश प्रवाह और सहयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर सृजित होंगे। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सीईओ और महासचिव रंजीत मेहता ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता व्यापार उदारीकरण को प्रतिभा आवाजाही, निवेश और उत्पादकता-आधारित सहयोग के साथ जोड़ने वाला अगली पीढ़ी का समझौता है। यह समझौता नीतिगत निश्चितता प्रदान करता है और विनिर्माण के लिए कच्चे माल कर लागत को कम करता है, जिससे दीर्घकालिक मजबूती की संभावना बनती है।

विदेशी निवेशकों ने दी बाजार को मजबूती

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला सोमवार को दूसरे कारोबारी सत्र में जारी रहा और बीएसई का सेंसेक्स 638 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई का निफ्टी 26,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निवेश तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में और कटौती की उम्मीद से निवेशकों की धारणा सकारात्मक रहने से बाजार बढ़त में रहा।

सेंसेक्स 638.12 अंक चढ़कर 85,567.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 671.97 अंक चढ़ा था। निफ्टी 206 अंक चढ़कर 26,000 अंक के पार 26,172.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट में सर्वाधिक 3.56% की तेजी रही। इसके अलावा इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टीसीएस, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स, रिलायंस और मारुति लाभ में रहीं। वहीं, एसबीआई 0.6% गिरावट रही। वहीं, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और टाइटन भी नुकसान में रहे।

- फेडरल रिजर्व की दर में और कटौती की उम्मीद से निवेशकों की धारणा रही सकारात्मक

स्मॉलकैप और मिडकैप में भी दिखी मजबूती

बीएसई का स्मॉलकैप 1.12 और मिडकैप 0.86% मजबूत हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में 2,796 के शेयर लाभ में, जबकि 1,514 शेयर नुकसान में रहे। 191 शेयर के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,830.89 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 5,722.89 करोड़ के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.86 प्रतिशत बढ़कर 60.99 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहा।

8 बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 1.8%

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की वृद्धि दर नवंबर में घटकर 1.8 प्रतिशत रह गई। यह नवंबर 2024 में 5.8 प्रतिशत थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और बिजली उत्पादन में गिरावट से यह सुस्ती आई है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि इन क्षेत्रों का प्रदर्शन मासिक आधार पर सुधरा है। अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, बिजली, उर्वरक और इस्पात का उत्पादन घटकर शून्य से नीचे 0.1 प्रतिशत पर आ गया था। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-नवंबर अवधि में इन क्षेत्रों का उत्पादन 2.4 प्रतिशत बढ़ा जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रही थी।

राष्ट्रीय

तत्काल मामलों को सूचीबद्ध करेगी कोर्ट

सीजेआई बोले- अवकाश के दौरान तत्काल हस्तक्षेप वाले मामलों पर विचार के लिए विशेष पीठ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को वकीलों से मामलों की तत्काल सुनवाई के लिए उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री से संपर्क करने को कहा, जो कारणों की जांच करेगी और तदनुसार मामले को सूचीबद्ध करेगी। प्रधान न्यायाधीश के साथ विशेष अवकाशकालीन पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे।

इस दौरान प्रधान न्यायाधीश ने तीन टिप्पणियां कीं। पीठ ने जैसे ही मामलों की सुनवाई शुरू की तो वकीलों ने तत्काल सुनवाई वाले मामलों का उल्लेख करना शुरू कर दिया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जिक्र करने के बजाय, रजिस्ट्री को कारण बताएं। कारणों की पड़ताल की जाएगी और यदि वे अत्यावश्यक पाए जाते हैं तो उन्हें संभवतः 26 दिसंबर या 29 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। अवकाश अवधि के दौरान तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले महत्वपूर्ण मामलों पर समय पर विचार के लिए विशेष पीठ बैठी है। शुक्रवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा था कि वह 22 दिसंबर को अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई के लिए तैयार हैं। यह उच्चतम न्यायालय की क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों का पहला दिन है।

प्रधानमंत्री मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने संबंधी याचिका दाखिल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर 'चादर' चढ़ाने से रोकने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। यह मामला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष आया। पीठ ने कहा कि आज सूचीबद्ध नहीं। उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं जितेंद्र सिंह और अन्य की ओर से पेश अधिवक्ता बरुन सिन्हा को रजिस्ट्री से संपर्क करने को कहा। याचिका में कहा गया है कि यह निवेदन किया जाता है कि भारत के प्रधानमंत्री की ओर से मोइनुद्दीन चिश्ती की अजमेर स्थित दरगाह पर चादर चढ़ाने की प्रथा की शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1947 में की थी और यह तब से जारी है और इसका कोई कानूनी या संवैधानिक आधार नहीं है। याचिका के अनुसार, ऐतिहासिक अभिलेखों से पता चलता है कि मोइनुद्दीन चिश्ती उन विदेशी आक्रमणों से जुड़े थे जिन्होंने दिल्ली और अजमेर पर विजय प्राप्त की और स्थानीय आबादी का बड़े पैमाने पर दमन किया और धर्मांतरण किया, जो भारत की संप्रभुता, गरिमा और सभ्यतागत मूल्यों के बिल्कुल विपरीत थे।

धोखाधड़ी मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री कोकाटे की दोषसिद्धि पर रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री माणिकराव कोकाटे की दोषसिद्धि पर सोमवार को रोक लगा दी और स्पष्ट किया कि विधायक के रूप में उन्हें अयोग्य करार नहीं दिया जाएगा। मामला 1989-1992 में 30,000 रुपये की वार्षिक आय सीमा वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आवासीय योजना से संबंधित है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने कोकाटे की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता की दोषसिद्धि स्थगित रहेगी और उन्हें विधायक के रूप में अयोग्य नहीं ठहराया जाएगा। कोकाटे नासिक जिले की सिन्नार से विधायक हैं। उन्हें इस साल फरवरी में दोषी करार दिए जाने और दो साल की सजा सुनाने के मजिस्ट्रेट के फैसले को नासिक सत्र अदालत ने 16 दिसंबर को बरकरार रखा था।

ईडी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सोनिया, राहुल से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से ईडी की उस याचिका पर जवाब देने को कहा, जिसमें नेशनल हेराल्ड मामले में उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इन्कार करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने गांधी परिवार और अन्य लोगों को मुख्य याचिका के साथ ईडी के उस आवेदन पर भी नोटिस जारी किया, जिसमें 16 दिसंबर के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

नेशनल हेराल्ड

- नोटिस जारी किया, मामले पर 12 मार्च को होगी सुनवाई

निचली अदालत ने कहा था कि इस मामले में एजेंसी की शिकायत का संज्ञान लेना कानूनी रूप से अस्वीकार्य है क्योंकि यह प्राथमिकी पर आधारित नहीं है। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 मार्च 2026 की तारीख तय की। इस मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ईडी का प्रतिनिधित्व किया, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और आर एस चीमा ने गांधी परिवार की ओर से पैरवी की। निचली अदालत ने आदेश में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की अनुसूची में उल्लिखित अपराध के लिए प्राथमिकी के अभाव में धन शोधन के अपराध से संबंधित जांच और उसके परिणामस्वरूप अभियोग शिकायत (आरोपपत्र के समकक्ष) मान्य नहीं है।

आरयूएएस के दीक्षांत समारोह में दीं 2,095 डिग्री, 107 पदक

बेंगलुरु। रामैया अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएएस) ने सोमवार को आरएमसी सभागार में अपने 10वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को 2,095 डिग्रियां प्रदान कीं। इनमें 50 पीएचडी, 698 स्नातकोत्तर और 1,347 स्नातक डिग्रियां शामिल थीं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन पर मेधावी छात्रों को 107 पदक भी प्रदान किए गए।

रामैया राष्ट्रगान के गायन से समारोह का शुभारंभ होने के बाद भारतीय विज्ञान संस्थान के नैनो विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र में डीन प्रो. नवकांत भट ने स्नातक होने वाले छात्रों को 'जेनरेशन जेड' से संबंधित बताते हुए कहा कि दुनिया 21वीं सदी के पहले चौथाई भाग के समापन के करीब है और यह पीढ़ी स्मार्टफोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया, डिजिटल बैंकिंग और उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ पली-बढ़ी है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए आरयूएएस के कुलपति डॉ. एमआर जयराम ने स्नातकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह डिग्री केवल अकादमिक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि उद्देश्य, महत्वाकांक्षा और असीमित संभावनाओं से भरी सार्थक यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं का है जो अलग सोचते हैं। आरयूएएस के प्रो-वाइस चांसलर, प्रो. कुलदीप कुमार रैना ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अब तक 11,000 से अधिक प्रतिभाशाली छात्रों को डिग्री प्रदान की है और वर्तमान स्नातक इस विरासत में गौरवपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

एसआईआर प्रक्रिया के दबाव को लेकर बीएलओ का विरोध प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

- सीईओ कार्यालय के सामने पुलिस से हुई झड़प, सुरक्षा बल तैनात

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रति झुकाव रखने वाली बीएलओ अधिकार रक्षा समिति से संबद्ध 400 प्रदर्शनकारियों ने बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) पर काम के दबाव को लेकर सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया तथा पुलिस से उनकी झड़प भी हुई।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक पर चढ़ने और सीईओ कार्यालय के मुख्य द्वार की ओर बढ़ने की कोशिश की। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान प. बंगाल में बीएलओ पर कथित तौर पर काम का दबाव बढ़ने और दिशानिर्देशों में बार-बार होने वाले बदलावों को लेकर प्रदर्शनकारी सीईओ मनोज अग्रवाल को शिकायतें देना चाहते थे। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका, जिसके चलते झड़प हुई और कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश में पुलिस का एक अधिकारी घायल हो गया, जबकि प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि एक महिला प्रदर्शनकारी से पुलिस ने मारपीट की।

अदालत ने पूर्व विधायक विजय मिश्रा, अन्य के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र का लिया संज्ञान

नई दिल्ली। लखनऊ में विशेष अदालत ने ईडी द्वारा उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक दंपति विजय मिश्रा और रामलाली मिश्रा तथा तीन अन्य के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोप में दायर अभियोजन शिकायत का संज्ञान लिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस साल 31 जुलाई को दायर अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) में धन शोधन रोधी एजेंसी ने मिश्रा दंपति के बेटे विष्णु मिश्रा, उनके द्वारा स्थापित कंपनी वीएसपी स्टारर रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड और उनके सहयोगी भोलानाथ राजपति शुक्ला का नाम भी शामिल किया है। ईडी ने कहा कि विशेष अदालत ने 18 नवंबर को आरोपों का संज्ञान लिया। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज किए गए एक मामले के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें मिश्रा दंपति पर अपने कार्यकाल के दौरान 36.07 करोड़ रुपये की आय से ज्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया गया है।

वीबी-जी राम जी अधिनियम पर भाजपा-कांग्रेस में रार

नई दिल्ली, एजेंसी

- सोनिया बोलीं- मनरेगा पर सरकार ने चलाया बुलडोजर, भाजपा ने इसे राजनीतिक कल्पना की उड़ान दिया करार

भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वीबी-जी-राम जी अधिनियम को लेकर किए दावों को राजनीतिक कल्पना की उड़ान करार दिया और आरोप लगाया कि कानून के खिलाफ उनके तर्क गलत व्याख्याओं, चुनिंदा स्मृति और झूठ पर आधारित हैं। मनरेगा की जगह लेने वाले विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) विधेयक रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के साथ अधिनियम बन गया। संसद ने अपने शीतकालीन सत्र के दौरान विधेयक पारित किया।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) पर बुलडोजर चला दिया है और करोड़ों किसानों, श्रमिकों एवं भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर उन अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया गया जो सभी की सुरक्षा करते हैं। द हिंदू के एक संपादकीय में, सोनिया गांधी ने कहा कि मनरेगा की मौत एक सामूहिक विफलता है।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर कहा कि मनरेगा पर सोनिया गांधी का हालिया लेख कानून या आंकड़ों के साथ गंभीर जुड़ाव के बजाय राजनीतिक कल्पना की उड़ान जैसा है। यह स्पष्ट है कि उन्होंने वीबी-जी राम जी अधिनियम नहीं पढ़ा है, क्योंकि उनके तर्क गलत व्याख्याओं, चयनात्मक स्मृति और सरासर झूठ पर आधारित हैं।

मनरेगा का खत्म होना सामूहिक विफलता : सोनिया

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को मोदी सरकार पर मनरेगा को डेथ बाई थाउजेंड कट्स स्ट्रैटजी (हजार छोटे-छोटे घाव देकर खत्म करने की रणनीति) से खत्म करने का आरोप लगाया और कहा कि महात्मा गांधी के सर्वोदय के दृष्टिकोण को साकार करने वाली योजना का अंत होना हम सबकी नैतिक विफलता है तथा इसके भयावह असर होंगे। सोनिया ने अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में लिखे लेख में कहा कि अपने अधिकारों की रक्षा करने के लिए मिलकर संघर्ष करना जरूरी हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को विकसित भारत -जी राम जी'' विधेयक को मंजूरी दे दी। साथ ही यह अब अधिनियम बन गया है और इस संबंध में अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई है। बीते गुरुवार को यह विधेयक संसद से पारित किया गया था। सोनिया गांधी ने लिखा कि कुछ दिन में मोदी सरकार ने चर्चा, परामर्श या संसदीय प्रक्रियाओं तथा केंद्र-राज्य संबंधों के प्रति सम्मान के बिना मनरेगा को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाने का प्रयास किया है। योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना तो बानगी भर है। मनरेगा की वह पूरी संरचना, जो उसके प्रभाव के लिए आवश्यक थी, नष्ट कर दी गई है। उन्होंने यह दावा भी किया कि राज्यों की वित्तीय स्थिति, जो पहले से ही गंभीर दबाव और संकट में है, अब और अधिक तबाह हो जाएगी।

मॉस्को में हुए कार बम विस्फोट में रूस के लेफ्टिनेंट जनरल की मौत, यूक्रेन पर शक

● एक साल में वरिष्ठ सेनाधिकारी की हत्या का तीसरा मामला

मॉस्को, एजेंसी

दक्षिणी मॉस्को में सोमवार सुबह एक रूसी जनरल की कार के नीचे लगाए गए विस्फोटक उपकरण में धमाका हो गया जिससे उनकी मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ हो सकता है। यह एक साल में किसी वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की हत्या का ऐसा तीसरा मामला है।

रूस की शीर्ष आपराधिक जांच एजेंसी इंवेस्टीगेटिव कमेटी के आधिकारिक प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने बताया कि रूस के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के परिचालन प्रशिक्षण निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की चोटों के कारण मौत हो गई। उन्होंने कहा कि जांचकर्ता इस हत्या के संबंध में कई संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। इनमें से एक यह भी है कि इस अपराध की साजिश यूक्रेन की खुफिया सेवाओं द्वारा रची गई हो सकती है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सरवारोव की हत्या की सूचना तुरंत दे दी गई है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सरवारोव पहले चेचन्या में लड़ चुके थे और सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में भी हिस्सा ले चुके थे। महज एक साल पहले सेना के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरीलोव की भी उनके अपार्टमेंट के बाहर एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाए गए बम में विस्फोट होने से मौत हो गई थी। विस्फोट में उनके एक सहायक की भी मौत हुई थी।

हस्तियों के चेहरों से हट रहा है मुखौटा

जेफरी एपस्टीन मरने के बाद भी दुनिया भर में चर्चा में है और उससे संबंधों की वजह से दुनिया भर की तमाम बड़ी हस्तियों की सांस हलक में फंसी हुई है। एपस्टीन एक अमेरिकी फाइनेंसर था जो नाबालिग लड़कियों की सेक्स ट्रैफिकिंग के वजह से बदनाम है। उसका जन्म न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में हुआ था। पढ़ाई छोड़ने के बाद वह निवेश बैंक में शामिल हुआ और 1980 तक वहां पार्टनर बन गया। 1982 में उसने अपनी फर्म शुरू की जो सिर्फ बेहद अमीर ग्राहकों का प्रबंधन करती थी। 2005 में फ्लोरिडा में उसके खिलाफ एक 14 वर्षीय लड़की के यौन शोषण की जांच शुरू हुई, जिसके बाद उसके खिलाफ कई घृणित और हैरतअंगेज खुलासे हुए। हाल ही में अमेरिकी संसद में पारित हुए प्रस्ताव के बाद उसकी फाइलों को सार्वजनिक किया जा रहा है, जिसमें कई बड़ी हस्तियों का काला चिट्ठा मौजूद बताया जा रहा है।

एपस्टीन का काला चिट्ठा

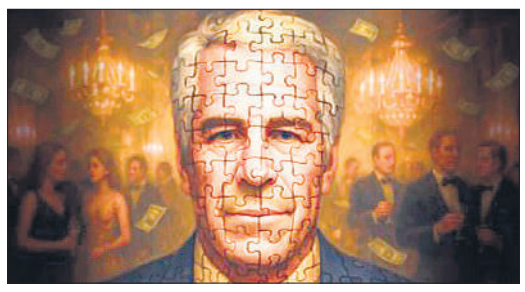

काले कारनामों का खुलासा

- मार्च 2005 में फ्लोरिडा की एक 14 वर्षीय लड़की के यौन शोषण की उसके माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में कई और पीड़ितों का पता चला। एपस्टीन का 2008 में संघीय अभियोजकों के साथ गुप्त समझौता हुआ, जिसके तहत एपस्टीन को मामूली सजा मिली।
- रिपोर्टर जूली के. ब्राउन 2018 में 80 पीड़ितों से बात कर परवर्जन ऑफ जस्टिस नामक एक शृंखला प्रकाशित की। इससे दबाया गया मामला फिर से चर्चा में आ गया।
- ब्राउन की रिपोर्टिंग और पीड़ितों के कानूनी संघर्ष के कारण जुलाई 2019 में एपस्टीन को नाबालिगों की तस्करी के गंभीर आरोपों में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

ताजा खुलासे : कई हस्तियां बेनकाब

- पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन कई तस्वीरों में एपस्टीन के घर और निजी विमान में देखे गए हैं। एक हॉट टब में भी वह लड़की के साथ दिख रहे हैं।
- ट्रंप का भी नाम दस्तावेजों में बार-बार आया है, एक फोटो में वे गिस्लेन मैक्सवेल समेत कई के साथ तस्वीर में नजर आ रहे हैं। ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू की एक तस्वीर जारी हुई है।
- विश्वप्रसिद्ध अन्य लोगों में बिल गेट्स, एलन मस्क, माइकल जैक्सन, केविन स्पेसी, क्रिस टकर, मिक जैगर, डायना रॉस, नाओमी कैंपबेल के भी नाम सामने आए हैं।

अब भी साजिश का पर्दा

- अमेरिकी सांसदों ने आरोप लगाया है कि न्याय विभाग ने हजारों पन्ने काले कर दिए हैं। इनमें एपस्टीन के अपराधों में शामिल और लोगों के नाम हो सकते हैं। ● जांचकर्ता उस क्लाइंट लिस्ट की तलाश में हैं, जिसमें ऐसे नाम हो सकते हैं जिन्होंने एपस्टीन की सेवा का लाभ उठाया। ● दस्तावेजों के ताजा सेट में कई सहसाजिशकर्ताओं के नाम अभी भी छिपाए गए हैं। पीड़ितों के समूह इन नामों को भी सार्वजनिक करने के लिए दबाव बना रहे हैं। ● उम्मीद जताई जा रही है कि आगे एपस्टीन के वित्तीय नेटवर्क का खुलासा होगा।

रहस्यमय मृत्यु

- 10 अगस्त 2019 को मुकदमे का इंतजार करते हुए एपस्टीन न्यूयॉर्क की एक जेल में मृत पाया गया। इसे आत्महत्या करार दिया गया। ● यह घटना उस समय घटी जब एपस्टीन का काला चेहरा दुनिया के सामने आ चुका था और उसकी फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग हो रही थी। ● दिसंबर 2025 में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत कई फाइलें व तस्वीरें सार्वजनिक की गई हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

आनंद बने स्टारबक्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष

ह्यूस्टन। अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी स्टारबक्स ने भारतीय मूल के आनंद वरदराजन को अपना नया कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) नियुक्त किया है। करीब दो दशकों तक अमेजन में काम कर चुके वरदराजन को दुनियाभर में कॉफीहाउस श्रृंखला के लिए मशहूर इस कंपनी के वैश्विक प्रौद्योगिकी संचालन की कमान सौंपी गई है। वरदराजन 19 जनवरी से पदभार संभालेंगे, कंपनी की कार्यकारी नेतृत्व टीम में शामिल होंगे।

अभिनेता जेम्स रैनसन ने की आत्महत्या

लॉस एंजिलिस। एचबीओ टीवी चैनल की प्रसिद्ध श्रृंखला द वायर में जिगी सोबोटका की भूमिका निभाने वाले अभिनेता जेम्स रैनसन ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। वह 46 वर्ष के थे। लॉस एंजिलिस काउंटी चिकित्सकीय परीक्षक कार्यालय के अनुसार आत्महत्या करने के कारण रैनसन की शुक्रवार को मौत हो गई। रैनसन ने इट : चैप्टर टू, द ब्लैक फोन और ब्लैक फोन 2 जैसी फिल्मों में काम किया था। इसके अलावा उन्होंने पुलिस ड्रामा बॉश और पोकर फेस जैसे टेलीविजन कार्यक्रमों में भी अभिनय किया था।

वेनेजुएला के एक और जहाज को खदेड़ा

मियामी। अमेरिकी तटरक्षक बल ने रविवार को कैरेबियाई सागर में एक और प्रतिबंधित तेल टैंकर जहाज का पीछा किया। इस अभियान से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी प्रशासन ने शनिवार को बताया था कि उसने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार एक टैंकर को जब्त किया है। नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि रविवार को जिस जहाज का पीछा किया गया वह प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाला जहाज था। उनके मुताबिक, वह जहाज फर्जी झंडा लगाए हुए था।

द. कोरिया में विमान हादसे की जांच शुरू

सोल। दक्षिण कोरियाई संसदीय समिति ने पिछले वर्ष दिसंबर में हुए एक यात्री विमान हादसा मामले की सोमवार को जांच शुरू कर दी। नेशनल असेंबली की विशेष जांच समिति ने जेजू एयर के यात्री विमान हादसा मामले में अपनी जांच शुरू करने के लिए अपनी पहली बैठक की। यह विमान पिछले 29 दिसंबर को राजधानी सोल से लगभग 290 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में मुआन हवाई अड्डा पर क्रैश हो गया था।

बांग्लादेश में हादी के बाद एक अन्य छात्र नेता को मारी गई सिर में गोली

देश में छात्र नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे प्रमुख नेता थे मोतालेब सिकदर

● बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में हुई वारदात

ढाका, एजेंसी

कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के पास प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता।

बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने छात्र-नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे नेता मोतालेब सिकदर को सिर में गोली मार दी। यह हमला प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ। एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी) की संयुक्त प्रधान समन्वयक महमूदा मितु ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि एनसीपी के खुलना डिवीजन के प्रमुख और पार्टी के कार्यकर्ता मोर्चे के केंद्रीय समन्वयक मोहम्मद मोतालेब सिकदर को कुछ मिनट पहले गोली मार दी गई।

पेशे से चिकित्सक मितु ने बताया कि सिकदर को गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि सिकदर के सिर में बाईं ओर गोली मारी गई और जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तो बहुत अधिक खून बह रहा था। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया। यह हमला हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ है। हादी पिछले साल हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के एक प्रमुख नेता थे। इन प्रदर्शनों के बाद ही प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। हादी को 12 दिसंबर को ढाका के बिजॉयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। इंकलाब मंच के 32 वर्षीय प्रवक्ता की गुरुवार को सिंगापुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में उम्मीदवार थे। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने शनिवार को हादी की मौत पर राष्ट्रव्यापी शोक का आयोजन किया और कहा कि उनके हत्यारों को पकड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हादी पर हमले और उसके बाद हुई उसकी मौत को लेकर ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में हिंसा फिर से भड़क उठी। सोमवार को खुलना शहर के माजिद सारणी इलाके में सिकदर पर हुए गुप्त हमले के बाद, पुलिस ने कहा कि वे अभी तक हमले के अपराधियों या मकसद के बारे में अनजान हैं।

हिंदू युवक की हत्या के विरोध में कई राज्यों में प्रदर्शन

कोलकाता। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की हुई बर्बर हत्या के विरोध में सोमवार को पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने हत्या में संलिप्त लोगों को कड़ी सजा देने और हिंदुओं पर हमले और अत्याचार बंद किए जाने की मांग की। कोलकाता में भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभेंदु अधिकारी ने पार्टी नेताओं एवं समर्थकों के साथ बांग्लादेशी उप उच्चायोग के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारी ने निजाम पैलेस से बेकबागन तक रैली का नेतृत्व किया, जहां लगभग 2,000 लोग एकत्र हुए तथा हत्या की बर्बर घटना की निंदा की और प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के मैमनसिंह में 18 दिसंबर की रात दीपू दास की पीटकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा, हम दास की हत्या में संलिप्त सभी लोगों के लिए कड़ी सजा चाहते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले तुरंत बंद हों।

अशांति की आशंका में असम में हाई अलर्ट

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में अशांति की नई लहर के मद्देनजर राज्य हाई अलर्ट पर है। शर्मा ने यहां कहा कि राज्य सरकार बांग्लादेश के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए है। मुख्यमंत्री ने कहा हमने देखा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है और उन्हें जिंदा जलाया जा रहा है...बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता में बैठे लोग पूर्वोत्तर भारत को अपने देश में शामिल करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि बांग्लादेश से लोगों ने समय-समय पर असम में प्रवेश किया और राज्य ऐसे लोगों से भरा पड़ा है। हमें सतर्क रहना होगा और उस देश के घटनाक्रम पर पैनी नजर रखनी होगी। उन्होंने पिछले सप्ताह दावा किया था कि बांग्लादेशी तत्व बार-बार यह कह रहे हैं कि पूर्वोत्तर भारत को पड़ोसी देश में मिला दिया जाना चाहिए, भारत इस पर चुप नहीं रहेगा।

सीमा पर झड़पों के बाद संघर्ष विराम वार्ता फिर से शुरू करेंगे थाईलैंड और कंबोडिया

बैंकॉक, एजेंसी

● आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद बनी सहमति

थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेत्केओ ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया इस सप्ताह के अंत में अपनी सीमा पर अधिक स्थायी संघर्ष विराम की दिशा में काम करने के लिए बातचीत फिर से शुरू करेंगे।

सिहासक फुआंगकेत्केओ ने साथ ही इस बात पर जोर भी दिया कि प्रगति विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता पर निर्भर करती है, ना कि विवाद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने वाली सार्वजनिक घोषणाओं पर। उन्होंने सोमवार को कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद कहा कि अक्टूबर में किया गया सशस्त्र संघर्ष समझौता जल्दबाजी में किया गया था ताकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसके गवाह बन सकें। उन्होंने कहा कि उसमें सशस्त्र संघर्ष को समाप्त करने के लिए ऐसे पर्याप्त विवरण नहीं थे, जिससे यह समझौता टिकाऊ हो सके। सिहासक ने संकट को समाप्त करने के तरीके तलाशने के लिए आयोजित बैठक के बाद कहा कि हालांकि कंबोडिया ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वह बिना शर्त संघर्षविराम के लिए तैयार है, लेकिन बैंकॉक को कभी कोई प्रत्यक्ष प्रस्ताव नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि थाईलैंड का मानना है कि ऐसे बयान मुद्दे का समाधान करने के बजाय अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से थे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों वाली सामान्य सीमा समिति बुधवार को एक स्थायी संघर्षविराम की दिशा में विस्तृत उपायों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेगी। सिहासक ने कहा कि इस बार, आइए विवरणों पर विस्तार से चर्चा करें।

उपग्रह को कक्षा में पहुंचाने में विफल रहा जापान

तोक्यो। जापान की अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि नौवहन उपग्रह ले जाने वाला उसका एच3 रॉकेट पेलोड को नियोजित कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा, जो देश के नए प्रमुख रॉकेट और उसके अंतरिक्ष प्रक्षेपण कार्यक्रम के लिए एक झटका है। नेविगेशनल उपग्रह वह कृत्रिम उपग्रह होते हैं, जो पृथ्वी पर किसी स्थान की सटीक स्थिति, दिशा और समय की जानकारी देने में मदद करते हैं। सोमवार की विफलता जापान के नए प्रमुख रॉकेट के लिए दूसरी विफलता है, 2023 में इसकी पहली उड़ान असफल रही थी।

मुंबई में अब आवारा कुत्तों को एआई से करेंगे काबू

मुंबई, एजेंसी

● नगर निगम ने कुत्तों की आबादी पर नियंत्रण के लिए की पहल

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मुम्बई में आवारा कुत्तों की आबादी को काबू में रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करेगा। इसका उद्देश्य आवारा कुत्तों की सेहत, उसकी गतिविधियों और व्यवहार को बेहतर बनाने के साथ ही लोगों की सुरक्षा को बढ़ाना है।

एआई कुत्तों की पहचान प्रोफाइल बनाने के लिए उनकी तस्वीरें लेगा और टीकाकरण और बंध्याकरण के बाद उन्हें काबू में रखा जा सकेगा। इसी का डेटा सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन, मोबाइल एप्लिकेशन और हाथ से ली गई तस्वीरों से इकट्ठा किया जाएगा ताकि उसकी गतिविधियों और व्यवहारों का विश्लेषण किया जा सके और अधिक कुत्तों वाली जगहों की पहचान की जा सके। अधिकारियों ने इस प्रणाली को जानवरों की उपस्थिति की सही पहचान के लिए जरूरी बताया है, जिससे नागरिकों की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई की जा सकेगी और बंध्याकरण और टीकाकरण की बेहतर योजनाएं बनाई जा सकेंगी।

अल्बानीज़ को हटाने के लिए तीन लाख हस्ताक्षर

सिडनी। आस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए जानलेवा आतंकवादी हमले के बाद तीन लाख से ज्यादा लोगों ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ के इस्तीफे और आप्रवासन नीति में बदलाव की मांग की है। याचिका से जुड़ी वेबसाइट चेंजडॉटऑर्ग के अनुसार, अब तक तीन लाख 10 हज़ार लोग इस याचिका पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। सिडनी बीच आतंकवादी हमले के पीड़ितों को 21 दिसंबर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अल्बानीज़ के खिलाफ भीड़ ने नारेबाज़ी की थी।

मोदी के दूत के रूप में आज श्रीलंका पहुंचेंगे जयशंकर

कोलंबो, एजेंसी

● सागर बंधु अभियान के संदर्भ हो रही विदेश मंत्री की यह यात्रा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में मंगलवार को श्रीलंका पहुंचेंगे और वहां के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को कहा कि उनकी यह यात्रा भारत की पड़ोसी प्रथम नीति को रेखांकित करती है।

यह यात्रा सागर बंधु अभियान के संदर्भ में हो रही है, जिसे पिछले महीने चक्रवात दित्वा से हुई तबाही से निपटने के लिए शुरू किया गया था। चक्रवात से हुई तबाही के बाद श्रीलंका द्वारा की गई अंतर्राष्ट्रीय सहायता अपील पर प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश भारत था। भारत के सागर बंधु अभियान ने व्यापक स्तर पर राहत और पुनर्वास सहायता प्रदान की। सागर बंधु अभियान में भारत ने श्रीलंका को 1,134 टन से अधिक मानवीय सहायता प्रदान की है, जिसमें सूखा राशन, तंबू, तिरपाल, स्वच्छता किट, कपड़े, जल शोधन प्रणाली और 14.5 टन दवाएं शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई सार्थक बातचीत

मियामी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के एक दूत ने रविवार को कहा कि उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए फ्लोरिडा में यूक्रेनी और यूरोपीय प्रतिनिधियों के साथ उपयोगी और सार्थक बातचीत की। व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इन वार्ताओं का उद्देश्य यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण पर सहमति बनाना है।

इंडोनेशिया में बस हादसे में 16 की मौत

● गंभीर हालत में 18 लोग अस्पताल में कराए गए भर्ती

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में एक यात्री बस के रविवार देर रात दुर्घटनाग्रस्त होने से 16 लोगों की मौत हो गई। खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख बुडियोनो ने बताया कि 34 लोगों को ले जा रही बस टोल रोड पर नियंत्रण खो बैठी और कंक्रीट के एक अवरोधक से टकराने के बाद पलट गई।

उन्होंने बताया कि अंतर-प्रांतीय बस राजधानी जकार्ता से देश के प्राचीन शाही शहर योग्याकार्ता जा रही थी तभी सेंट्रल जावा के सेमारंग शहर में क्राप्याक टोलवे पर एक घुमावदार मार्ग पर वह पलट गई। बुडियोनो ने कहा कि हादसा इतना भीषण था कि कई यात्री उछलकर गिर पड़े और बस में फंस गए। दुर्घटना के लगभग 40 मिनट बाद पुलिस एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और उन्होंने छह यात्रियों के शव बरामद किए। बुडियोनो ने बताया कि 10 अन्य लोगों की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पास के दो अस्पतालों में इलाज करा रहे 18 पीड़ितों की हालत गंभीर है। समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित वीडियो में पीले रंग की एक बस पलटी नजर आ रही है जिसके आसपास राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के कर्मी, पुलिस और राहगीर खड़े दिख रहे हैं। वीडियो में एंबुलेंस हादसे की जगह से घायलों और मृतकों को ले जाती नजर आ रही हैं। सेंट्रल जावा के पुलिस प्रमुख रिबुत हरि विबोवो के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने अधिकारियों को बताया कि बस तेज गति से चल रही थी और चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया। बस चालक को गंभीर चोटें आईं है लेकिन उपचार के दौरान वह बात कर पा रहा था। विबोवो ने कहा, हम दुर्घटना के कारण की जांच कर रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 12.12 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

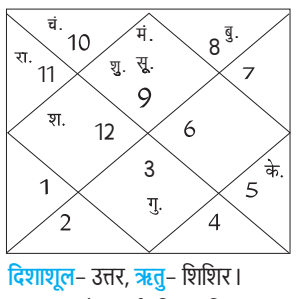

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण पूर्ण रात्रि तक।

मेष - आज लोग आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। घर में कुछ बदलाव कर सकते हैं। आपके व्यवहार की गंभीरता की प्रशंसा होगी। वैवाहिक जीवन में परस्पर सम्मान की भावना में वृद्धि होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृष - आज कार्यक्षेत्र में आपकी बातों को विशेष महत्व मिलेगा। मनोरंजन संबंधी कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। आपकी जीवनशैली में सुधार आएगा। रुके हुए सरकारी कार्य पूरे हो जाएंगे। बड़े अधिकारी आपसे बहुत प्रसन्न रहने वाले हैं।

मिथुन - आज प्रेम संबंधों को लेकर तनाव बढ़ेगा। सुख-सुविधाओं में कमी आएगी। कानूनी मामलों में परेशानियां बढ़ सकती हैं। काम के प्रति एकाग्र नहीं हो पा रहे हैं, इसीलिए नए काम की शुरूआत न करें। केवल कही-सुनी बातों पर ही सहसा विश्वास न करें।

कर्क - आज वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। कारोबारी अनुबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। बच्चों की उपलब्धियों से हर्षित रहेंगे। निर्माण कार्यों में तेजी आएगी। आप परिवार को अत्यधिक महत्व देंगे। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह - आज सहकर्मियों का बेहतरीन सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप किसी काम को टालते हैं, तो भविष्य में भी उसके टलने की संभावना बढ़ जाएगी। सभी कार्यों को समय पर पूर्ण करने का प्रयास करें। किसी नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या - आज समझदारी पूर्वक स्थितियों को संभालने का प्रयास करें। अधूरे कार्यों को समय पर निपटा पाएंगे। आप वही काम करना पसन्द करेंगे, जो आपका शौक बन गया हो। शेयर मार्केट में पहले किया गया निवेश आपको बड़ा लाभ दे सकता है।

तुला - आज व्यर्थ दौड़धूप करनी पड़ेगी, लेकिन उसका परिणाम कुछ खास नहीं मिलेगा। बोलचाल में हल्के शब्दों का प्रयोग करना उचित नहीं है। लेन-देन में की गई जल्दबाजी आपको आर्थिक हानि पहुंचा सकती है।

वृश्चिक - आज नौकरीपेशा लोगों का ट्रांसफर हो सकता है। पढ़ाई-लिखाई को लेकर आप अत्यंत सजग रहेंगे। विवेक से काम करना लाभकारी सिद्ध होगा। व्यापार में बहुत अच्छे मौके मिलेंगे। रूपरेखा बनाकर काम करना लाभकारी सिद्ध होगा।

धनु - आज जोखिम भरे निवेश करने से आपको बचना चाहिए। बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। पुराने रोगों के कारण परेशानी होगी। आपकी कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएं गुम हो सकती हैं। लोग आपके सही काम का भी विरोध करेंगे।

मकर - आज व्यवसाय में बड़ा बदलाव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको नए अनुभव मिलेंगे। मित्रों से आपको कुछ उपहार मिल सकता है। मृदु व्यवहार के कारण लोगों के चहेते बने रहेंगे। भाई-बंधुओं के बीच आत्मीयता की भावना बढ़ेगी।

कुंभ - आज अति आत्मविश्वास के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ेगी। बेवजह के मामलों में उलझ सकते हैं। कारोबार में थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। बवासीर के रोगियों को तेज दर्द की शिकायत हो सकती है। बुरी संगत वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें।

मीन - आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में आप अत्यंत सक्रिय रहेंगे। धार्मिक कार्यों में मन लगाएंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ मिल सकता है। आलस्य की वजह से काम में रुकावटें आ सकती हैं।

सुडोकू -10

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		7			8		5	
	8		4	6			7	
6		4			2		3	
	6			1	5			3
4			7	3		8		
	7		6			9		2
	3			8	9		4	
	4		2			3		1

सुडोकू - 9 का हल

7	1	8	4	2	9	5	3	6
4	6	5	8	7	3	2	9	1
9	2	3	1	5	6	7	8	4
6	4	2	3	8	7	9	1	5
5	8	7	6	9	1	3	4	2
3	9	1	5	4	2	6	7	8
8	7	4	9	6	5	1	2	3
1	5	9	2	3	8	4	6	7
2	3	6	7	1	4	8	5	9

हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ियों को अनुभव हासिल करने और कम उम्र में ही कॉम्पिटिटिव हॉकी की जरूरतों को समझने में मदद करती है। मैं सभी हिस्सा लेने वाली अकादमियों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं।

-डॉ. दिलीप टिर्की

स्टेडियम

मुरादाबाद, मंगलवार ,23 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष चैंपियनशिप में 14 टीमें लेंगी हिस्सा

सूरत, (गुजरात)। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी में मंगलवार से शुरु हो रही तीसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप 2025 में देश भर की प्रमुख हॉकी अकादमियों की 14 टीमें हिस्सा लेंगी। यह चैंपियनशिप से 30 दिसंबर तक चलेगी। इसमें शामिल 14 टीमों को चार पूल में बांटा गया है। पूल ए में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब, चीमा हॉकी और आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी हैं। पूल बी में नामधारी स्पोर्ट्स, रितु रानी हॉकी और जायंट्स स्पोर्ट्स हैं। पूल सी में एसजीपीसी हॉकी, अश्विनी स्पोर्ट्स, हॉकी फैमिली बड़खालसा एनसीआर हॉकी सोसाइटी और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात हॉकी एकेडमी शामिल हैं। पूल डी में घुमनहेड़ा राइजर्स, भाई बेहलो हॉकी भगता, राजा करण हॉकी और प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन शामिल हैं।

पिंकाथॉन में रिकॉर्ड 5,300 से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

मुंबई। पिंकाथॉन के 10वें सत्र के विभिन्न श्रेणियों में रिकॉर्ड 115 दृष्टिबाधित महिलाओं के साथ 5,300 से अधिक महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह किसी दौड़ स्पर्धा में दृष्टिबाधित महिलाओं की विश्व रिकॉर्ड संख्या है। रविवार को संपन्न इस दो दिवसीय आयोजन में सभी आयु वर्ग के धावकों ने भाग लिया। इस आयोजन में तीन किमी, पांच किमी और 10 किमी की दौड़ शामिल थीं। पिंकाथॉन के संस्थापक मिलिंद सोमण ने कहा प्रतिभागियों की बढ़ती संख्या के साथ जो बात इस दौड़ को सबसे अलग बनाती है वह इसमें भाग लेने वाली महिलाओं की विविधता है। दृष्टिबाधित धावकों से लेकर पहली बार भाग लेने वाली और प्रतिस्पर्धी धाविका की मौजूदगी से पिंकाथॉन लगातार यह दर्शाता है कि भारत में महिलाओं की दौड़ किस प्रकार विकसित हो रही है।

श्रीलंका पर एक और बड़ी जीत हासिल करने उतरेगा भारत

महिला टी-20 सीरीज का दूसरा मैच आज शाम 7 बजे से, फील्डिंग पर होगी नजर

विशाखापत्तनम, एजेंसी

पहले मैच में बड़ी जीत हासिल करने से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम जब श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मैदान पर उतरेगी तो वह फील्डिंग के स्तर को बेहतर करके अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने पिछले महीने विश्व कप जीतने के बाद बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। भारतीय टीम ने श्रीलंका को केवल छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया था, लेकिन इस बीच उसकी फील्डिंग अपेक्षानुरूप नहीं रही और उसने कुछ कैच छोड़े।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा हम अपनी फील्डिंग पर काम कर रहे हैं। पता नहीं क्यों हम बार-बार कैच छोड़ रहे हैं। मैदान गीला था, लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। यह एक ऐसी चीज है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अगले मैच में हम बेहतर रणनीति के साथ उतरेंगे। विश्व कप की सफलता के बाद भारतीय टीम को छह सप्ताह का ब्रेक मिला। इसके बाद भारतीय टीम ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक सप्ताह के शिविर में भाग लिया था। फील्डिंग में थोड़ी बहुत कमी आना लगभग अपेक्षित था और कप्तान को लगता है कि टीम बहुत जल्द लय में आ जाएगी। हरमनप्रीत ने कहा हम एक महीने बाद खेल रहे हैं। हम खुद को बेवजह चुनौती नहीं देना चाहते।

अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ी। एजेंसी

विकेट नहीं मिलने से निराश नहीं हूं अपने प्रदर्शन से खुश हूं: वैष्णवी शर्मा

विशाखापत्तनम : भारत की बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने कहा कि महिला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पदार्पण मैच में विकेट नहीं मिलने के बावजूद अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने से उन्हें खुशी हुई। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां खेले गए पहले मैच में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया तथा चार ओवर में 16 रन दिए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। भारत ने इस मैच में आठ विकेट से शानदार जीत हासिल की। वैष्णवी ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा विकेट नहीं मिलने से मैं किसी भी तरह से निराश नहीं हूं। मुझे खुशी है कि मैं अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने में सफल रही। अभी चार मैच खेले जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि अपना पहला मैच खेलने से पहले वह थोड़ा नर्वस थी लेकिन राष्ट्रगान सुनने से उन्हें आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिली। वैष्णवी ने कहा शुरू में मैं थोड़ी नर्वस थी लेकिन राष्ट्रगान के बाद सहज हो गई थी।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

गिल, अभिषेक और अर्शदीप को पंजाब टीम में मिली जगह

चंडीगढ़। भारतीय टेस्ट एवं वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल, विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 50 ओवर प्रारूप में खेले जाने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पंजाब की टीम में शामिल किया गया। यह चयन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप में अनिवार्य भागीदारी के निर्देश के अनुरूप है।

गिल को टी20 विश्व कप के लिए घोषित भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। अभिषेक और अर्शदीप नियमित रूप से भारत के लिए टी20 मैच खेलते हैं। अर्शदीप को अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली वनडे सीरीज की टीम में शामिल किया जाता है तो वह और गिल विजय हजारे ट्रॉफी में शुरुआती दो तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहेंगे। अभिषेक कुछ अधिक मैचों में टीम का प्रतिनिधित्व कर सकते है।

पंजाब को ग्रुप सी में प्रबल दावेदार मुंबई के साथ रखा गया है। टीम शुरुआती दो मैचों में महाराष्ट्र (24 दिसंबर) और छत्तीसगढ़ (26 दिसंबर) का सामना करेगी। मुंबई और पंजाब का मुकाबला आठ जनवरी को होगा और उस समय तक मुंबई के रोहित शर्मा और पंजाब के गिल दोनों ही उपलब्ध नहीं होंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पंजाब की टीमः शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, अनमोलप्रीत सिंह, उदय सहारन, नमन धीर, सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), सनवीर सिंह, रमनदीप सिंह, जशनप्रीत सिंह, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, रघु शर्मा, कृष भगत, गौरव चौधरी और सुखदीप बाजवा।

रोहित शर्मा ने किया चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोले- वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार के बाद संन्यास लेने पर किया था विचार

भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि 2023 में खेले गए वनडे विश्व के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद उन्होंने संन्यास लेने पर विचार किया था, क्योंकि उन्हें लगा कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है।

भारत ने घरेलू मैदान पर खेले गए इस वनडे विश्व कप में रोहित की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन किया था तथा लगातार नौ मैच जीत कर फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन इस महत्वपूर्ण मैच में उसे पराजय का सामना करना पड़ा था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाया था जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। रोहित ने मास्टर्स यूनियन के एक कार्यक्रम के दौरान ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा मुझे इससे उबरने में थोड़ा समय लगा। मैं खुद को बार-बार याद दिलाता रहा कि यही वह चीज है जिससे मुझे वास्तव में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। धीरे-धीरे मैं इससे उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस हासिल की और फिर से मैदान पर सक्रिय हो गया। रोहित ने कहा उस हार से हर कोई निराश था और हमें विश्वास नहीं हो रहा था कि क्या हुआ है। मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर यह बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से दो या तीन महीने पहले ही नहीं, बल्कि 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था। रोहित ने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और इस साल की शुरुआत में उन्हें वनडे की कप्तानी से हटा दिया गया था। वह अभी 50 ओवर के प्रारूप में खेलते हैं और उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना है।

> वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मुझे ऐसा लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है।
>
> **-रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान**

रोहित ने कहा मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 2023 में वनडे विश्व कप। इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी ऊर्जा नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और खुद को वापस पटरी पर लाने में कुछ महीने लग गए। ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद में मिली उस हार के एक साल से भी कम समय बाद भारत ने रोहित की कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था, लेकिन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार की पीड़ा से उबरना आसान नहीं था। रोहित ने कहा मुझे लगता है कि जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपना सब कुछ झोंक देते हैं और फिर आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है। मेरे साथ भी ठीक यही हुआ।

2025

नीरज ने 90 मीटर का जादुई आंकड़ा छुआ

भारतीय एथलेटिक्स का हाल

लेकिन सताता रहा डोपिंग का डंक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा फॉर्म में उतार चढ़ाव के बावजूद 90 मीटर तक भाला फेंकने के जादुई आंकड़े को छूने में आखिरकार सफल रहे लेकिन इस बीच वर्ष 2025 में भारतीय एथलेटिक्स को डोपिंग का डंक भी डसता रहा। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक में मानक माने जाने वाले 90 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसी वर्ष टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पदक जीतने में नाकाम रहने से उन्हें निराशा भी हाथ लगी।

इस प्रतियोगिता में युवा सचिन यादव ने चोपड़ा को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल किया और इस तरह से भाला फेंक में विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनने की अपनी क्षमता प्रदर्शित की। लेकिन डोपिंग का खतरा कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि कई शीर्ष भारतीय खिलाड़ी इसकी चपेट में आ गए। इनमें ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह और एशियाई खेलों की पूर्व पदक विजेता चक्का फेंक की खिलाड़ी सीमा पुनिया भी शामिल हैं। अपनी तरह के पहले मामले में एक एथलीट और उसके कोच की जोड़ी को डोपिंग के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि दो नाबालिग एथलीट भी डोपिंग में पकड़े गए। भारतीय खेलों के नायक चोपड़ा इस साल हिमाचल प्रदेश के एक निजी रिसॉर्ट में टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ परिणय सूत्र में बंधे। इस समारोह में कुछ करीबी रिश्तेदार और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। लोगों को इसके बारे में तभी पता चला जब चोपड़ा ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शादी की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके कुछ महीनों बाद चोपड़ा ने अपना भाला 90.23 मीटर तक फेंका और ऐसा करने वाले एशिया के तीसरे और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बन गए।

चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग, गोल्डन स्पाइक मीट और एनसी क्लासिक के रूप में इस साल तीन बड़े खिताब जीते। उन्होंने घरेलू दर्शकों और परिवार के सदस्यों के सामने एनसी क्लासिक के रूप में विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अपना सपना साकार किया।

इस स्टार खिलाड़ी को हालांकि डायमंड लीग फाइनल में निराशा हाथ लगी और वह जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। लेकिन सबसे अप्रत्याशित परिणाम सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में चोपड़ा 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और कुल मिलाकर आठवें स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा।

दो विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं की मेजबानी की भारत ने

इन सबके बीच सकारात्मक पहलू यह रहा कि भारत ने दो विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिताओं की मेजबानी की। इनमें से एक में चोपड़ा ने मेजबानी की और जीत हासिल की। भारत ने इसके अलावा 2031 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित कुछ प्रमुख महाद्वीपीय और विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए बोली लगाई है।

आदिल की जगह गोला प्रक्षेपक खिलाड़ी बहादुर सग्गू चुने गए अध्यक्ष

नई दिल्ली। आदिल सुमारीवाला का भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल समाप्त हो गया और 2002 में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले गोला प्रक्षेपक खिलाड़ी बहादुर सग्गू को उनकी जगह अध्यक्ष चुना गया।

डोपिंग के कारण अयोग्य घोषित एथलीटों की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर

डोपिंग अपराधों के कारण अयोग्य घोषित किए गए एथलीटों की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर बना हुआ है। डोपिंग के आरोप में पकड़े गए देश के कुछ शीर्ष एथलीटों में शिवपाल, पुणे हाफ मैराथन के विजेता प्रधान विलास किरुलाकर, फर्राटा धाविका शेखर धनलक्ष्मी और 2014 के एशियाई खेलों की पदक विजेता हैमर थ्रोअर मंजू बाला शामिल हैं। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने दो नाबालिगों पर तीन साल का प्रतिबंध भी लगाया है। भारतीय जूनियर टीम के पूर्व मुख्य कोच रमेश नागपुरी को डोपिंग में मिलीभगत के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। दो अन्य कोच करमवीर सिंह और राकेश को भी डोपिंग के आरोप में निलंबित कर दिया गया। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार ने प्रतियोगिता से इतर किए गए परीक्षणों के दौरान प्रतिबंधित एनाबॉलिक पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमेरिकी डोपिंग विरोधी एजेंसी द्वारा लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को झेल रहे हैं। रांची में आयोजित एसएएएफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 1500 मीटर और 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली 18 वर्षीय संजना सिंह और उनके कोच संदीप सिंह को डोपिंग के अपराध के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। यही नहीं एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली चक्का फेंक खिलाड़ी सीमा पुनिया को डोपिंग प्रशिक्षण में नाकाम रहने के कारण 16 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया। भारत ने 10 अगस्त को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की कांस्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। भारत ने 2028 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2026 एशियाई रिले के लिए भी बोली लगाई है।

विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करूंगा : सूर्यकुमार

मुंबई, एजेंसी

- 7 फरवरी से शुरू होगा टी-20 विश्व कप

टी-20 में पिछले कुछ समय से रनों का सूखा होने के बाद पहली बार भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि उनका फॉर्म अच्छा नहीं है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया है कि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करेंगे।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद सूर्यकुमार ने बीसीसीआई के मुंबई हेडक्वार्टर में हंसते हुए कहा ये वाला पैच थोड़ा लंबा हो गया। मुझे लगता है हर किसी में करियर में उन्हें यह देखने को मिला है। मैं भी इससे उबर कर आऊंगा। मुझे पता है क्या करना है। मुझे पता है चीज़ें कहां गलत हो रही हैं। मेरे पास इसके ऊपर काम करने के लिए कुछ समय है। अभी न्यूजीलैंड सीरीज और टी20 विश्व कप आने वाला है। आप सूर्या को वापसी करते हुए जरूर देखेंगे।

01 साल में नंबर 3 और 4 पर खेलते हुए सूर्यकुमार ने 22 पारियों में बिना अर्धशतक और सिर्फ 12.84 की औसत एवं 117.87 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं रन

05 मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह 12, 5, 12 और 5 के स्कोर ही बना सके

05 मैच सिर्फ बचे हैं अब टी-20 विश्व कप से पहले कप्तान के खेलने के लिए

2024 टी20 विश्व कप जीत के बाद रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद से ही सूर्यकुमार का फॉर्म उनका साथ नहीं दे रहा है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ तीन पारियों में वह सिर्फ़ एक बार ही 5 का आंकड़ा पार कर सके। इंग्लैंड के खिलाफ पांच पारियों में दो बार 0 पर आउट हुए।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस | कोमोरोस को 2-0 से हराया, अयूब अल काबी ने लगाई शानदार बाइसाइकिल किक

मोरक्को ने जीत से किया अभियान का आगाज

रबात (मोरक्को), एजेंसी

अयूब अल काबी के शानदार बाइसाइकिल किक से किये गोल की मदद से मोरक्को ने 35वें 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' में अपने अभियान का आगाज रविवार को यहां कोमोरोस पर 2-0 की जीत के साथ किया।

इस मैच के दौरान मोरक्को के युवराज (क्राउन प्रिंस) मौले हसन भी मौजूद थे। हसन ने मैच शुरू होने से पहले दोनों देशों के खिलाड़ियों से मुलाकात भी की। विश्व रैंकिंग में 108वें कोमोरोस ने टूर्नामेंट में जीत के प्रबल दावेदारों में से एक रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज टीम को कड़ी टक्कर दी।

कोमोरोस के गोलकीपर यानिक पंडोर ने सोफियान रहीमी के शुरुआती पेनल्टी शॉट को भी बचा लिया। ब्राहिम डियाज ने हालांकि मैच के 55वें मिनट में गोल कर स्टेडियम में बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों में उत्साह भर दिया।

इसके बाद अल काबी ने 74वें मिनट में 'ओवरहेड किक' से टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। इस गोल के बाद युवराज हसन भी अपनी खुशी छिपा नहीं सके और तालियां बजाते हुए टीम का उत्साहवर्धन किया।

बाइसाइकिल किक लगाता मोरक्को का खिलाड़ी। एजेंसी

एस्टन विला ने लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड)। मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टल विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा। एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 10वीं जीत है।

फीफा रैंकिंग में भारत 142वें स्थान पर

ज्यूरिख। स्पेन 2025 का अंत फीफा रैंकिंग में शीर्ष पुरुष फुटबॉल टीम के तौर पर करेगा। सोमवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में बहुत कम बदलाव हुए। पिछली रैंकिंग 19 नवंबर को जारी की गई थी। शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। स्पेन के बाद अर्जेंटीना, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राजील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी और क्रोएशिया का नंबर आता है। स्पेन ने विश्व कप ग्रुप ई क्वालीफाइंग जीता और अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह मेजबानी में होने वाले 2026 टूर्नामेंट में ग्रुप एच में उरुग्वे, सऊदी अरब और केप वर्डे से भिड़ेगा। भारत इस रैंकिंग में 142वें स्थान पर बना हुआ है। अगली रैंकिंग 19 जनवरी को जारी की जाएगी।